सुविचार
अभिव्यक्ति के रास्ते में शब्द स्वयं एक बाधा है।
– मलयज

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 09 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 27 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Alia Bhatt Looks Chic In Black... 12

SHARE

सेंसेक्स	:	77,860.19
निफ्टी	:	23,559.95

SARAFA

सोना	:	8,125
चांदी	:	107.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

विधानसभा चुनाव : भाजपा को बंपर मिली जीत, 22 सीटों पर 'आप' कैंडिडेट जीते

दिल्ली में 27 साल बाद बीजेपी सरकार

NEW DELHI @ PTI : शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में बंपर जीत हासिल की है। आम आदमी पार्टी (आप) को राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता से बाहर कर 27 साल बाद धमाकेदार वापसी की। इस बार चुनाव में 'आप' संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मंत्री सौरभ भारद्वाज सहित सत्तारूढ़ दल के कई अन्य प्रमुख नेता चुनाव हार गए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना कालकाजी विधानसभा सीट से जीत गई हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा को 70 में से 48 और आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली हैं। भाजपा को 45.91 और आम आदमी पार्टी को 43.56 % मत मिले हैं। कांग्रेस का तीसरी बार भी खाता नहीं खुल सका है। बता दें कि दिल्ली में पांच फरवरी को हुए चुनाव में 1.55 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 60.54 प्रतिशत ने मतदान किया था।

जनता ने 'शीशमहल' को किया नेस्तनाबूद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव परिणमों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को 'आप-दा' मुक्त करने का काम किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है। शाह ने कहा, दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता।

70 में से 48 सीटों पर भाजपा का कब्जा, लगातार तीसरी बार कांग्रेस नहीं खोल सकी खाता

- भाजपा को 45.91 और 'आप' को मिले 43.56 प्रतिशत मत
- पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित कई दिग्गज हारे
- कालकाजी सीट से जीत गई हैं मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना

मुख्यमंत्री पद के दावेदारों को लेकर कयास शुरू

भाजपा की सरकार बनना सुनिश्चित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के दावेदारों को लेकर भी कयासों का दौर शुरू हो गया। इस दौड़ में नई दिल्ली सीट पर केजरीवाल को 4089 मतों से हराने वाले प्रवेश वर्मा एक प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। भाजपा ने इस चुनाव में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को आगे रखा था। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा और इस बारे में फैसला पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा।

सचिवालय से बाहर नहीं निकालें कोई फाइल

सत्ता परिवर्तन के बीच दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने एक आदेश में कहा कि रिकॉर्ड की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसकी पूर्व अनुमति के बिना कोई भी फाइल, दस्तावेज या कंप्यूटर दिल्ली सचिवालय से बाहर नहीं ले जाया जाएगा। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने एक आदेश जारी कर सभी विभागों, एजेंसियों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों को विभाग की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी रिकॉर्ड या फाइल नहीं हटाने का निर्देश दिया है। विभिन्न विभाग प्रमुखों और प्रभारियों को जारी जीएडी के आदेश में कहा गया है कि किसी भी फाइल, दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि को बिना पूर्व अनुमति के दिल्ली सचिवालय परिसर से बाहर नहीं ले जाया जा सकता है।

PARTY	SEATS
AAP	22
BJP	48
Congress	0
Others	0

Source: ECI #DelhiResultsWithPTI

भाजपा ने 1993 में बनाई थी सरकार

बता दें कि भाजपा ने 1993 में दिल्ली में सरकार बनाई थी। उस चुनाव में उसे 49 सीट पर जीत मिली थी। इसके बाद 2020 तक हुए सभी चुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ा। भाजपा 2015 के चुनाव में सिर्फ तीन सीट पर सिमट गई थी जबकि 2020 के चुनाव में उसकी सीट संख्या बढ़कर आठ हो गई थी। चुनाव के बीच में ही आए केंद्रीय बजट में मध्यम वर्ग को महत्वपूर्ण कर रियायतें देकर भी भाजपा ने एक बड़ा दांव चला था।

एक दशक की 'आप-दा' से मुक्त हुई दिल्ली : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत को 'ऐतिहासिक' करार दिया और कहा कि अब राष्ट्रीय राजधानी एक दशक की 'आप-दा' से मुक्त हुई है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद पार्टी मुख्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस जनादेश से स्पष्ट है कि आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत और आडंबर, अराजकता, अहंकार तथा दिल्ली पर छाई 'आप-दा' की हार हुई है। उन्होंने कहा, आज की ये विजय ऐतिहासिक है। दिल्ली के लोगों ने आप-दा को बाहर कर दिया है। एक दशक की आप-दा से दिल्ली मुक्त हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली में, दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और एक सुकून भी है। उन्होंने कहा, उत्साह विजय का है और सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है। इस जनादेश के लिए दिल्ली की जनता को सिर झुकाकर नमन करते हुए मोदी ने कहा कि आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आज दिल्ली की जनता ने साफ कर दिया है कि दिल्ली की असली मालिक सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की जनता है। जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो गया। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के इस जनादेश से यह भी स्पष्ट है कि राजनीति में शॉर्टकट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है।

राजनीति में शॉर्टकट, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं

» प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

'कट्टर ईमानदार' वाली छवि पर प्रहार

इस बार भाजपा ने शराब घोटाले से लेकर 'शीशमहल'बनाने जैसे आरोप लगाकर केजरीवाल और आप के कथित भ्रष्टाचार और कुशासन को दिल्ली के लिए 'आप-दा' से जोड़कर इस चुनाव में मुख्य मुद्दा बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन विषयों पर लगातार हमले किए। इन आरोपों के जरिए भाजपा ने केजरीवाल की 'कट्टर ईमानदार' वाली छवि पर प्रहार किया और इसे जनता के बीच विमर्श का मुद्दा बनाया और साथ ही विकास के कथित 'केजरीवाल मॉडल' को 'आपदा' बताकर इसके मुकाबले विकास का 'मोदी मॉडल' पेश किया।

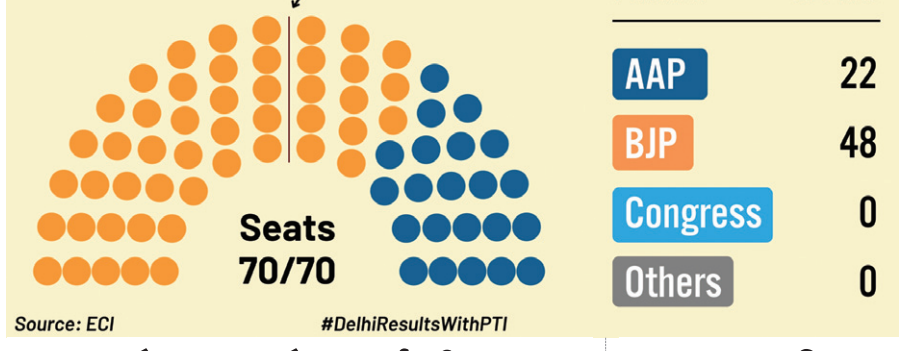

BRIEF NEWS

अलास्का प्लेन हादसे में 10 लोगों की मौत

NEW DELHI : अमेरिका के अलास्का में 10 लोगों को लेकर जा रहा चार्टर्ड प्लेन अचानक लापता हो गया था। प्लेन में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई है। बेरिंग एयर के इस विमान ने अलास्का के उनालाक्लीट शहर से नोम शहर के लिए उड़ान भरी थी। शुक्रवार को प्लेन का मलबा नोम एयरपोर्ट से लगभग 54 किमी दूर दक्षिण-पूर्व में मिला था। नोम वालंटियर फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि प्लेन में 9 यात्री और एक पायलट था। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रडार के डेटा के मुताबिक, उनालाक्लीट से उड़ान भरने के 39 मिनट बाद ही प्लेन रडार से गायब हो गया था। अमेरिकी तटरक्षक बल ने बताया कि विमान के अंदर 3 शवों की पहचान कर ली गई है। बाकी के 7 शव अभी भी प्लेन के अंदर हैं, लेकिन रेस्क्यू वर्कर्स उन तक पहुंच नहीं पाएं हैं। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि लापता विमान में सवार सभी यात्रियों के परिवारों को जानकारी दे दी गई है।

तीन इजरायली बंधकों की रिहाई की हमास ने की पुष्टि

NEW DELHI : फिलिस्तीन का उग्रवादी संगठन हमास ने सीजफायर समझौते के तहत शनिवार को 3 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया है। इन बंधकों के नाम- एली शराबी (52), ओहद बेन अमी (56) और ओर लेवी (34) हैं। इन तीनों बंधकों को रेडक्रॉस संगठन को सौंप दिया गया। रेडक्रॉस इन्हें गाजा से निकालकर इजराइल ले जाएगी। रिहाई के बाद इन तीनों बंधकों की तस्वीरें जारी हुई हैं, जिनमें ये काफी दुबले और बीमार दिखाई पड़ रहे हैं। बंधकों के पहुंचने के बाद इजरायल 183 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। कतर में 19 जनवरी को हुए सीजफायर डील के तहत यह बंधकों की पांचवीं अदला बदली है। समझौते के प्रभावी होने के बाद से अब तक कुल 16 इजरायली और 5 थाई बंधकों को रिहा किया जा चुका है।

नियंत्रण रेखा के पास तैनात जवानों पर गोलीबारी

JAMMU : शनिवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार एक जंगल में गश्त कर रहे सैनिकों पर गोलीबारी की गई, जिसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षा अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस संक्षिप्त गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इलाके में सख्त निगरानी करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय सैनिक केरी सेक्टर के अग्रिम गांव में गश्त कर रहे थे, तभी सीमा पार जंगल में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों ने कुछ राउंड गोलियां चलाईं। उनकी मंशा, भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने के मौके की तलाश में थे। अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई में कुछ राउंड गोलियां चलाईं और इसके बाद इलाके में कड़ी निगरानी रखने के लिए घुसपैठ रोधी ग्रिड को मजबूत कर दिया गया।

नौकरशाही

ब्रजेश मिश्र

झारखंड की कार्यपालिका में इन दिनों तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कहीं नये संभावित बदलाव को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं, कहीं व्यवस्था में खुद को समायोजित करने की विधि तलाशी जा रही है। अब यह तो आने वाला समय बतायेगा कि कौन सा समीकरण काम आयेगा, कौन से प्रश्न हल होंगे।

मनीषी की साधना का फल

किसी शायर ने क्या खूब लिखा है : 'बरसों सजाते रहे एक किरदार को हम, मगर कोई बाजी ले गया सूरत संवार कर..।' झारखंड की नौकरशाही वाले मुहल्ले में इन दिनों हाल-ए-बयां कुछ ऐसा ही है। नौकरशाही की नई पीढ़ी के नवाचारी प्रयोग लगातार चर्चा में हैं। 'नई पौध' पुरानी पीढ़ी के सामने हर दिन नई मिसाल पेश कर रही है। आने वाली पीढ़ी इस द्वंद में है कि पुरातन को स्वीकार करे या नवीनता को अंगीकार। दरअसल, नई पीढ़ी जिस सहजता से 'व्यवस्था' को आत्मसात कर रही है, यह बात कई बार पुरानी पीढ़ी के आत्मसम्मान तक पहुंच जा रही है। माजरा जनपद की कमान के लिए चल रही साधना से जुड़ा है। कहानी का फलसफा कुछ यूं है कि एक ऋषि-मनीषी ने पहले अभ्रक और फिर लौह नगरी में कठिन साधना की। वरदान स्वरूप, इन्हें पथरीली जमीन पर खेती का फल प्राप्त हुआ। कई दूसरे साधक भी वर की अपेक्षा में पूरे मनोयोग से जुटे थे, लेकिन कृपा नहीं हुई। निराश भाव से

एक तपस्वी अपने गुरु के पास पहुंचे। पूछा- गुरु आखिर तपस्या में हमसे कहां चूक हो गई? हम तो पूर्व से साधना में लीन थे, फिर ऐसा भेदभाव क्यों? गुरु ने शिष्य के मनोभाव को समझते हुए आराधना पद्धति की विशद व्याख्या की। कहा- बच्चा, साधना वही सफल होती है, जो पूरे मनोयोग से की जाए। मन की एकाग्रता चित को स्थिर करने का सर्वाधिक लोकप्रिय और आसान तरीका है। इसके लिए योग्य गुरु का होना अनिवार्य शर्त है। जिन साधक की साधना सफल होने से तुम्हें ईर्ष्या हो रही है, वह बहुत पहुंचे हुए गुरु के शिष्य रहे हैं। इनके गुरु 'आदित्य' की तरह तेजवान हैं। लिहाजा शिष्य की साधना में वह चमक विद्यमान है। साधक ने दीक्षा ग्रहण करने के साथ ही अपने गुरु के सिद्धांत का अनुसरण किया। यज्ञ आदि के लिए जरूरी सामग्री का प्रबंध पहले ही कर लिया। यही कारण रहा कि हवन-पूजन की प्रक्रिया पूर्ण करने में उन्हें विलंब नहीं हुआ। दूसरे साधक जहां पुष्प, बेल और दूध का इंतजाम करने में व्यस्त रहे। वहीं इस साधक ने सबकुछ अर्पण कर वरदान की कामना जाहिर कर दी। कहते हैं कलयुग में नामजप से ही अमोघ फल की प्राप्ति संभव है। इस साधक ने तो साधना को उच्च मापदंड पर पहुंचा दिया। ऐसे में फल तो प्राप्त होना ही था।

धावक अनिमेष ने राष्ट्रीय खेलों में 100 मीटर स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

DEHRADUN : शनिवार को ओडिशा के उभरते हुए धावक अनिमेष कुजूर ने उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में हो रहे राष्ट्रीय खेलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के शुरूआती दिन अनुभवी धावकों की मौजूदगी में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता। कुजूर ने 10.28 सेकंड का समय लेकर असम के अमलान बोरगोहेन के इन खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। बोरगोहेन ने 2022 में गुजरात में इस समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। महिलाओं की 10,000 मीटर फाइनल में महाराष्ट्र की अनुभवी संजीवनी जाधव ने 33:33.47 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपिक में 5000 मीटर में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली उत्तराखंड की अंकिता ध्यानी ने 10,000 मीटर में 34:31.03 का समय लेते हुए रजत पदक हासिल किया। उत्तराखंड की एक अन्य एथलीट सोनिया ने 35:45.19 का समय लेकर कांस्य पदक जीता। शनिवार को 10 स्वर्ण पदक दांव पर थे। इनमें महाराष्ट्र और सेना ने दो-दो, जबकि ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु ने एक-एक पीला तमगा हासिल किया।

- 2024 में फेडरेशन कप और राष्ट्रीय अंतरराज्य चैंपियनशिप दोनों में रजत पदक विजेता रहे हैं कुजूर

किसान हमारे अन्नदाता पाइपलाइन से खेतों तक पहुंचाएंगे पानी : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में तीन दिवसीय एग्रोटेक किसान मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत प्रशिक्षण हॉल और वन औषधि द्रव्य प्रदर्शनी दीर्घा का शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य में कृषि क्षेत्र का अहम स्थान है। चूंकि यहां की लगभग 80% आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है। कृषि ही उनकी मुख्य आजीविका का साधन है। किसान हमारे अन्नदाता हैं, उनके लिए पाइपलाइन से खेतों तक पानी पहुंचाएंगे। सीएम ने कहा कि कृषि में आधुनिक तकनीक की भूमिका अहम है और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय पिछले 45 वर्षों से किसानों के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इस विश्वविद्यालय के माध्यम से हजारों छात्रों को कृषि विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा दी जा रही है।

- » बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में सीएम ने एग्रोटेक किसान मेला का किया उद्घाटन
- » कहा- 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में करती है निवास, कृषि आजीविका का साधन
- » कृषि के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक की बड़ी भूमिका, किसानों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का जिक्र

सीएम ने कहा कि महिला किसानों के लिए मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की जानकारी दी। जिसके तहत महिलाओं को ढाई हजार रुपये दिए जा रहे है। इस राशि के माध्यम से महिलाएं कृषि, पशुपालन, मछली पालन और अन्य व्यवसायों के जरिए आत्मनिर्भर बन सकेंगी। राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जो महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बना रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों और योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

उपलब्धि पिछले 10 वर्षों से कम समय में ही दोगुनी हो गई तादाद

दुनिया में अब भारत बन गया है बाघों का पसंदीदा बसेरा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : बाघ एक स्तनधारी मांसाहारी जंगली पशु है। पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए जंगल में इसकी अपेक्षित संख्या रहना आवश्यक है। दुनिया में पिछले 100 वर्षों में बाघों की संख्या लगातार घट रही थी। कई क्षेत्र में इनकी संख्या शून्य हो गई। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) ने इसे रेड लिस्ट में रखा है। 1969 में नई दिल्ली में की आईयूसीएन की 10 वीं आम सभा में बाघों की घटती आबादी का मुद्दा उठाया गया था। इसके बाद 1970 के दशक में भारत में केंद्र सरकार की ओर से बाघों के संरक्षण के प्रति एक मजबूत राजनीतिक प्रतिबद्धता देखने को मिली। सरकार ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का मसौदा प्रस्तुत किया गया। यह कानून बनने के बाद भारत में बाघों के संरक्षण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी और आज इसका परिणाम है कि दुनिया में बाघों की संख्या का लगभग 70 प्रतिशत भारत में है। इस तरह भारत दुनिया में बाघों का पसंदीदा बसेरा बन गया है।

साइंस जर्नल में परिस्थितियों का विश्लेषण करते हुए प्रकाशित की गई है रिपोर्ट
आवास की सुरक्षा के साथ वन्यजीव संघर्ष को कम करने से मिली सफलता

- » पिछले 100 सालों से लगातार घटती जा रही इस मांसाहारी पशु की संख्या
- » केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट में दी गई है विस्तृत जानकारी

1969 में आयोजित आईयूसीएन की बैठक में उठा था संरक्षण का मुद्दा अब झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में भी बढ़ गई है बाघों की संख्या

- » इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने रखा है रेड लिस्ट में
- » देश में 1970 के दशक में तेजी से आगे बढ़ी बाघों के संरक्षण की प्रक्रिया

6.1 फीसद की सराहनीय वार्षिक वृद्धि

अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2022 के पांचवें चक्र की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कम से कम 3167 बाघ हैं और अब यह दुनिया की जंगली बाघ आबादी का 70 फीसदी से अधिक का घर है। कैमरे में कैद और बिना कैमरे के बाघ उपस्थिति क्षेत्रों के लिए नवीनतम सांख्यिकीय मॉडल का उपयोग करके आगे के आंकड़ों के विश्लेषण से बाघों की आबादी की अधिकतम सीमा 3925 होने का अनुमान है, जिसमें औसतन 3682 बाघ हैं, जो 6.1 फीसद की सराहनीय वार्षिक वृद्धि दर को दशार्ता है।

भिलांगना नदी का उद्गम : खतलिंग ग्लेशियर

घुमक्कड़ की पाती

समुद्र तट से काफी ऊंचाई पर स्थित होने की वजह से यह ग्लेशियर ट्रेकर्स के आकर्षण का केंद्र रहता है और इस जगह पर हर साल सैकड़ों सैलानी आते हैं। दिल्ली या फिर देश के किसी अन्य हिस्से से इस जगह पर पहुंचना बहुत ही आसान है। इस जगह पर आने के लिए ऋषिकेश से 75 किमी. दूर टिहरी पहुंचना होता है। टिहरी से 20 किमी की दूरी पर धुत्तू नामक गांव है। इसी जगह से भील सरोवर के लिए पैदल यात्रा प्रारंभ होती है। 10-10 किमी की दूरी पर रीह व गंगी नामक दो स्थान आते हैं। ट्रेकर्स गंगी से आगे भील गंगा नदी के किनारे-किनारे चलते हुए खतलिंग ग्लेशियर तक पहुंच जाते हैं। खतलिंग ग्लेशियर के पास ही भील सरोवर नामक विशाल झील है। यह झील भिलांगना नदी का उद्गम स्रोत है जो भागीरथी की सहायक नदी मानी जाती है। यह खतलिंग ग्लेशियर टिहरी से निकलकर गणेश प्रयाग में भागीरथी से मिलती है। भिलंगना की सहायक नदियों में मेदगंगा, दूधगंगा, बालगंगा का नाम आता है परंतु सबसे प्रमुख बालगंगा नदी है। इसकी भी एक सहायक नदी है जो धर्मगंगा के नाम से जानी जाती है। यह बूढ़ा केदार में बालगंगा से मिलती है। खतलिंग ग्लेशियर अपने उच्च, शांत और सुंदर पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। भिलंगना नदी के स्रोत के कारण गढ़वाल हिमालय का खतलिंग ग्लेशियर एक बहुत महत्वपूर्ण ग्लेशियर बन जाता है। ग्लेशियर के आसपास हिमालय की कई मोटी बर्फ की चोटियां विद्यमान हैं, जिन्हें जोगिन समूह, स्पिस्टल प्रिसर्ट, बार्टा कौर, कीर्ति स्तम्भ और मेरु के नाम से जाना जाता है।

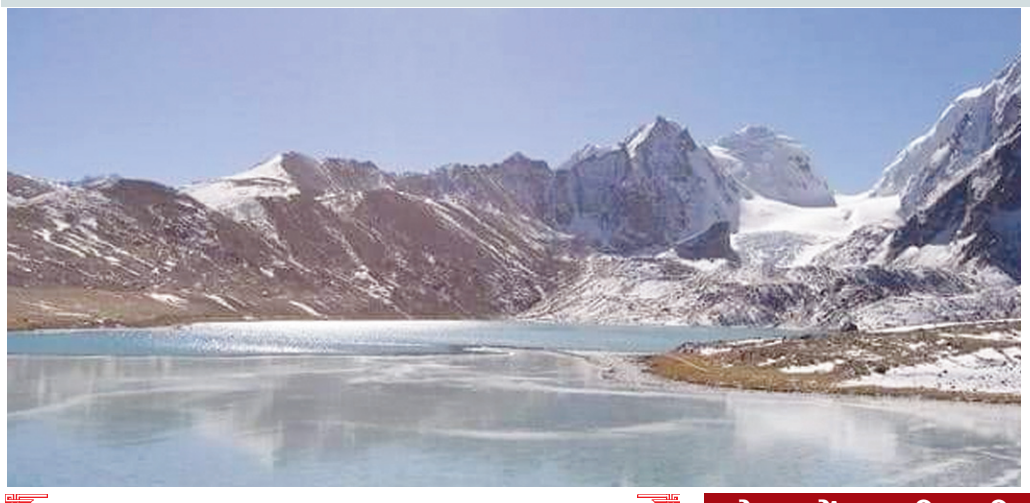

पहाड़ मुझे आकर्षित तो करते हैं, लेकिन कभी-कभी रहस्य सरीखे जान पड़ते हैं। यह न जाने कितनी विविधताओं को खुद में समेटे हुए हैं। ग्लेशियर भी उन्हीं रहस्यों में से एक है। टिहरी जनपद स्थित खतलिंग ग्लेशियर उन्हीं में से एक है, जो मेरा सबसे पसंदीदा ग्लेशियर है। इसलिए, सोचा कि क्यों ना इस बार की यात्रा इसे एक्सप्लोर करने के लिहाज से की जाए। घनसाली तहसील स्थित खतलिंग ग्लेशियर उत्तराखंड के पांच बड़े ग्लेशियर में से एक है। इसके अलावा पहले स्थान पर गोमुख, दूसरे पर मिलम, तीसरा पिंडारी और नामिक चौथे स्थान पर है।

समुद्र तट से काफी ऊंचाई पर स्थित होने की वजह से यह ग्लेशियर ट्रेकर्स के आकर्षण का केंद्र रहता है और इस जगह पर हर साल सैकड़ों सैलानी आते हैं।

दिल्ली या फिर देश के किसी अन्य हिस्से से इस जगह पर पहुंचना बहुत ही आसान है। इस जगह पर आने के लिए ऋषिकेश से 75 किमी. दूर टिहरी पहुंचना होता है। टिहरी से 20 किमी की दूरी पर धुत्तू नामक गांव है। इसी जगह से भील सरोवर के लिए पैदल यात्रा प्रारंभ होती है। 10-10 किमी की दूरी पर रीह व गंगी नामक दो स्थान आते हैं। ट्रेकर्स गंगी से आगे भील गंगा नदी के किनारे-किनारे चलते हुए खतलिंग ग्लेशियर तक पहुंच जाते हैं।

खतलिंग ग्लेशियर के पास ही भील सरोवर नामक विशाल झील है। यह झील भिलांगना नदी का उद्गम स्रोत है जो भागीरथी की सहायक नदी मानी जाती है। यह खतलिंग ग्लेशियर टिहरी से निकलकर गणेश प्रयाग में भागीरथी से मिलती है। भिलंगना की सहायक नदियों में मेदगंगा, दूधगंगा, बालगंगा का नाम आता है परंतु सबसे प्रमुख बालगंगा नदी है। इसकी भी एक सहायक नदी है जो धर्मगंगा के नाम से जानी जाती है। यह बूढ़ा केदार में बालगंगा से मिलती है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बोतल में भरा मीठा शीतल जल

आगे बढ़ने पर हमें एक प्राकृतिक जल स्रोत मिला, जिसे स्थानीय लोग 'गंगा का आशीर्वाद' कहते हैं। यहां से निकलने वाला पानी इतना ठंडा और मीठा था कि हमने अपनी बोतलें भर लीं। कुछ दूरी पर शिव गुफा स्थित है, जो एक रहस्यमयी गुफा है। गुफा के अंदर जल टपकता रहता है और स्थानीय लोग मानते हैं कि यह पवित्र शिव जल है। हमने यहां ध्यान लगाया और प्रकृति की गोद में आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया।

बेस कैंप से दिखती हिमालय की खूबसूरती

जैसे-जैसे हम ऊंचाई की ओर बढ़े, मौसम ठंडा होने लगा और बर्फीले रास्तों पर चलना चुनौतीपूर्ण हो गया। लेकिन जब हम खतलिंग ग्लेशियर के बेस कैंप पहुंचे, तो वहां का दृश्य अविस्मरणीय था। सफेद बर्फ से ढके पहाड़, नीले आसमान में उड़ते चील और दूर-दूर तक फैले ग्लेशियर के टुकड़े, मानो किसी दूसरी दुनिया में आ गए हों। यहां हमने टेंट लगाया और रात को चमकते सितारों के नीचे सोने का आनंद लिया।

शांति व शक्ति का संगम

अगले दिन हम आखिरकार खतलिंग ग्लेशियर के दर्शन के लिए निकले। जैसे ही हम ग्लेशियर के पास पहुंचे, ठंडी हवाओं का तेज झोंका हमारे चेहरे से टकराया। विशाल बर्फीले मैदान, दूर तक फैले हिमखंड और सूर्य की रोशनी में चमकती बर्फ, यह नजारा किसी स्वर्ग से कम नहीं था। यहां पहुंचकर हमें अहसास हुआ कि प्रकृति की गोद में कितना शांति और शक्ति का संगम छिपा है।

खतलिंग ग्लेशियर का ट्रेक घुत्तु से शुरू होता है। घुत्तु में ठहरने के लिए एक पीडब्ल्यूडी इंस्पेक्शन बंगलो और एक पर्यटक विश्रामगृह उपलब्ध है। ट्रेकर्स इन्हीं दोनों में से किसी एक जगह पर ठहरते हैं नहीं तो अपना खुद का टेंट लगाकर कैम्पिंग करते हैं। हमलोग भी पर्यटक विश्रामगृह में ठहरे हुए थे, ताकि सुबह जल्दी ट्रेकिंग शुरू कर सकें।

इस ट्रेक पर अन्य महत्वपूर्ण स्थान रीह, गंगी, कल्याणी और भीम की गुफा हैं। रीह और गंगी में भी पर्यटक विश्राम गृह उपलब्ध हैं। गंगी दूरस्थ अंतिम गांव है, जिसके बाद किसी भी तरह की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, इससे आगे के ट्रेक में अपनी व्यवस्था स्वयं ही करनी होती है। खतलिंग ग्लेशियर का शिखर सबसे शानदार और आकर्षक है। यहां से मसाड ताल 7 किमी दूर है। इसी मार्ग में आगे वासुकीताल है, जहां से केदारनाथ तक जाया जाता है।

यह ट्रेक गढ़वाल के छोटे गांवों एवं खरसों के जंगलों के मध्य से गुजरता है जिससे यह अधिक रोमांचकारी और ज्ञानवर्धक सिद्ध होता है, क्योंकि इस ट्रेक में अनजान व्यक्तियों को भी उत्तराखंड की संस्कृति एवं विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। ट्रेक में हरी घास के मैदान देख मन हरा-भरा हो जाता है। भिलंगना घाटी में पहुंचने पर आसानी से शिविर के लिए उपयुक्त कई स्थान पाए जा सकते हैं।

फिर क्या था हमने दिल्ली से निकलने के बाद एक-एक करके कई पड़ाव पार किया और आगे बढ़ते ही घन्साली घाटी के मनोरम दृश्य दिखाई देने लगा। यह जगह भागीरथी और बलगंगा नदियों के संगम के लिए प्रसिद्ध है। यहां से गुजरते हुए ऊंचे-ऊंचे देवदार और बुरांश के जंगल मन को मोह लेते हैं। ट्रेकिंग के दौरान हमें एक झरने के पास कुछ देर आराम करने का मौका मिला, जहां पहाड़ों की ठंडी हवा और बहते पानी की आवाज ने सारी थकान मिटा दी।

खतलिंग ग्लेशियर की यह यात्रा न केवल रोमांच से भरी थी, बल्कि इसने हमें प्रकृति और आध्यात्मिकता के करीब भी ला दिया। इस सफर में हर मोड़ पर कुछ नया सीखने और अनुभव करने को मिला। अगर आप भी हिमालय की सुंदरता को करीब से देखना चाहते हैं, तो खतलिंग ग्लेशियर की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

हां, इस जगह पर सुविधाओं का अभाव है, कोई बड़ा बाजार भी नहीं है इसलिए ट्रेकर्स को कैम्पिंग के लिए ऋषिकेश, टिहरी या देहरादून से पहले ही तंबुओं तथा अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर लेनी चाहिए, ताकि इस चुनौतीपूर्ण ट्रेक को बिना किसी मुश्किल के पूरा किया जा सके।

विमर्श ■ पर्यावरण

भारत में इको-फेमिनिजम की गहरी जड़ें

विनीता परमार

दुनिया में फिलवक्त सबसे अधिक चर्चित मुद्दों में या तो महिलाओं के मुद्दे हैं या फिर पर्यावरणीय त्रासदी के मुद्दे। विकास रूपी दानव कहीं-न-कहीं प्राकृतिक संसाधनों को लील रहा है। हाशिए पर खड़े लोगों से जल, जंगल व जमीन के अधिकार छीने जा रहे हैं। इस बात को जाहिर करने के लिए 1970 के दशक में ही दार्शनिकों ने नारीवादी विचारधारा में नई परिकल्पना को जोड़ा, जिसे ईको-फेमिनिजम यानी पारिस्थितिक नारीवाद के नाम से जाना जाता है। ईको-फेमिनिजम नारीवाद की ही एक शाखा है, जिसमें प्रकृति और महिलाओं के संबंध में समानता स्थापित करते हुए उनकी परेशानियों को उजागर किया जाता है।

ईको-फेमिनिजम को गढ़ने का श्रेय फ्रेंच नारीवादी चिंतक फ्रांस्वा द यूबोन को जाता है जिन्होंने साल 1974 में प्रकाशित 'ले फेमिनिजम ओ ला मॉर्ट' में इसका उल्लेख किया था, इसलिए आज स्त्री एवं प्रकृति केंद्रित इको-फेमिनिज्म की भूमिका बड़ी मानी जा सकती है। पृथ्वी और पृथ्वी की समानधर्मी स्त्री ने खुद को, पृथ्वी को और अन्य शोषित जातियों, नस्लों को बचाने के लिए आंदोलन शुरू किया। प्रकृति और स्त्री पर पुरुष के आधिपत्य की आलोचना की और प्रकृति व स्त्री संबंधी लिंगातीत एक वैश्विक विचारधारा ने इको-फेमिनिज्म को जन्म दिया।

प्राकृतिक संसाधनों यथा- वन, मिट्टी एवं जल से महिलाओं का सीधा एवं गहरा सम्बन्ध है। पृथ्वी का दोहन इस हद तक किया गया है कि इसने मानवता पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। लेकिन भारत जैसे देश के दैनिक जीवन में पर्यावरण रक्षा की सोच छिपी हुई है, जो एक सुकून की बात है। प्राचीन काल से महिलाओं और वनवासियों को ही प्रकृति का संरक्षक माना गया है। खासतौर से आदिवासियों में तो वन-सम्पदा की अर्थव्यवस्था पूर्णतया महिलाओं की ही मानी जाती है। यही कारण है कि पर्यावरण-संरक्षण, खासतौर से वन-संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत ही महत्वपूर्ण हो गयी है और महिलाएं इसके प्रति शुरू से ही जागरूक हैं। हमारे देश में महिलाओं ने अपने जमीनी अनुभव के कारण पर्यावरण की बहस में एक अलग दृष्टिकोण लाया है। गरीब महिलाओं के जीवन को भी पर्यावरण रक्षा के मुद्दे पर विभाजित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि वे जाने या अनजाने में मुद्दों को व्यापक और समग्र परिप्रेक्ष्य में देखती हैं। वे स्पष्ट रूप से समझती हैं कि अर्थशास्त्र और पर्यावरण एक-दूसरे पर निर्भर हैं। उन्हें पता है, पानी और बिजली की बचत से पैसे और पर्यावरण दोनों को बचाया जा सकता है। प्रकृति में अपघटकों की भूमिका के माफिक महिलाएं अपने घर की हर एक चीज के उपयोग का रास्ता खोज लेती हैं मसलन सब्जी के डंठल की सब्जी हो या फटे-पुराने कपड़े की कथरी। जब हम सब भारतीय परंपराओं और अपने वनवासी जीवन को देखते हैं, जिसका आधार ही प्रकृति है। इसमें दूब घास से लेकर बाघ तक को बचाने के उपाय हैं। हमारी पुरखिनो ने सम्मान दिया तो प्रकृति ने भी उनकी रक्षा की। खुद को बचाए रखने के लिए बहनापे के नजरिये से महिलाएं पृथ्वी का ख्याल रखती रही हैं। इस ग्रह के संसाधनों के उपभोग के समय खुद के विषय में स्त्री यह सोचती है कि खुद और पृथ्वी पर लोगों के निर्विवाद नियंत्रण पर अंकुश लगे।

इस बीच, शोध से यह भी पता चलता है कि महिलाओं में दूसरों की देखभाल करने के लिए उच्च स्तर का समाजीकरण होता है। इस वजह से उनमें पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की संभावना बढ़ जाती है। आज भी अधिकांश महिलाएं घर के कामों, कचरा निपटान, किराने की खरीदारी और कपड़े धोने के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए धरती रक्षक अधिकांश उत्पाद महिला उपभोक्ताओं की ओर केंद्रित होते हैं। इससे यह विचार पुष्ट होता है कि इस धरती पर टिकाऊ विकास की जिम्मेदारी एक महिला की है, क्योंकि श्रम विभाजन की खाई इस बात की ओर स्पष्ट रूप से इंगित करती है।

फिर सभ्यता के विकास के कालक्रम में पर्यावरण-संरक्षण को महिलाओं ने व्रत-त्योहार से जोड़ दिया, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण आज भी महिलाओं द्वारा व्रत-त्योहार के अवसर पर या यूं ही प्रतिदिन के क्रियाकलापों एवं पूजा-अर्चना में अनेक वृक्षों यथा-पीपल, तुलसी, आंवला, अशोक, बेल, शमी, नीम, आम आदि वृक्षों तथा अनेक पुष्पों एवं विभिन्न पशुओं यथा गाय, बैल, चूहा, घोड़ा, सांप, बंदर, उल्लू आदि को सम्मिलित करने एवं उनकी पूजा-अर्चना के माध्यम से संरक्षण प्रदान करने में देखने को मिल जाता है। हालांकि पूर्व से अपनाई जा रही इस पूजा परंपरा की वैज्ञानिक सोच कहीं दब गई है। यही नहीं जल-स्रोतों के प्रति भी संरक्षण की भावना महिलाओं में प्राचीन काल से ही चली आ रही है जैसे- गंगा-पूजन, कुओं की पूजा करना अथवा तालाब की पूजा करना। इस प्रकार स्पष्ट है कि संपूर्ण पारिस्थितिकी को संतुलित बनाए रखने के प्रति महिलाएं सदैव से ही अग्रणी रही हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में रची-बसी महिलाओं द्वारा प्रकृति-संरक्षण की यह भावना पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आयी है, जो आज भी फ्लैट कल्चर या गमलों में सांस ले रही है।

प्राकृतिक संसाधनों की कमी और पर्यावरणीय क्षय का महिलाओं के समय, आय, स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। भारत की सामाजिक रचना में खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण प्रदूषण ने महिलाओं की जीवनशैली को बुरी तरह प्रभावित किया है। यही कारण है कि पर्यावरण एवं प्रकृति से सीधे रूप में संपर्क में रहने के कारण ये ग्रामीण महिलाएं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक सचेष्ट हैं। आज बचे-खुचे जंगली क्षेत्रों में जहां अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे हैं, महिलाओं को जलाने के लिए लकड़ी एकत्र करने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। इसी तरह जहां पानी की किल्लत है, खासतौर से रेगिस्तानी इलाकों एवं पठारी तथा पहाड़ी क्षेत्रों में, पानी जुटाने का भी दायित्व महिलाओं पर ही है और एक-एक घड़ा पानी के लिए 10-15 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं ने विशेष भूमिका निभाई है और खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के योगदान को तो कभी भुलाया ही नहीं जा सकता। खुद के स्तर पर काम करने वाली इन महिलाओं ने अपने आसपास की पर्यावरणीय समस्याओं को सुलझाने की कोशिश की है। भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुके 'चिपको आंदोलन' ने पर्यावरण संरक्षण खासतौर से वन-संरक्षण की दिशा में एक नई चेतना पैदा की है। यह आंदोलन पूर्णतया महिलाओं से जुड़ा है और इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया है कि जो काम पुरुष नहीं कर सकते, उसे महिलाएं कर सकती हैं। प्रथम चिपको आंदोलन की शुरूआत यहीं से हुई। पुनः 1972 ई. में उत्तर प्रदेश की बचनी देवी और गौरा देवी द्वारा लकड़ी काटने वालों और ठेकेदारों को पेड़ नहीं काटने की चेतावनी दी। आज भी पहाड़ों पर महिलाएं यही प्रक्रिया अपना कर पेड़ों को बचाने में लगी हैं। वर्तमान समय में यह 'चिपको आंदोलन' उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों- चमोली, कुमाऊं, गढ़वाल, पिथौरागढ़ आदि में प्रारंभ हुआ और जंगलों के विनाश के विरुद्ध सफल आंदोलन के रूप में पूरी दुनिया में सराहा जा चुका है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस आंदोलन का संचालन करने वाली महिलाएं पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों की रहने वाली निरक्षर एवं अनपढ़ हैं। यह स्वतः स्फूर्त एवं अहिंसक आंदोलन विश्व के इतिहास को महिलाओं की अनूठी देन है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ भारतीय महिलाओं की प्रत्यक्ष चिंता 1731 ई. में ही दिखाई दी। महाराजा अभय सिंह द्वारा किले के निर्माण के लिए बिश्नोई समाज द्वारा पूजे जाने वाले खेजड़ी के पेड़ों को काटने का शाही आदेश दिया गया। इस आदेश का विरोध करते हुए अमृता देवी के नेतृत्व में गांव वालों ने असहमति का एक नया रूप प्रस्तुत किया। अहिंसक ग्रामीणों ने पेड़ों को गले लगा लिया था। इस आंदोलन में अमृता देवी के साथ उनकी तीन बेटियों और 363 ग्रामीणों के सिर उतार दिए गए थे। राजस्थान में उदयपुर के निकट ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं ऊसर एवं रेतीली भूमि को हरे-भरे खेतों में बदल रही हैं। 'सेवा मंडल' नाम की संस्था ने पिछड़े भील समुदाय को प्रेरित किया है। झारखंड (पूर्वी सिंहभूम) की चामी मुर्मू को वन और पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए नारी शक्ति पुरस्कार से तो 'लेडी टार्जन' के नाम से प्रसिद्ध पूर्वी सिंहभूम जिले की ही जमुना टुडू अपने आसपास की महिलाओं को प्रेरित करती हैं। अपनी जान की परवाह किए बिना माफिया ठेकेदारों से भिड़ जाती हैं। हिमाचल प्रदेश की महिलाएं भी पर्यावरण-संरक्षण कार्यक्रम में किसी से पीछे नहीं हैं। कर्नाटक का अप्पिको आंदोलन महत्वपूर्ण पर्यावरण संरक्षण आंदोलन है। वर्ष 2021 में कर्नाटक की आदिवासी महिला तुलसी गौड़ा को 30,000 से अधिक पेड़ों को लगाने के कारण पद्मश्री से सम्मानित किया गया। केरल के पश्चिमी घाट के दक्षिणी छोर में साइलेंट वैली महत्वपूर्ण है, जो जैव विविधता हॉटस्पॉट में से एक है। साइलेंट वैली मूवमेंट केरल सरकार के एक फैसले के खिलाफ था। साइलेंट वैली फॉरेस्ट में पनबिजली परियोजना के लिए एक बांध का निर्माण प्रस्तावित था। मलयालम कवयित्री और पर्यावरणविद्, सुगाथा कुमारी इसमें प्रमुख नेता थीं। परिणामस्वरूप परियोजना को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के व्यक्तिगत हस्तक्षेप के बाद केरल सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया था। 1984 में साइलेंट वैली एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में घोषित किया गया था। 'नर्मदा बचाओ' आंदोलन को लेकर मेधा पाटकर भी काफी चर्चित रही हैं। इन्हें इस आंदोलन के लिए जेल तक जाना पड़ा। वंदना शिवा भी इसी तरह की जुझारू पर्यावरण-संरक्षक कार्यकर्ता हैं, जिनके नवदान्य आंदोलन की सदस्य देश के विभिन्न हिस्सों की महिला किसान हैं।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट (सीएसई) की महानिदेशक के साथ प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टू अर्थ की प्रकाशक सुनीता नारायण ने 1980 के दशक में अपना काम शुरू किया था। सरिस्का के बाघों की खोजबीन के लिए बनाए गए टास्क फोर्स की सदस्य रहीं हैं। राधा भट्ट नदी संरक्षण के मुद्दे पर एक महत्वपूर्ण नाम है। 2008 में उत्तराखंड नदी बचाओ अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। तब राधा भट्ट ने लोगों के पानी के अधिकारों के लिए आवाज उठाने के लिए 2000 किलोमीटर के मार्च का नेतृत्व किया।

इस प्रकार संस्कृति, धर्म, साहित्य में महिलाओं और प्रकृति के बीच संबंधों की खोज करता ईको-फेमिनिजम भारत की जीवन शैली में है और जरुरत पड़ने पर महिलाओं ने संघर्ष किया, खुद से अधिक इस धरती के साथ बहनापा निभाया है। आज भी विकास के नाम पर कटते पेड़ों के लिए महिलाएं कटने को तैयार हैं।

राजभवन के उद्यान की खूबसूरती देखने के लिए उमड़ रही भीड़

राजधानी रांची में राजभवन इन दिनों गुलजार है। कई रंगों के गुलाबों के साथ अन्य फूलों की विविधता लोगों को आकर्षक लग रही है। फूलों की खूबसूरती को देखने के लिए लोगों की भीड़ लग रही है। सफेद, लाल, पीला, पिंक समेत देश-विदेश के फूल भी बगीचों में खिले नजर आ रहे हैं। इन फूलों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक वाटिका के सामने दो से चार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, ताकि खिले हुए फूलों को कोई हाथ न लगाए। राजभवन में प्रवेश के लिए आठ स्टॉल और आठ रजिस्टर रखे गए हैं। मुख्य गेट के समीप लोगों के बैग चेक किए जा रहे हैं और उनका नाम और गांव दर्ज किया जा रहा है।

लोअर बाजार में कराई गई है एफआईआर, 7 को बनाया आरोपी

रंगदारी नहीं देने पर महिला अधिवक्ता व उसके पति के साथ मारपीट, केस दर्ज

PHOTON NEWS RANCHI : लोअर बाजार थाना क्षेत्र के डंगरा टोली मिडिल लेन निवासी महिला अधिवक्ता पूनम कुमारी और उनके पति अमरदीप कुमार प्रजापति को लोगों के समूह ने मारपीट कर जख्मी कर दिया। हमलावरों ने महिला अधिवक्ता से दो लाख रुपए की रंगदारी नहीं देने पर मकान का निर्माण नहीं करने देने की धमकी दी। मामले में पूनम कुमारी की लिखित शिकायत पर शंभु उर्फ संजय कुमार, अनिल प्रसाद, परवेज, गीता देवी, पूनम देवी, हिमांशु, सावित्री देवी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। कहा गया है कि पिछले दिन वह अपनी जमीन पर निर्माण कार्य करा रही थी। इसी समय शंभु वहां पहुंचा व अपशब्द कहा और मारपीट की।

डोरंडा में युवक पर कातिलाना हमला

डोरंडा थाना क्षेत्र के परासटोली चौक पर युवकों ने शोएब अंसारी को मारपीट कर जख्मी कर दिया। रॉड, लाठी और बल्ला से किए गए वार से जख्मी शोएब को रिम्स में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। जख्मी युवक डोरंडा के ग्वालाटोली का रहने वाला है। इस मामले में जख्मी युवक के भाई मो अफजल की लिखित शिकायत पर मो शहरवाज, अमीन, अनस, रेयान समेत अन्य पर एकमत होकर कातिलाना हमला का आरोप लगाया है।

BRIEF NEWS

सेंट्रल एकेडमी में मना एनुअल स्पोर्ट्स डे

RANCHI : शनिवार को बरियातू रोड स्थित सेंट्रल एकेडमी में एनुअल स्पोर्ट्स डे मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. हरीश सांस्कृत्यायन ने खेल दिवस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर छात्रों ने 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर दौड़ सहित विभिन्न खेलों में भाग लिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्रिंसिपल सुतापा भट्टाचार्या ने शिक्षा के साथ खेल को जोड़ने की अहमियत पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य अतिथि ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस मौके पर रेखा शर्मा, अनिल तिवारी, एके राय, अंकित जायसवाल समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से मिले जैक और सीसीएल के अध्यक्ष

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड अधिविद्य परिषद के अध्यक्ष डॉ० नटवा हांसदा ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने 09 फरवरी 2025 को मोरहाबादी मैदान में आयोजित कोल इंडिया मैराथन के तृतीय संस्करण में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

दुकान में तोड़फोड़, लूट लिए 30 हजार रुपये

RANCHI : सदर थाना क्षेत्र के सरना टोली में रहने वाले सोनू सिंह की दुकान पर अपराधियों ने रंगदारी नहीं देने पर तोड़फोड़ किया। विरोध करने पर हमलावरों का नेतृत्व करने वाले गोलू शर्मा एवं अन्य ने अपशब्द कहे व मारपीट कर जख्मी कर दिया। सभी ने वहां मौजूद कई ग्राहकों के साथ भी मारपीट की। भागते समय अपराधियों ने दुकान के काउंटर में गल्ला में रखा 30 हजार रुपया भी लूट लिया। मामले में दुकान संचालक सोनू सिंह की लिखित शिकायत पर जोड़ा तालाब इलाके में रहने वाले गोलू शर्मा एवं अन्य के खिलाफ रंगदारी नहीं देने पर दुकान में रखे सामान को क्षतिग्रस्त करने, मारपीट कर जख्मी करने, गोली मारने की धमकी व गल्ला से रुपया लूटकर भाग निकलने का केस दर्ज किया गया है। बताया गया है कि गोलू पूर्व में भी उनकी दुकान से रंगदारी में जबरिया सामान लेकर चला जाता था और फिर आने की धमकी दिया करता था।

नाइट ब्लड सर्वे की रिपोर्ट में खुलासा, मरीजों की पहचान में जुटा विभाग

ओरमांझी व तमाड़ में फाइलेरिया ट्रांसमिशन के मिले सबूत, हड़कंप

स्वास्थ्य विभाग ने उठाया कदम, 10 फरवरी से चलेगा मास ड्रग ड्राइव

हर ग्रुप के लोगों को खिलाई जाएगी डीईसी और एलबेंडाजोल की गोली

PHOTON NEWS RANCHI : फाइलेरिया के खात्मे के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार अभियान चला रहा है। लोगों को दवाएं भी खिलाई जा रही हैं। लेकिन, इसके बावजूद रांची के ओरमांझी और तमाड़ में फाइलेरिया ट्रांसमिशन के सबूत मिले हैं। इस वजह से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की नींद उड़ा दी है। इसके बाद विभाग ने फाइलेरिया को जड़ से खत्म करने को लेकर मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम का आयोजन 10 से 25 फरवरी तक करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत रांची जिले के दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओरमांझी और तमाड़ में लोगों को दवा खिलाई जाएगी। इस अभियान के तहत कुल 2,45,828 आबादी को डीईसी और एलबेंडाजोल दवाइयां दी जाएंगी। इनमें गर्भवती महिलाएं, 2 वर्ष से छोटे बच्चे और गंभीर रूप से बीमार लोग शामिल नहीं होंगे।

डोर-टू-डोर जाकर भी खिलाई जाएगी दवा

यह कार्यक्रम रांची जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक भवनों में बूथ के माध्यम से 10 फरवरी को प्रारंभ होगा। 11 फरवरी से 25 फरवरी तक शेष लोगों को घर-घर जाकर दवा का सेवन कराया जाएगा। स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रत्येक घर में जाकर दवा देंगे। कुल 323 बूथों पर 646 डीए (ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) कार्यकर्ताओं द्वारा यह कार्य सम्पन्न कराया जाएगा। इसके साथ ही 33 सुपरवाइजर भी अभियान की निगरानी करेंगे, ताकि कार्यक्रम सफल हो सके।

हर एज ग्रुप के लिए अलग खुराक

दवा सेवन के दौरान 2-5 वर्ष के लोगों को 1 गोली डीईसी और 1 गोली एलबेंडाजोल दी जाएगी। 6-14 वर्ष के बच्चों को 2 गोली डीईसी और 1 गोली एलबेंडाजोल खिलाई जाएगी। इसके अलावा 15 वर्ष और ऊपर के लोगों को 3 गोली डीईसी और 1 गोली एलबेंडाजोल दी जाएगी। इस बीच ये ध्यान रखना आवश्यक है कि खाली पेट दवा का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। 1 से 2 वर्ष के बच्चों को केवल एलबेंडाजोल की आधी गोली दी जाएगी। यह अभियान सभी नागरिकों को फाइलेरिया से बचाव हेतु जागरूक करने का भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

अभियान में सबका सहयोग जरूरी

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि अभियान फाइलेरिया एक वेक्टर जनित रोग है, जो संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। हालांकि यह बीमारी जानलेवा नहीं है, लेकिन इससे शरीर में विकृति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए इस बीमारी से बचाव के लिए एमडीए कार्यक्रम के दौरान सभी व्यक्तियों को दवा का सेवन करना जरूरी है। इसमें उन्होंने सभी धर्मगुरु और नेताओं से अपील की है कि इस अभियान को सफल बनाए। जिससे कि बीमारी को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि ओरमांझी और तमाड़ के कुछ इलाकों में फाइलेरिया ट्रांसमिशन के सबूत मिले हैं। इसलिए अभियान को तेज किया गया है। जिससे कि रांची फाइलेरिया मुक्त हो सके।

इस बीमारी को लेकर चलाया जा रहा अभियान

सिविल सर्जन ने बताया कि फाइलेरिया को लेकर अभियान पहले से चलाया जा रहा है। इस दौरान नाइट ब्लड सर्वे की रिपोर्ट में ट्रांसमिशन का पता चला है। यह जानकारी जुटाई जा रही है कि कितने मरीज फाइलेरिया की चपेट में आए है। लेकिन, दवा की खुराक सबको दी जाएगी, ताकि बचाव में कोई कसर बाकी न रह जाए। इसके लिए प्रशिक्षित लोगों को लगाया गया है।

अधिवक्ता समाज ने गरीबों के लिए उठाया साहसिक कदम : हफीजुल हसन

माइनॉरिटी एडवोकेट एसोसिएशन के सम्मेलन में शामिल हुए अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड माइनॉरिटी एडवोकेट एसोसिएशन रांची के तत्वाधान में अंजुमन प्लाजा मौलाना आजाद हॉल में आयोजित सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि झारखंड माइनॉरिटी एडवोकेट एसोसिएशन ने बहुत ही सराहनीय काम किया है। आज हम सब समाज के प्रबुद्ध समाजसेवियों अधिवक्ताओं के सामने इस बात की मुबारकबाद पेश करता हूं कि अब हमारा समाज निश्चित रूप से बदलेगा। हमारे समाज के प्रबुद्ध बुद्धिजीवी अधिवक्ता समाज ने गरीब असहाय लोगों की परेशानियों को देखते और समझते हुए साहसी कदम बढ़ाया है। जब तक हम और हमारा समाज शिक्षित नहीं होंगे, आगे का रास्ता तय करने में परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि कम से कम अपने समाज के लिए 2 घंटा देने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि हम लोगों को सबसे पहले अपने बच्चों को दीनी तालीम के साथ साथ दुनियावी शिक्षा भी जरूरी है। माइनॉरिटी ,अल्पसंख्यक आदिवासी, दलित अन्य दबे कुचले के साथ मिलकर समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

शरीक हुए डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम

मौके पर हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता ए अलताम ने कहा कि इसी तरह का कार्यक्रम कर हम समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। हमें इस्लाम ने जो भाईचारा का संदेश दिया है, उसे सभी के बीच फैलाना है। डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम भी कार्यक्रम में शरीर हुए। नेक जज्बे के साथ अपनी बातों को रखते हुए कहा कि आज हम भारत की आजादी में अहम किरदार निभाने वाले मौलाना आजाद के नाम से अंजुमन इस्लामिया के हाल में झारखंड माइनॉरिटी एडवोकेट एसोसिएशन के द्वारा झारखंड भर के अधिवक्ताओं के बीच हमें बोलने का अवसर दिया गया।

बाबूलाल मरांडी ने कहा- जनता ने भ्रष्टाचार को नकारा

दिल्ली चुनाव परिणाम से झारखंड बीजेपी उत्साहित, प्रदेश कार्यालय में की आतिशबाजी

PHOTON NEWS RANCHI : दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी को मिली जीत के बाद करीब 27 साल बाद भाजपा अपनी सरकार बनाने जा रही है। बीजेपी दिल्ली की गद्दी पर लंबे अरसे बाद काबिज होने में सफल रही। इस चुनाव में भाजपा की जबरदस्त जीत से प्रदेश बीजेपी में खुशी की लहर है। हरमू स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर जमकर आतिशबाजी की। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार से त्रस्त थी, उसके खिलाफ मत प्रकट किया है। दिल्ली विकास के मामले में पिछड़ चुका है। खासकर सड़कों की जो स्थिति थी, उससे जनता परेशान थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति दिल्ली के लोगों ने विश्वास जताकर यह प्रमाणित कर दिया है कि वो विकास चाहते हैं। इधर बीजेपी से राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने दिल्ली चुनाव परिणाम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वहां की जनता ने केजरीवाल के झूठ और फरेब वाली आपदा सरकार को नकार दिया है।

धान खरीद में देरी पर बाबूलाल ने जताई चिंता

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य में धीमी धान खरीद प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जताई है। शनिवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मरांडी ने कहा कि सरकार ने 60 लाख क्विंटल धान खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन अब तक केवल 28.39 फीसदी की ही खरीद हो पाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्रय केंद्रों पर लापरवाही और कुप्रबंधन के कारण किसान निजी व्यापारियों और बिचौलियों को कम दामों पर धान बेचने के लिए मजबूर हो रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है। मरांडी ने कहा है कि अधिकांश जिलों में खरीद प्रक्रिया बेहद धीमी है, जिसके कारण किसान अपनी उपज मजबूरी में निजी व्यापारियों और बिचौलियों को कम दामों पर बेचने के लिए विवश हो रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और बदतर होती जा रही है।

कांग्रेस भवन से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला प्रोटेस्ट मार्च

अमेरिका से भारतीयों को जंजीर से बांधकर भेजने का जताया गया विरोध

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को झारखंड कांग्रेस के नेता राजधानी की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने उतरे। इस दौरान नेताओं ने पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला भी फूंका। नेताओं ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय नागरिकों को बेड़ियों और जंजीरों में जकड़ कर अमानवीय तरीके से लाया गया। कांग्रेस भवन से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक तक विरोध मार्च निकाला गया। विरोध मार्च का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों के साथ हुई इस अमानवीय घटना ने पूरे देश को शर्मसार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में विदेश मंत्री के बजाय अमेरिकी सरकार का पक्ष लिया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शहजादा अनवर, रविंद्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, राकेश सिन्हा, किशोर शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, आभा सिन्हा, अभिलाष साहू, अमूल्य नीरज खलखो सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निर्वासित भारतीय नागरिकों ने कोई अपराध नहीं किया था।

28 से 30 मार्च तक कंबोडिया की राजधानी नोमपेन्ह में होगा आयोजन

पारा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में शामिल होंगे राज्य के 12 खिलाड़ी

टीम का नेतृत्व करेंगे पारा थ्रो बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रेम

PHOTON NEWS RANCHI : प्रथम एशिया पारा थ्रो बॉल प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 मार्च तक कंबोडिया की राजधानी नोमपेन्ह में किया जाएगा। इस इवेंट के लिए झारखंड के 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। वहीं मुकेश कंचन टीम के कप्तान होंगे। इसे लेकर शनिवार को पैरालंपिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने मोरहाबादी स्थित होटल ट्रोइका में एक प्रेस कांफ्रेंस कर इवेंट की जानकारी दी। बताया गया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन वर्ल्ड पारा थ्रो बॉल फेडरेशन और पारा थ्रो बॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से किया जाएगा। भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में भाग लेगी, जिसका नेतृत्व पारा थ्रो बॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार अल्बर्ट करेंगे। 20 मार्च को कोलेज इरोज तमिलनाडु कोचिंग के लिए पूरी टीम जाएगी। इसके बाद इवेंट के लिए टीम को रवाना किया जाएगा।

20 मार्च को कोलेज इरोज तमिलनाडु कोचिंग के लिए जाएगी टीम

टीम में सात महिला खिलाड़ी भी

कप्तान मुकेश कंचन ने बताया कि यह हमारे लिए और झारखंड के लिए गर्व की बात है। इस प्रतियोगिता में झारखंड से कुल 12 खिलाड़ी चयनित हुए हैं। इस टीम में सात महिला खिलाड़ी और पांच पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। महिला वर्ग में प्रतिमा तिर्की, महिमा उरांव, अनीता तिर्की, संजुक्ता एक्का, असुंता टोप्पो, पुष्पा मिंज, तारामणी लकड़ा और पुरुष वर्ग में मुकेश कंचन (कप्तान), सनोज महतो, पवन लकड़ा, राजेश कुमार मेहता और मुकेश कुमार का चयन हुआ है।

झारखंड के लिए गर्व का पल

पैरालिंपिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड की सचिव सरिता सिन्हा ने इस मौके पर कहा कि यह झारखंड के लिए गर्व का पल है। राज्य के इतने बड़े संख्या में खिलाड़ी इस एशिया पारा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ खिलाड़ियों के लिए नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है। एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. प्रणव कुमार ने कहा कि झारखंड से 12 खिलाड़ियों का चयन दिव्यांग समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। यह राज्य के लिए गौरव की बात है और इससे दिव्यांग खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन मिलेगा।

खिलाड़ियों को आर्थिक मदद की जरूरत

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पतरस तिर्की ने कहा कि झारखंड के पारा खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सहयोग की आवश्यकता है। सरकार से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए, ताकि वे अपनी खेल यात्रा को जारी रख सकें। और आने वाले प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। टीम के कप्तान मुकेश कंचन ने कहा कि झारखंड के पारा थ्रो बॉल खिलाड़ी कठिन परिस्थितियों में अपना खेल खेलते हुए मानसिक रूप से बहुत मजबूत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अन्य देशों में पारा थ्रो बॉल खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं की तुलना में भारतीय खिलाड़ियों को कम सुविधाएं मिलती हैं।

रांची के कई इलाकों में चार दिनों तक ठप रहेगी पेयजलापूर्ति

RANCHI : रांची के कई इलाकों में चार दिनों तक पेयजलापूर्ति सेवा ठप रहेगी। इनमें नयासराय, विधानसभा का क्षेत्र, विस्थापित कॉलोनी, सीआरपीएफ कैंप, जगरनाथपुर गांव का नाम शामिल है। इन इलाकों में पाइपलाइन से होनेवाली पेयजल आपूर्ति 10 फरवरी से 14 फरवरी तक पाइपलाइन की शिफ्टिंग के चलते ठप रहेगी। यह जानकारी पेयजल एवं स?वच?छता विभाग के कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर ने दी। विभाग की ओर से पेयजल आपूर्ति बंद रहने पर विभिन्न इलाकों में पाइपलाइन लिकेज को ठीक करने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि नयासराय में रेलवे आरोबी का निर्माण किया जा रहा है। इस वजह से सड़क चौड़ीकरण और पेयजल पाइपलाईन शिफ्टिंग का काम किया जा रहा है। वहीं विधानसभा और इसके आसपास के इलाकों में रांची और पिस्का रेलवे स्टेशन के बीच बन रहे चार लेन के रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण होने से इन इलाकों में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी।

नवीनीकरण कार्यक्रम में विभिन्न धर्मप्रांतों के 76 पुरोहित हुए शामिल

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को पुरोहितों में नवीनीकरण लाने, विकास को तेजी से आगे बढ़ाने और योजनाओं को प्रभावी रूप से कार्यान्वित करने के उद्देश्य से समाज विकास केंद्र में दो दिनों से चल रहे कार्यक्रम संपन्न हो गया। वीएससीआर (कमीशन फॉर वोकेशन, सेमिनारिस्ट्स, क्लर्जी एंड रिलिजियस) और सीडीपीआई (कॉन्फ्रेंस आफ डायोसिसन प्रीस्ट्स आफ इंडिया) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न धर्मप्रांतों, जैसे- रांची, सिमडेगा, गुमला, डाल्टनगंज, खूंटी और दुमका के 76 पुरोहितों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पुरोहितों की विश्वासियों के साथ अच्छे संबंध, उनकी भूमिका, जिम्मेदारियां और इससे प्राप्त परिणामों पर विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता फा। चार्ल्स लियोन रहे। इस नवीनीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन 6 फरवरी 2025 को रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद और खूंटी कैथोलिक धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष, विनय कंडुलना की उपस्थिति में हुआ।

समाचार सार

आनंदपुर के स्कूल में हुआ वार्षिक खेलकूद

ANANDPUR : मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आनंदपुर के चारबंदिया स्थित संत जोसेफ मध्य विद्यालय सह दिव्य ज्योति उच्च विद्यालय का वार्षिक खेलकूद शनिवार को हुआ। हरा दल सर्वाधिक अंक के साथ ओवर ऑल चैंपियन बना। जबकि नीला दल दूसरे स्थान पर रहा। इसमें मुख्य अतिथि विधायक जगत माझी के अलावा विद्यालय के सचिव फादर हलन बोदरा, प्राचार्य फादर जेम्स सुरीन, फादर मारिया चार्ल्स, फादर जीनव जोनिस आदि उपस्थित थे। अभिभावकों के साथ विधायक ने भी बम ब्लास्ट प्रतियोगिता में भाग लिया। खेल दिवस का संचालन राकेश टोपनो, संध्या माधुरी पुरती एवं समीर बुढ़ ने किया। आयोजन को सफल बनाने में ललिता बुढ़, सुचिता एक्का, इजबाल लुगुन, रजनी सुरीन, नील कुसुम टेटे, संगीता मारके, संगीता भुइयां, अमर केरकेट्टा, अनिल भेंगरा, आनंद बोदरा, स्नेहलता भेंगरा, फुतीर्ला कुजूर आदि शिक्षकों का योगदान रहा।

मधुसूदन स्कूल के छात्रों को दी गई विदाई

CHAKRADHARPUR : मधुसूदन पब्लिक स्कूल, आसनतलिया में शानिवार को सत्र 2024-2025 के बारहवीं के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। विद्यालय के निदेशक बीके हिंदवार, प्राचार्य के. नागराजू, उप प्राचार्या आरती कोड़वार, परीक्षा नियंत्रक दिनेश कुमार चक्रवर्ती, सीसीए संयोजक केएल नारायण एवं विद्यालय के शिक्षकों ने छात्रों को स्मृतिचिह्न भेंट किया।

गणपति, कार्तिक व धर्मसास्था को कराया नगर भ्रमण

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के खरकई लिंक रोड स्थित धर्मसास्था मंदिर में शनिवार को भगवान गणपति, कार्तिक व धर्मस-ास्था को नगर भ्रमण कराया गया। संध्या 6 बजे मंदिर से निकली शोभायात्रा बिष्टुपुर मेन रोड होते हुए लौटी। इस दौरान शहरवासियों ने भगवान का दर्शन व पूजन किया। 77वें धर्मसास्था प्रीति महोत्सव में सुबह की पूजा महागणपति के लिए हवन के साथ शुरू हुई। विभिन्न स्थानों से आए वेद पंडितों ने 16 कलश स्थापित किए और श्री धर्मस-ास्था, महागणपति और कार्तिक के लिए महान्यास पूर्वक एकादश रुद्र पूर्णाभिषेक किया। सभी पूजा मुख्य पुजारी विजय भानु के मार्गदर्शन में मंदिर के अध्यक्ष पीएन शंकरन द्वारा आयोजित की गई। महाआरती के बाद मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा हजारों भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। रथ यात्रा के बाद एक बार फिर सभी देवी-देवताओं की महाआरती की गई और प्रसाद वितरित किया गया।

हर काम को खुश रहकर करें : डॉ. गुप्ता

JAMSHEDPUR : सोनारी, मेरीन ड्राइव स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मुख्य सेवा केंद्र यूनिवर्सल पीस पैलेस रिट्रीट सेंटर में शनिवार को प्रेरणादायक सत्र सीक्रेट्स ऑफ सेल्फ एंपावरमेंट हुआ। सत्र में डॉ. मोहित गुप्ता (डायरेक्टर कार्डियोलॉजी, जीबी हॉस्पिटल, नई दिल्ली) ने कहा की खुशी से काम करना चाहिए, खुशी के लिए कभी नहीं कहना है कि हम बिजी हैं। बी-ईजी रहना है। खुशी और प्रेम की कमी, गुस्सा, कृतज्ञता का अभाव यह सभी मानव को मानसिक रूप से दुर्बल बनता है।

किड्जी प्री-स्कूल ने मनाया वार्षिकोत्सव

GHATSILA : किड्जी प्री-स्कूल घाटशिला का 11 वां वार्षिकोत्सव आशा ऑडिटोरियम में शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अंचलाधिकारी निशात अंबर व विशिष्ट अतिथि बीडीओ युनिका शर्मा थीं। स्कूल के बच्चों व अविभावकों ने वेलकम डांस, रेनबो डांस, हनुमान एक्ट, जिंगल बेल, ब्रदर सिस्टर, बंगाली डांस, जूबी-जूबी, दादा-दादी, हवा-हवाई, रानी लक्ष्मी बाई, चांद तारे, रवींद्र संगीत, संथाली डांस, पंजाबी डांस आदि प्रस्तुत किया गया।

मीडिया कप में बिष्टुपुर बेमिसाल बना चैंपियन

JAMSHEDPUR : प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर द्वारा आयोजित व रतन टाटा को समर्पित मीडिया कप के फाइनल मैच मे बिष्टुपुर बेमिसाल ने मानगो मनमौजी को हराकर चैंपियन का खिताब जीत लिया। विजेता व उपविजेता टीम को एसएसपी किशोर कौशल, विशिष्ट अतिथि आरकेएफएफ के कार्यकारी निदेशक शक्ति सेनापति, ब्रह्मानंद हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर ए धर्मा राव व प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव भारद्वाज ने संयुक्त रूप से ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया।

तड़ीपार के घर पर फायरिंग करने वाला डाबर गिरोह का सदस्य हुआ गिरफ्तार

जमशेदपुर पुलिस ने बिहार व उत्तरप्रदेश में भी की थी छापेमारी, हथियार भी बरामद

PHOTON NEWS JSR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भालूबासा इलाके में पिछले साल 15 दिसंबर को हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सोहराब उर्फ लाल बाबू को गिरफ्तार किया है। सोहराब आजाद नगर थाना क्षेत्र के ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर 18 के पास स्थित मैरिज हॉल के समीप का रहने वाला है। पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। इसने तड़ीपार अपराधी सलमान खान के घर पर फायरिंग की थी।

एसएसपी किशोर कौशल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सोहराब की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने बिहार और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में छापेमारी की। अंततः मुखबिर की सूचना पर जमशेदपुर में उसे गिरफ्तार किया गया। सोहराब के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्तौल और दो कारतूस भी बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद सोहराब को एमजीएम अस्पताल में मेडिकल जांच कराने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की पूछताछ में सोहराब ने खुलासा किया कि वह मानगो के कुख्यात डाबर गिरोह का सदस्य था। डाबर की हत्या के बाद वह गिरोह को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रहा था। उसने बताया कि नेशनल हाईवे पर काली मंदिर और पारडीह बस्ती के बीच स्थित पुल के नीचे उसने पिस्तौल छिपा रखी थी, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

पत्रकारों को जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल ● फोटोन न्यूज

पुरानी रंजिश बनी फायरिंग की वजह

डीएसपी भोला प्रसाद ने बताया कि इस मामले में एक और अपराधी सादिक खान उर्फ कुबड़ा को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जांच के दौरान यह सामने आया कि कदमा में सलमान खान ने एक मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। इसी घटना का बदला लेने के लिए उसके घर पर फायरिंग की गई थी।

रंगदारी मांगने वाले चार बदमाश पकड़ाए

मुड़ाकाटी में 27 जनवरी को व्यवसायी के घर व दुकान पर हुई थी फायरिंग

JAMSHEDPUR : गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र के माछभंडार इलाके में रंगदारी मांगने और फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों ने गुड़ाबांदा और धालभूमगढ़ इलाके में व्यवसायियों से रंगदारी मांगी थी। शनिवार को एसएसपी किशोर कौशल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में गुरुचरण कर्मकार उर्फ पुटकू कर्मकार, जीवन कर्मकार उर्फ लादु कर्मकार, सोकेन कर्मकार और काशीनाथ कर्मकार शामिल हैं। गुरुचरण कर्मकार के खिलाफ गुड़ाबांदा थाने में हत्या का मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, दो कारतूस, दो मैगजीन, रंगदारी मांगने में इस्तेमाल मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और चार अन्य मोबाइल बरामद किए हैं। एसएसपी ने बताया कि 27 जनवरी को गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र के मुड़ाठाकुरा गांव में इन बदमाशों ने एक व्यवसायी के घर और होटल पर जाकर फायरिंग की थी और रंगदारी की मांग की थी। हालांकि, इन्हें रंगदारी नहीं मिली, लेकिन वे वसूली के प्रयास में लगातार सक्रिय थे। इसके बाद ये बदमाश माछभंडार में किसी अन्य घटना को अंजाम देने के लिए जुटे थे। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर इनकी गिरफ्तारी की गई।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी ● फोटोन न्यूज

ग्रामीण इलाके में गिरोह बनाने का प्रयास : पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि ये बदमाश गुड़ाबांदा, श्याम सुंदरपुर, धालभूमगढ़ और मुसाबनी इलाके में रंगदारी वसूलने के लिए अपना गिरोह बनाने की कोशिश कर रहे थे। इसके लिए वे लगातार अपराध कर रहे थे। ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग की कोशिशों से पुलिस ने इन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

रंगदारी वसूली या नहीं, जांच जारी : पुलिस यह पता लगा रही है कि अब तक इन बदमाशों ने कितनी रंगदारी वसूली है और क्या किसी ने इन्हें पैसे दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में अपराध को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है। इन बदमाशों की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है।

भाजपा के पूर्व जिला संयोजक सच्चिदानंद राय का हुआ निधन

JAMSHEDPUR : भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी की स्थापना के पश्चात वर्ष 1980 में कोल्हान के जिला संयोजक व सिंहभूम के जिला महामंत्री रहे सच्चिदानंद राय का शनिवार को निधन हो गया। वे 82 वर्ष के थे। वे कुछ दिनों से टाटा मोटर्स अस्पताल में इलाजरत थे। उनकी अंतिम यात्रा बारीडीह स्थित विजया गार्डेन फेज -2, फ्लैट -1801 से रविवार सुबह 10 बजे निकलेगी। सुबह 10.30 बजे उनका पार्थिव शरीर साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय लाया जाएगा। यहां भाजपा कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई देंगे। इनके दो पुत्र हैं। बड़े पुत्र ब्रजेश कुमार राय कमिंस के कर्मचारी हैं। स्व. राय के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास व अर्जुन मुंडा सहित अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, हो गई मौत

JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत चांडिल थाना क्षेत्र में शहरबेड़ा के पास एनएच-33 (टाटा रांची राष्ट्रीय उच्च पथ) पर अज्ञात वाहन ने एक युवक की बाइक को टक्कर मार दी। इसमें युवक कृष्णा गोप की मौत हो गई। कृष्णा गोप की उम्र 19 साल थी। वह मेला देखने बाइक से निकला था। मेला देखने के बाद चिलगू बाजार गया। वहां उसने मछली खरीदी। मछली खरीदने के बाद वह घर लौट रहा था। तभी यह सड़क हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर चांडिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर भेजा। पुलिस ने परिजनों को भी घटना की सूचना दी। एमजीएम अस्पताल पहुंचे मृतक के पिता शत्रुघ्न गोप ने बताया कि उनके बेटे ने उन्हीं के सामने दम तोड़ा। जब वे एमजीएम अस्पताल पहुंचे तो कृष्णा गोप जिंदा था। उन्हें देख रहा था।, लेकिन अचानक उसकी सांसे थम गईं। बताते हैं कि कृष्णा गोप के सिर में गंभीर चोट लगी थी। कृष्णा गोप सिंहभूम कॉलेज, चांडिल में 11वीं का छात्र था। कृष्णा गोप शत्रुघ्न गोप का इकलौता बेटा था।

एमजीएम अस्पताल में मृतक का पिता

सोनुआ में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

SONUA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना क्षेत्र के गोलमुंडा कुनुसाई निवासी 22 वर्षीय हरीश सवैयां ने शनिवार को अपने ही घर में दरवाजा बंद करके दुपट्टा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, सोनुवा थाना अंतर्गत गोलमुंडा कुनुसाई निवासी हरीश सवैयां शनिवार को घर में अकेले था। उसकी मां बकरी चराने गई थी?। बाद में जब परिजन घर आए तो दरवाजा बंद मिला। दरवाजा तोड़ कर देखा तो हरीश सवैयां फंदे पर लटका था। इसके बाद परिजन उसे सोनुवा अस्पताल लाए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बाद में सोनुवा थाना की पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।

पहली बार माकुली के ग्रामीणों को मिलेगा चापाकल का पानी

बोरिंग के दौरान उपस्थित जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड स्थित माकुली गांव के ग्रामीण अब चापाकल का पानी पी सकेंगे। भादुआ पंचायत अंतर्गत पहाड़ की तलहटी में बसे इस दुर्गम गांव में मात्र 6 आदिवासी परिवार रहते हैं। इस राजस्व गांव की आबादी लगभग 30 है। मुख्य सड़क से कटा होने व आवागमन की सुविधा नहीं होने से यहां आज तक बोरिंग नहीं हुई थी। इस कारण ग्रामीण चुआं, खाल या गड्ढे का पानी पी रहे थे। जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने शनिवार को यहां बोरिंग कराया। मुर्मू भी पहली बार इस गांव में गई थीं। उन्होंने बताया कि गांव तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है, इसलिए स्वीकृति के बावजूद चापाकल के लिए बोरिंग संभव नहीं हो पा रहा था। इस मौके पर ग्राम प्रधान विजय तियू, सिंगराय तियू, मुनिराम हांसदा, जोगेंद्र तियू, चक्र तियू, श्रीधर बानरा, सामू बानरा, बाहामुनि तियू, निमशी तियू, नितिमा तियू, पशुआ बानरा, तुलसी बानरा, मानकी हांसदा समेत अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

ई-कोर्ट फाइलिंग का दिया गया प्रशिक्षण

कार्यशाला में उपस्थित अधिवक्ता ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : झारखंड न्यायिक अकादमी, रांची के तत्वावधान में शनिवार को व्यवहार न्यायालय चाईबासा के अधिवक्ताओं और अधिवक्ता लिपिकों के लिए एक दिवसीय ई-कोर्ट फाइलिंग, वर्चुअल कोर्ट की प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मौहम्मद शाकिर ने कहा कि यह प्रशिक्षण अधिवक्ताओं को तकनीकी रूप से अद्यतन और समृद्ध बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह प्रशिक्षण वर्तमान परिवेश में जहां एक ओर तकनीकी ज्ञान को बढावा देगा। तो दूसरी ओर ई-कोर्ट फाइलिंग की प्रक्रिया को नवीन गति प्रदान करेगा। उन्होंने प्रशिक्षणरत अधिवक्ताओं, अधिवक्ता लिपिकों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी। इस दौरान जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद, सचिव अगस्तीन कुल्लू व उपाध्यक्ष कैसर परवेज भी उपस्थित थे।

पूर्वी सिंहभूम जिले के 3 उत्कृष्ट विद्यालयों में नामांकन शुरू

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के 3 उत्कृष्ट विद्यालयों उत्क्रमित +2 बालिका उच्च विद्यालय, साकची, जमशेदपुर में कक्षा 6 से 11 तक के लिए, बीपीएम +2 उच्च विद्यालय बमार्माइंस, जमशेदपुर कक्षा 9 से 11 तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सुंदरनगर, जमशेदपुर (आवासीय विद्यालय) कक्षा 6 (केवल बालिकाओं के लिए) में नामांकन के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक आवेदक या आवेदक के अभिभावक https://evidyavahini.jharkhand.gov.in/studentAdmission में online आवेदन कर या संबंधित विद्यालय से विद्यालय कार्यावधि में आवेदन पत्र प्राप्त कर 10 फरवरी तक भरा हुआ आवेदन पत्र संबंधित विद्यालय में स्वयं या डाक के माध्यम से जमा कर सकते हैं। नामांकन की प्रक्रिया प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगी। प्रवेश परीक्षा 1 मार्च को आयोजित की जाएगी। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1 अप्रैल से बच्चों की कक्षाएं शुरू होंगी।

ऑटो चालक पर जानलेवा हमला करने के दो आरोपी हुए गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र ह्यूमपाइप इंदिरानगर मुर्गा पाड़ा के पास शुक्रवार की रात हीरा साहू पर जानलेवा हमला हुआ था। हीरा साहू ऑटो चलाकर घर लौट रहे थे, तभी बस्ती के ही बाबू भुइयां, गणेश भुइंया व दो अन्य युवकों ने उन पर चाकू और हाथ के कड़े से हमला कर दिया। इस हमले में उनकी नाक और माथे पर गंभीर चोटें आईं, और पीठ में चाकू मारकर घायल कर दिया गया। घटना पीड़ित हीरा साहू के घर के सामने की है। पीड़ित को बचाने पहुंची उनकी पत्नी शोभा देवी और बेटे रोहित कुमार पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया और उनकी पत्नी के गले से सोने का लॉकेट छीनकर फरार हो गए। घायल अवस्था में हीरा साहू को लेकर परिवार के लोग एमजीएम अस्पताल पहुंचे और इलाज के बाद शनिवार को सीतारामडेरा थाना में शिकायत दर्ज कराई। घटना की जानकारी मिलने पर अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश साहू, उमेश साव, विशाल साव, मुन्ना साव आदि सीतारामडेरा थाना पहुंचे और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। बस्तीवासियों के सहयोग से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। राकेश साहू ने प्रशासन से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की अपील की है।

घायलों के साथ तैलिक साहू समाज के लोग ● फोटोन न्यूज

साकची में धूमधाम से निकली खाटू वाले श्याम की शोभायात्रा

PHOTON NEWS JSR : श्रीश्री साकची शिव मंदिर व श्री श्याम परिवार का 36वां श्रीश्री श्याम महोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव को लेकर पूरे मंदिर परिसर समेत श्याम बाबा का विशाल दरबार पुष्प से सजाया गया था। 1351 निशान यात्रा का प्रारंभ साकची शिव मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बाबा के जयकारे से हुआ, जो साकची बाजार डालडा लाइन, पलंग मार्केट चौक, साकची बिरसा मुंडा चौक से स्ट्रेटमाइल रोड से काशीडीह होते हुए वापस मंदिर पहुंच कर बाबा श्याम को निशान अर्पित करने के साथ संपन्न हुआ। शोभा यात्रा के दौरान जय श्री श्याम, शीश के दानी, हारे का सहारा के जयघोष से पूरा मार्ग गूंजता रहा। निशान यात्रा के दौरान मार्ग में स्थानीय कलाकार महावीर अग्रवाल द्वारा डोरी खींच के राखिजे यो है बाबा को निशान. पैदल चालनिये के सागे चाले बाबा श्याम... जैसी शानदार भजनों की प्रस्तुति दी।

साकची में बाबा श्याम की ध्वजा लेकर चलती महिलाएं ● फोटोन न्यूज

देर रात तक भजनों पर झूमते रहे भक्त

महोत्सव में शनिवार की रात को समस्तीपुर से आई भजन कलाकार रेशमी शर्मा और कोलकाता से आए विवेक शर्मा ने मधुर भजनों की अमृत वर्षा कर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इनके अलावा स्थानीय भजन गायक महावीर अग्रवाल ने भी बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई। भजन गायकों ने विविधतापूर्ण भजनों से खाटू श्याम के जीवन दर्शन से लेकर उनकी महिमा तक के भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। श्री गणेश वंदना मेरे लाडले गणेश प्यारे प्यारे....से भजन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। फाल्गुनी धमाल पर देर रात तक मस्ती में सराबोर रहे भक्तों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर फागुन (होली) की बधाई दी।

छह माह से लटकी है गाय वितरण योजना, स्कीम पूरा करने को सरकार का दबाव

गव्य विकास महकमे को नहीं मिल रहे 53 दलित व दिव्यांग महिला

MUJTABA RIZVI @ JSR :

जिला गव्य विकास विभाग को गाय वितरण योजना पूरी करने में पसीने छूट रहे हैं। महकमे को इस योजना में दलित और दिव्यांग लाभुकों की तलाश है। विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने इसके लिए जिले के पूरे ग्रामीण इलाके को छान मारा, मगर कहीं दलित और दिव्यांग लाभुक नहीं मिले। विभाग को इस योजना में दलित महिला और महिला दिव्यांग लाभुकों की जरूरत है। विभाग को कुल 53 लाभुकों की तलाश है।

30 दलित व 23 दिव्यांग महिलाओं की खोज

गव्य विभाग को सरकार की तरफ से यह योजना जल्द पूरा करने का दबाव है। पिछले साल जुलाई महीने के आसपास ही योजना के लक्ष्य विभाग को दे दिए गए थे। छह महीने गुजर गए मगर अब तक दलित और दिव्यांग लाभुक नहीं मिल पा रहे हैं। इस योजना में 30 दलित महिलाओं और 23 दिव्यांग महिलाओं की तलाश है। इसके लिए विभाग के अधिकारी प्रखंडों की खाक छान रहे हैं। प्रखंडों में बीडीओ की मदद भी ली जा रही है। योजना पूरा करने के लिए विभाग के पास अब दो महीने का समय बचा है। इसलिए विभाग के अधिकारी रेस हो गए हैं।

क्या है सरकार की योजना

गव्य विकास विभाग महिला लाभुकों को दो-दो गाय का वितरण करता है। इस योजना के तहत महिला लाभुकों को दो गाय खरीदने के लिए दो किस्तों में 1 लाख 20 हजार रुपये दिए जाते हैं। गव्य विकास विभाग एक लाभुक को इस योजना में 1 लाख 35 हजार रुपये देता है। विभाग एक गाय के लिए अधिकतम 60 हजार रुपये देता है। पहले एक गाय दिलाई जाती है। इसके कुछ महीने बाद दूसरी गाय दिलाई जाती है। इस तरह एक लाख 20 हजार रुपये गाय की खरीद पर खर्च होते हैं। यह गाय विभाग के रजिस्टर्ड पशु कारोबारी से ही खरीदी जाती है। इंश्योरेंस और बाल्टी व अन्य सामान खरीदने के लिए होती है। इस योजना में 6815 रुपये लाभुक को भी लगाने होते हैं।

165 लाभुकों का है लक्ष्य, मिले 112

गव्य विकास को जिले में कुल 165 महिला लाभुकों को दो-दो गाय दिलवानी है। इसके लिए प्रखंड वार लक्ष्य तय किए गए हैं। इनमें डुमरिया प्रखंड में 13 लाभुक, बहरागोड़ा प्रखंड में 25 लाभुक, धालभूमगढ़ प्रखंड में 13 लाभुक, चाकुलिया प्रखंड में 12 लाभुक, पोटका प्रखंड में 16 लाभुक, व जमशेदपुर व घाटशिला प्रखंड में 15 - 15 लाभुक, मुसाबनी प्रखंड में 13 लाभुक, गुड़ाबांदा प्रखंड में 12 लाभुक, बोड़ाम प्रखंड में 14 लाभुक और पटमदा प्रखंड में 17 लाभुकों का लक्ष्य निर्धारित है। इनमें से सामान्य और अन्य श्रेणी के 112 लाभुक मिल गए हैं। इन लाभुकों को एक-एक गाय की खरीद के लिए रकम उनके खाते में भेज दी गई है। कई लाभुकों ने गाय खरीद भी ली है। मगर, बाकी बचे 53 लाभुकों की विभाग तलाश कर रहा है।

BRIEF NEWS

श्री श्याम बाबा का दर्शन करने पहुंचे सांसद

RAMGARH : रामगढ़ शहर के नेहरू रोड में श्री श्याम बाबा की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा हुई। बाबा का दर्शन करने के लिए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। यहां उन्होंने अग्नि कुंड में आहुति दी और श्री खाटू श्याम बाबा का दर्शन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि श्याम भक्तों का हुजूम यह बता रहा है कि पांच दिनों तक लोगों ने आस्था में डुबकी लगाई है। यहां बाबा की प्रतिमा स्थापित कर लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार किया गया है। इस मौके पर पूजा कमेटी के लोगों ने सांसद का अभिनंदन किया।

सांस्कृतिक महोत्सव के पोस्टर का विमोचन

KHUNTI : तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने शनिवार को गवर्नमेंट बालिका विद्यालय के ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के झारखंड सांस्कृतिक महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया। महोत्सव का आयोजन 23 फरवरी को होगा। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा विगत 15-20 वर्षों तक कला, संस्कृति, साहित्य, खेल, सामाजिक, पत्रकारिता के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वालों को चयनित कर झारखंड के प्रतिष्ठित सम्मान बिरसा मुंडा ज्योति सम्मान के अलावा झारखंड सेवा सम्मान, झारखंड फिल्म आर्ट अवार्ड दिया जाएगा। चित्रकला, डांस, सिंगिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। साथ ही सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया जाएगा। पोस्टर के विमोचन के मौके पर महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष तपन कुमार घोष, महासचिव मार्शल बारला, चयन समिति के संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता आशुतोष भगत, महावीर साहू, जितेन्द्र पांडेय, सहित अन्य मौजूद थे।

कृषि और संबद्ध विभागों की बैठक संपन्न

LOHARDAGA : उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में शनिवार को कृषि विभाग और सम्बद्ध विभागों की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में गव्य विकास पदाधिकारी और जिला योजना पदाधिकारी को कुडू प्रखंड में नीति आयोग के अवार्ड मनी से बन रहे डेयरी और प्रोडक्शन यूनिट को एक सप्ताह में शुरू कराने और प्रोडक्शन शुरू कराने का निर्देश दिया। डेयरी प्रोडक्शन यूनिट के गाय शेड की गुणवत्ता ठीक करते हुए कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में पशुपालन, उद्यान, कृषि, गव्य, सहकारिता, भूमि संरक्षण विभाग के योजनाओं की समीक्षा की गई। ब्रिकेटिंग प्लांट किस्को में आवश्यक मरम्मति कार्य और सरसों तेल उत्पादन केंद्र कौआखाप में विद्युत अधिष्ठापन का कार्य जल्द पूरा कराने का निर्देश जिला सहकारिता पदाधिकारी/जिला योजना पदाधिकारी को दिया गया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी कालेन खलखो, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी समेत अन्य विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजकीय ईटखोरी महोत्सव की तैयारी शुरू

CHATRA : जिले में तीन दिवसीय राजकीय ईटखोरी महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर समाहरणालय में बैठक हुई। हर साल की तरह इस बार भी 19, 20 एवं 21 फरवरी 2025 को महोत्सव किया जाना है। महोत्सव के भव्य और सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर उपायुक्त सह जिला पर्यटन संवर्धन परिषद के अध्यक्ष रमेश घोलप की अध्यक्षता में शनिवार को बैठक हुई। बैठक में सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास भी उपस्थित हुए।

रामगढ़-रांची एनएच पर टैंकर में घुसी कार, चालक की मौत

सड़क जाम में आगे निकलने की जल्दबाजी बन गई जानलेवा

AGENCY RAMGARH : रामगढ़- रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चुट्टूपालू घाटी में जाम के दौरान वन-वे ट्रैफिक सड़क हादसे की वजह बन गई। यहां एक कार टैंकर में घुस गई, जिसकी वजह से कार चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात चाईबासा से दिल्ली पाइप लेकर जा रहा ट्रक सड़क के बीचो-बीच पलट गया। इस वजह से घाटी जाम हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और फोरलेन सड़क के हजारीबाग से रांची जाने वाली वन-वे सड़क पर किसी तरह आवागमन शुरू करवाया। फिर एनएचएआई की रेस्क्यू टीम को बुलाकर गाड़ी और सड़क पर बिखरे पाइप को हटवाने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान एक कार आगे जा रही टैंकर में घुस गई। इस हादसे में कार चालक की मौत हो गयी।

सड़क पर टैंकर में घुसा कार का अगला हिस्सा ● फोटोन न्यूज

ट्रक ड्राइवर श्रद्धा ने बताया कि वह चाईबासा प्लांट से पाइप लोड कर दिल्ली जा रहा था। इसी दौरान घाटी क्षेत्र में गाड़ी अनियंत्रित हो गई। इस वजह से आगे वाले गाड़ी को बचाने के क्रम में सड़क के किनारे जाने के प्रयास किया। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित हो कर पलट गई।

रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि ट्रक की दुर्घटना के करीब दो घंटे बाद रामगढ़ की ओर से रांची की ओर जा रही कार ने आगे चल रहे टैंकर में पीछे से टक्कर मार दी। इस वजह से टैंकर के पीछे कार फंस गया और चालक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

पूर्व एसडीओ के पिता हिरासत में

HAZARIBAG : हजारीबाग सदर के तत्कालीन एसडीओ अशोक कुमार के पिता दुर्योधन साव को लोहसिंघना थाना की पुलिस ने शनिवार को हिरासत में ले लिया है। हजारीबाग स्थित सरकारी आवास में अशोक कुमार की पत्नी अनिता कुमारी की जलने से मौत हो गई थी। इस मामले में अशोक के पिता भी नामजद अभियुक्त हैं। वे सलैया गांव में अपने ससुराल में थे। टेक्निकल सेल के सहयोग से लोहसिंघना पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया है। पुलिस उनसे अशोक कुमार के बारे में पूछताछ कर रही है। दुर्योधन साव ने पुलिस को बताया कि वे बेटे से सरेंडर करने के लिए कह रहे हैं। इधर, जानकारी मिली है कि अशोक कुमार मोबाइल बंद कर रांची में रह रहा है। पुलिस उनको गिरफ्तार कर सकती है। इसके पहले अशोक कुमार के बहनोई, भांजा और बड़े भाई को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर चुकी है। पुलिस पिता दुर्योधन साव और उनके छोटे बेटे शिवनंदन कुमार के कॉल डिटेल खंगाल रही है।

चर्चित विशुन साव हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, 3 किए गए गिरफ्तार

लेम्बुआ गांव का निवासी रोहित साव निकला मास्टरमाइंड

AGENCY CHATRA : टंडवा के चर्चित विशुन साव हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आपसी रंजिश में की गई हत्या को उग्रवादी कांड का रूप दिया गया था। पुलिस ने मामले में टीपीसी के नक्सलियों के खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया था। विशुन साव ब्लाईंड मर्डर केस मामले में चतरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता है। एसपी विकास पांडे के नेतृत्व में गठित स्पेशल एसआईटी की टीम ने एक सप्ताह के भीतर मामले का उद्भेदन किया है। इस मामले में लेम्बुआ गांव निवासी रोहित साव ही मास्टरमाइंड निकला। आपसी रंजिश में रोहित ने ही समाजसेवी बिशुन साव के हत्या की साजिश रची थी। लेंबुआ निवासी विशुन साव को नकाबपोश हथियारबंद लोगों ने अगवा कर जंगल ले जाकर धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी थी। अपराधी उसकी मां को एक पेड़ में बाध दिया था। पूरे घटनाक्रम को नक्सली गतिविधियों का रूप दिया गया था। इसी मामले में एसपी ने स्पेशल एसआईटी टीम का गठन किया था। एसपी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड में रोहित साव के अलावे चतरा के बधार निवासी राजू और दीपक को भी गिरफ्तार किया गया है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी विकास पांडे ● फोटोन न्यूज

गर्भवती, धात्री व नवजात को पोषक तत्व देने का निर्देश

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह ने शनिवार को खूंटी सदर प्रखंड की बिरहू पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित विलेज हेल्थ, सैनिटेशन एंड न्यूट्रिशन डे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संवाद किया और उन्हें पोषण सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, आयरन व फोलिक एसिड की गोलियों के वितरण तथा अन्य पोषण संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की।

पुलिस ने 8 गोवंशीय पशुओं को कराया मुक्त, दो गिरफ्तार

KHUNTI : गो वंशीय पशुओं की तस्करी करने वाले दो लोगों को तोरपा थाना की पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। तस्करी में संलिप्त दो आरोपितों मो तौसीफ और सनिका बारला को गिरफ्तार कर आठ मवेशियों को मुक्त कराया। मो तौसीफ लोहरदगा जिले के कैरो का और सनिका बारला तोरपा थाना के दियांकेल गांव का रहनेवाला है। जानकारी के अनुसार तौसीफ और सनिका एक बड़े डाला टैंपू में लादकर आठ गाय-बैलों को ओडिशा के कटबुल बहार से रांची ले जा रहे थे। तोरपा थाना के मां रेस्टोरेंट के पास टैंपू के चालक ने वहां खड़ी एक यात्री बस को ठोकर मार दी। इससे टैंपू क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होते ही वाहन का चालक भाग गया, लेकिन दो लोग टैंपू में ही रह गये, जिन्हें स्थानीय लोगों से पकड़ लिया और तोरपा थाना को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। उसी दौरान मो तौसीफ मौका देकर भागने लगा। पुलिस वालों ने उसे दौड़ाया तो वह एक तालाब में कूद गया। पुलिसवालों ने उसे तालाब से निकाला और थाना ले गये। इस संबंध में तोरपा थाने में मामला दर्ज कर दोनों आरोपितों को खूंटी जेल भेज दिया।

वाहन पर लदी गाय

खूंटी में अफीम की फसलों को ट्रैक्टर चलाकर किया गया नष्ट

फसल नष्ट करते पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर शनिवार को खूंटी जिले के कर्रा समेत अन्य प्रखंडों में जिला प्रशासन ने अभियान चलाकर अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया। अभियान के दौरान ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों की मदद से बड़ी मात्रा में अवैध फसल नष्ट की गई। कार्रवाई में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। प्रशासन द्वारा स्थानीय लोगों को अवैध अफीम की खेती से होनेवाले कानूनी और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें वैकल्पिक और लाभकारी खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध अफीम की खेती किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अफीम की खेती के खिलाफ कार्रवाई जारी दो दिनों में 10 गिरफ्तार

KHUNTI : अफीम की खेती के खिलाफ खूंटी जिला पुलिस के जरिये चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान अफीम के खेत में काम कर रहे 10 लोगों को दो दिनों के अंदर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपितों में अड़की थानांतर्गत ग्राम तिनतिला टोली भुरसूडीह निवासी एसी सबन (48),एसी आसब (60),एसी नेमिया (46),एसी प्रभुदयाल (50),एसी दयाल (35),एसी अभिराम (45) तथा सायको थानांतर्गत ग्राम सैदवा निवासी वीरसिंह हस्सा उर्फ बिरसा (25),सेरेंगडीह गांव के दाऊद बड़ाएउद (26 वर्ष), जानुमपीड़ी गांव के सोमा हस्सा (56) एवं आड़ा गांव के करम सिंह पाहन उर्फ मंगरा (30) शामिल हैं। यह जानकारी खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक अमन ने शनिवार शाम अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

भू-माफिया पर डीसी की बड़ी कार्रवाई 403 एकड़ जमीन की अवैध जमाबंदी रद्द

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने भू माफियाओं पर एक बार फिर गाज गिराई है। यहां गैर मंजरुआ जंगल जमीन की अवैध जमाबंदी को उन्होंने रद्द कर दिया है। मांडू प्रखंड के चपरा मौजा में 403.30 एकड़ जमीन की अवैध जमाबंदी शनिवार को रद्द कर दी गई है। डीसी चंदन कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मांडू प्रखंड के चपरा मौजा में उमापदो सेन मोदक, इशहाक मियां और विश्वनाथ सेन मोदक के नाम पर अवैध जमाबंदी चल रही थी। थाना संख्या 94, खाता संख्या 7 में इन तीन भू माफियाओं ने इस बड़े भू-भाग पर अपना कब्जा होने का दवा दस्तावेजों के आधार पर किया था। लेकिन वे सारे दस्तावेज फर्जी निकले। उमा पदों से मोदक के नाम पर 168.30 एकड़ जमीन की अवैध जमाबंदी कायम थी। इशहाक मियां के नाम पर 150 एकड़ जमीन की जमाबंदी कराई गई थी। साथ ही विश्वनाथ सेन मोदक के नाम पर 85 एकड़ जमीन की अवैध जमाबंदी खोली गई थी। डीसी चंदन कुमार ने बताया कि संदेहास्पद जमाबंदी कायम किए जाने का मामला जब प्रकाश में आया तो पूरी जांच की गई। अंचल अधिकारी ने दस्तावेज की जांच की और अपर समाहर्ता को भेजा। वहां से पूरी सुनवाई के बाद डीसी कार्यालय को दस्तावेज भेजा गया। न्यायालय में मामले की सुनवाई की गई एवं न्यायालय द्वारा संबंधित मामले में बिहार-झारखंड भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4 एच के तहत कायम संदेहात्मक जमाबंदी को रद्द किया गया।

पत्रकारों को संबोधित करते डीसी चंदन कुमार ● फोटोन न्यूज

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स ने इलेक्ट्रिक पावर सिस्टम में हालिया प्रगति पर कराया सेमिनार

स्वच्छ व हरित ऊर्जा के लिए हाइड्रोजन सबसे बेहतर ईंधन विकल्प : चौधरी

PHOTON NEWS JSR : इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), जमशेदपुर लोकल सेंटर ने शनिवार को बिष्टुपुर के एन रोड स्थित एसएनटीआई ऑडिटोरियम में 'इलेक्ट्रिक पावर सिस्टम में हालिया प्रगति' पर सेमिनार कराया।

इसमें एनएमएल के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक प्रवेश कुमार धवन मुख्य अतिथि थे। वहीं, सत्र की अध्यक्षता टाटा स्टील के चीफ-आयरन मेकिंग इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस सौरभ गोयल ने की, जबकि अध्यक्षता आईई(आई), जमशेदपुर सेंटर की सचिव थिरुमुरुगन ने की।

सौरभ गोयल ने ग्रिड नेटवर्क के एकीकरण के बारे में जानकारी दी। प्रवेश कुमार धवन ने निर्बाध, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति के लिए पावर ग्रिड के एकीकरण के लिए विद्युत ऊर्जा प्रणाली पर जोर दिया। कहा कि इसके लिए राष्ट्रीय ग्रिड के बेहतर नियंत्रण, सुरक्षा और साइबर सुरक्षा की आवश्यकता है।

तकनीकी सत्रों में वक्ताओं ने ऊर्जा में नवाचार : स्वच्छ, हरित भारत को आकार देना, जीवाश्म ईंधन, हाइड्रोजन ईंधन, इलेक्ट्रोलिसिस आदि पर चर्चा की। मुख्य व्याख्यान मैरीलैंड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गालूडीह, जमशेदपुर की पूर्व प्रिंसिपल डॉ. रेखा चौधरी ने स्वच्छ और हरित ऊर्जा के लिए ऊर्जा के उभरते स्रोतों पर विस्तार से बताया। कहा कि हाइड्रोजन एक स्वच्छ ईंधन है। इसे ईंधन सेल में खपत करने पर केवल पानी उत्पन्न होता है। हाइड्रोजन का उत्पादन प्राकृतिक गैस, परमाणु ऊर्जा, बायोमास और सौर और पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा जैसे स्रोतों से किया जा सकता है। यह परिवहन और बिजली उत्पादन अनुप्रयोगों के लिए एक आकर्षक ईंधन विकल्प है। हाइड्रोजन ईंधन किसी भी हानिकारक गैस का उत्पादन नहीं करता है और इस प्रकार इसे सबसे स्वच्छ ईंधन बनाता है। भविष्य के ईंधन जैसे ईंधन सेल, जैव ईंधन और सिंथेटिक ईंधन यहां उल्लेख करने योग्य कुछ नवीन ऊर्जा स्रोत हैं, जो जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करेंगे और पर्यावरण की रक्षा करेंगे। हाइड्रोजन उत्पादन की उच्च लागत और इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से बिजली उत्पादन की अधिक लागत यहां उल्लेख करने योग्य एक सीमा है जिसे आने वाले वर्षों में उभरती तकनीकों के साथ दूर किया जा सकता है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि व आयोजक ● फोटोन न्यूज

एनआईटी जमशेदपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ. ओमहरि गुप्ता ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को ग्रिड में एकीकृत करने से जुड़ी चुनौतियों और समाधानों के बारे में विस्तार से बताया।

तकनीकी सत्र में डॉ. शरत चंद्र महतो सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग और एसोसिएट डीन (शैक्षणिक मामले), आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी जमशेदपुर ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) गति के स्थिरीकरण का मूल्यांकन करता है।

तकनीकी सत्र में एनआईटी जमशेदपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र कुमार ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को आकार देने में स्मार्ट ग्रिड नवाचारों और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों के महत्व को रेखांकित किया।

अंतिम सत्र में अजीत कुमार सिंह, पीएचडी रिसर्च स्कॉलर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी जमशेदपुर ने डीसी माइक्रोग्रिड फीडर प्रोटेक्शन के बारे में चर्चा की। उन्होंने ऊर्जा भंडारण, साइबर सुरक्षा, वित्तीय, आर्थिक, परिचालन और रखरखाव जैसे मुद्दों पर विस्तार से बताया।

एसडी भट्टाचार्जी, निवर्तमान सचिव, आईई(आई), जमशेदपुर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सेमिनार में शिक्षा जगत के साथ-साथ उद्योग जगत के करीब 75 प्रतिनिधि शामिल हुए।

इंटर और मैट्रिक की परीक्षा 11 से होगी शुरू, तैयारी पूरी

बैठक करते उपायुक्त लोकेश मिश्रा ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा वर्ष 2025 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं को कदाचार मुक्त एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने को लेकर समाहरणालय स्थित सभागार में शनिवार को उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जानकारी दी कि 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा 11 फरवरी से तीन मार्च तक आयोजित होगी। 10वीं की परीक्षा के लिए जिले में 26 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस परीक्षा में कुल 6010 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जबकि 12वीं की परीक्षा के लिए 14 परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया गया है, जिसमें 4310 परीक्षार्थी भाग लेंगे। इनमें 3456 परीक्षार्थी आर्ट्स, 404 परीक्षार्थी कॉमर्स और 447 परीक्षार्थी साइंस विषय के हैं। परीक्षा के समय-सारणी के अनुसार 10वीं कक्षा की परीक्षा सुबह 9.45 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक आयोजित की जाएगी, वहीं 12वीं कक्षा की परीक्षा दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.15 बजे तक संपन्न होगी।

आम आदमी पार्टी की हार, भाजपा की सरकार...

सुरेश हिंदुस्तानी

दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराजेय मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनने का रास्ता साफ कर दिया है।

कहा जाता है कि जिसको जल्दी सफलता मिलती है, वह उस सफलता को यथावत नहीं रख सकता। जिसको संघर्ष के बाद सफलता मिलती है, वह स्थायित्व को प्राप्त कर सकती है, क्योंकि संघर्ष करने से अनुभव आता है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही सुख का अनुभव करा सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उनके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर आने वाले नेता मनीष सिसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा।

दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराजेय मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनने का रास्ता साफ कर दिया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो यह ध्यान में आता है कि आम आदमी पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया है। इससे विपक्ष का वोट विभाजित हो गया। इसका आशय यह भी है कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो आशातीत समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर कांग्रेस का अंदरूनी समर्थन नहीं होता तो आम आदमी पार्टी राजनीतिक आकाश में चमक नहीं बिखेर सकती थी। इस पर एक बात कहना बहुत ही आवश्यक है कि जो दूसरों की शक्ति से चमकते हैं, उनकी चमक लम्बे समय तक नहीं रहती। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की चमक ऐसी ही थी। जहां तक पंजाब में सरकार बनाने की बात है तो यही कहना समुचित होगा कि वहां चुनाव के समय दिल्ली की योजनाओं को प्रचारित किया गया, जिसका राजनीतिक लाभ आम आदमी पार्टी को मिला।

दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणाम का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि इस बार अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस को आईना दिखाने के प्रयास में अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया है। अगर अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस की बात मानकर गठबंधन कर लेते तो चुनाव परिणाम की तस्वीर कुछ और ही होती, लेकिन

अरविन्द केजरीवाल का अहंकार ही उनको ले डूबा। हम जानते हैं कि एक बार आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि ह्मोदी जी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को इस जन्म में तो आप हरा नहीं सकतेह्व। ऐसी भाषा को सुनकर यही लगता है कि केजरीवाल को अहंकार हो गया था। दूसरी बड़ी बात यह है कि उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे थे, इन सब आरोपों पर उन्होंने हमेशा भाजपा पर निशाना साधने का काम किया। जबकि यह सारा काम जांच एजेंसियों और सर्वोच्च न्यायालय ने किया। अरविन्द केजरीवाल को जेल भेजने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का था, लेकिन उनका आरोप भाजपा पर था। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल की इस बात को झूंठ ही माना। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल इस तथ्य को भूल गए कि भारतीय जनता पार्टी का भी दिल्ली में व्यापक राजनीतिक प्रभाव है। लोकसभा के चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सभी सीट प्राप्त होना, इसको प्रमाणित भी करता है। विधानसभा में भाजपा को भले ही कम सफलता मिली हो, लेकिन इससे भाजपा के राजनीतिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने भी इस चुनाव को आम आदमी पार्टी की तर्ज पर ही लड़ा। भाजपा ने लोहे को लोहे से काटने की रणनीति पर काम किया, जिसमें भाजपा ने बाजी मार ली।

दिल्ली के चुनाव में इस बार जिस प्रकार से आधुनिक संचार तकनीक का प्रयोग किया गया, उसने भी केजरीवाल की कथनी और करनी की भिन्नता को ही उजागर किया। केजरीवाल एक बात पर टिके दिखाई नहीं दिए। वे कभी कुछ तो कभी उसके विपरीत दिखाई दिए। यमुना साफ करने के नाम पर बार बार वादे करना आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के लिए भारी पड़ गया। यह बात सही है कि वादे करना सरल है, उनको पूरा करना उतना ही कठिन है। केजरीवाल जो वादे कर रहे थे, वे वही वादे थे, जो उन्होंने दस वर्ष पूर्व किए थे। उनमें से कई बड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए जा सके। सबसे बड़ा वादा यमुना साफ करने का ही था। इसके अलावा भ्रष्टाचार समाप्त करने के नाम पर गठित आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके थे। हद तो तब हो गई, जब वे अपनी सरकार को जेल से ही चलाने लगे। उधर उनको जमानत मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय में जा सकते हैं और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केजरीवाल अभी भी आरोपी हैं, इसलिए उनका मुख्यमंत्री बनना असंभव ही था, क्योंकि अगर वे चुनाव जीतते तो बिना काम के मुख्यमंत्री ही रहते। ये सब भ्रष्टाचार के आरोप के कारण ही हुआ। वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल के राजनीतिक गुरु के रूप प्रचारित समाजसेवी अण्णा हजारे इस चुनाव में केजरीवाल से रूठे से दिखाई दिए। इसको केजरीवाल के विरोधियों ने एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, जो सही निशाने पर जाकर लगा है।

दिल्ली चुनाव के बारे में मतदान के बाद किए गए सर्वेक्षण परिणाम को पुष्ट करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि सर्वेक्षण कई बार गलत भी साबित हुए हैं, लेकिन इस बार का सर्वेक्षण सटीक होकर वही तस्वीर दिखा रहे हैं, जो उन्होंने देखा। इससे ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी अपना स्वयं का परीक्षण करने में चूक गए। उनको लगता ही नहीं था कि उनकी पार्टी सत्ता से बाहर भी हो सकती है।

आम आदमी पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बारे में यह भी कहा जा रहा आम आदमी पार्टी को दूसरों ने कम उनके अपनों ने ही पराजित किया है। आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेता इस बात से नाराज थे कि आतिशी मालेर्ना को मुख्यमंत्री क्यों बनाया। जबकि आम आदमी पार्टी में इस पद के लिए कई दावेदार थे। अतः यह स्वाभाविक थी जो नेता राजनीतिक आकांक्षा को लेकर कार्य कर रहे थे, उनके सपनों पर पानी फिर गया। कहा यह भी जा रहा है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद आतिशी खुद नहीं चाहती थी कि अरविन्द केजरीवाल जीत कर आएं, क्योंकि वे जीतते तो आतिशी को मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि आम आदमी पार्टी की पराजय में उनके अपनों का ही योगदान है। रही सही कसर कांग्रेस ने पूरी करदी। कहा यह भी जा रहा है कि इंडी गठबंधन का बिखराव भी आम आदमी पार्टी की पराजय का कारण बना। अभी तक राजनीतिक शून्यता का टैग लगा चुकी कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव को बहुत गंभीरता से लिया। कांग्रेस ने हालांकि उन्हीं क्षेत्रों में बहुत परिश्रम किया, जहां उनका व्यापक प्रभाव था। लगभग बीस सीटों पर किए गए इस प्रयास के कारण भले ही कांग्रेस अपेक्षित सफलता के द्वार तक नहीं पहुंची, लेकिन कांग्रेस के इसी प्रयास ने आम आदमी पार्टी के लिए सत्ता के मार्ग का दरवाजा बंद करने में प्रमुख भूमिका निभाई। पिछले लोकसभा चुनाव में साथ जीने मरने की कसम खाने वाले भाजपा विरोधी राजनीतिक दल एक मंच पर आकर मिलकर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे, लोकसभा चुनाव में कहीं कहीं ऐसा दिखा भी, लेकिन दिल्ली के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल खुद ही अकेले मैदान में कूद गए। कांग्रेस भी मैदान में आ गई और विपक्ष का वोट, जो अब तक केजरीवाल को ही मिलता था, वह नहीं मिल सका। इसलिए कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी को हराने का काम किया। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

मोदी और कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का समापन करते हुए राज्य सभा में अपनी सरकार द्वारा किए गए कायरे की फेहरिस्त पुरानी तर्ज पर एक बार फिर प्रस्तुत की कि किस तरह उनकी आर्थिक नीति आगे बढ़ रही है और किस तरह उनकी सरकार के प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबों की सीमा लांघकर मध्यवर्गीय दहलीज पर पहुंचे हैं। उनके भाषण का एक प्रमुख स्वर वही था जो प्रायः सुनाई पड़ता है। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने फिर कहा कि उनकी प्राथमिकता परिवार है जबकि भाजपा की प्राथमिकता राष्ट्र है। कांग्रेस की कोई भी नीतियां परिवार विशेष को केंद्र में रखकर बनती हैं तो उनकी नीतियां राष्ट्र को केंद्र में रखकर बनती है। मोदी के अनुसार कांग्रेस का राज अत्यधिक धीमी आर्थिक प्रगति का राज था, जबकि एनडीए का वर्तमान शासन तीव्र आर्थिक प्रगति का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शासन तुष्टिकरण का शासन था जबकि एनडीए का शासन संतुष्टीकरण का है। यूं तो मोदी के भाषण में कुछ भी नया नहीं था। कांग्रेस के परिवारवाद का जो आरोप लगाते रहे हैं, उसकी ही पुनर्पुष्टि थी। विशेष बात यह थी कि उनके प्रभावी वक्तव्य के आगे कांग्रेस की निरीहता ही उजागर हो रही थी। अगर कांग्रेस का गांधी परिवार की पृष्ठभूमि और उसके गौरवशाली अतीत का मूल्यांकन करें तो मोदी का प्रहार कहीं से भी अतिवादी प्रतीत नहीं होता है। कल्पना करिए कि अगर सोनिया गांधी राजीव गांधी की पत्नी और इंदिरा गांधी की बहू नहीं होती तो क्या सचमुच में उनमें वह राजनीतिक क्षमता और भारतीय समाज को समझने की प्रतिभा थी कि वह कांग्रेस जैसी विशाल पार्टी की अध्यक्ष बनती। उससे आगे क्या राहुल गांधी सचमुच उतने क्षमतावान राजनीतिज्ञ हैं, जितना कांग्रेस के शीर्ष नेता के रूप में अथवा विपक्षी दल के रूप में होना चाहिए। जाहिर है उनकी हैसियत परिवार प्रदत्त हैसियत है जो प्रायः कांग्रेस को दुविधा में डालती रहती है। मोदी के प्रहारों से कांग्रेस तभी बच सकती है जब वह अपने भीतर गुणात्मक और रचनात्मक परिवर्तन करे अन्यथा परिवारवाद का जो हथियार मोदी के हाथ में है वह हमेशा चलता रहेगा और कांग्रेस हमेशा बैकफुट पर रहेगी।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापक और न्यायकारी ईश्वर

ईश्वर का दंड एवं उपहार दोनों असाधारण हैं। इसलिए आस्तिक को सदा ध्यान रहेगा कि दंड से बचा जाए और उपहार प्राप्त किया जाए।

यह प्रयोजन छुटपुट पूजा-अर्चना, जप-ध्यान से पूरा नहीं हो सकता। यह भावनाओं और क्रियाओं को उत्कृष्टता के सांचे में ढालने से ही पूरा होता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता। अपना गुणगान करने वाले के साथ यदि वह पक्षपात करने लगे, तब उसकी न्याय व्यवस्था का कोई मूल्य न रहेगा, सृष्टि की सारी व्यवस्था ही गड़बड़ा जाएगी। सबको अनुशासन में रखने वाला परमेर स्वयं नियम व्यवस्था में बंधा है। यदि वह उच्छृंखलता व अव्यवस्था बरतेगा तो फिर उसकी सृष्टि में पूरी तरह अंधेरा फैल जाएगा। फिर कोई उसे न तो न्यायकारी कहेगा और न समदर्शी। भगवान को हम सर्वव्यापक व न्यायकारी समझकर ईश्वर के दंड से डरें। उसका भक्त वत्सल ही नहीं, रौद्र रूप भी है, जो रुग्ण, मूक, बधिर, अंध, अपंगों की दशा देखकर सहज समझा जा सकता है। केवल बंशी बजाने वाले और रास रचाने वाले ईश्वर का ही ध्यान न रखें। उसका एक त्रिशूलधारी रूप भी है, जो दुरात्माओं का दमन व मर्दन करता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर को भी भक्त-अभक्त, प्रशंसक-निंदक का भेद किए बिना व्यक्ति के शुभ-अशुभ कर्मो का दंड या पुरस्कार देना होता है। उपासना का उद्देश्य ईश्वर से अनुचित पक्षपात करना नहीं होना चाहिए। वह हमें सत्प्रवृत्तियों में संलग रहने और सत्पथ से विचलित न होने की दृढ़ता प्रदान करे। यही ईश्वर की कृपा का सर्वश्रेष्ठ चिह्न है।

आस्तिक या नास्तिक की पहचान तिलक, जनेऊ, कंठी, माला आदि के आधार पर नहीं, वरन भावनात्मक व क्रियात्मक गतिविधियों को देखकर ही होती है। आस्तिक की मान्यता प्राणिमात्र में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। इसलिए उसे हर प्राणी के साथ उदारता, आत्मीयता व सेवा सहायता भरा व्यवहार करना पड़ता है। भक्ति का अर्थ है- प्रेम। जो प्रेमी है, वह अपने क्रियतम को सर्वव्यापक देखेगा और सभी से सौम्यतापूर्ण व्यवहार कर भक्ति भावना का परिचय देगा। ईश्वर दर्शन का यही रूप है। हर चर-अचर में छिपे परमात्मा को जो अपनी ज्ञान दृष्टि से देख सका और तदनुरूप कर्त्तव्य निर्धारण कर सका, मानना चाहिए, उसे ईश्वर दर्शन का लाभ मिल गया। अपने में परमेर और परमेर में अपने को देखने की दिव्य दृष्टि जिसे मिल गई, समझो उसने पूर्णता का जीवन लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

अवैध प्रवासियों की बेहूदा तरीके से वापसी जुड़े सवाल

ललित गर्ग

डंकी रूट यानी गैरकानूनी तरीके से अमेरिका गये करीब 200 भारतीयों को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जिस असुविधा एवं अपमानजनक तरीके से अपने सैनिक विमान से बलपूर्वक भारत भेजा है, उससे अनेक प्रश्न खड़े हुए हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में आए अवैध प्रवासियों को बेहूदा तरीके से खदेड़ा जाना विडम्बनापूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मानव अधिकारों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने जिस तरीके से विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई की है, उस पर अनेक देशों ने आपत्ति जताई है। भले ही भारत ने इसे मुद्दा बनाने से परहेज करते हुए राजनीतिक कूटनीति की दृष्टि से ठीक किया हो, लेकिन भारत लौटे अप्रवासियों की चिन्ता एवं दर्द को समझना भारत-सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। सुनहरे सपनों की आस में जीवनभर की पूंजी दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये लुटाकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता एवं विदेश नीति की नाकामी तो है ही, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ ऐसा व्यवहार अमेरिका के अहंकारी एवं संकीर्णतावादी सोच को भी दर्शा रहा है। अवैध प्रवासियों की उचित तरीकों से पहचान कर उन्हें उनके देशों को वापस भेजा जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। भारत का इस मामले में शुरू से सहयोगात्मक रुख रहा है। लेकिन एक जायज सवाल वापसी के तौर-तरीके को लेकर उठना असंगत नहीं कहा जा सकता है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई अवैध प्रवासी भारतीयों की निर्वासन उड़ान विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने के प्रयास को गलत नहीं कहा जा सकता। गलत तरीकों से अमेरिका में आये लोगों को उनके देश का रास्ता दिखाना भी गलत नहीं कहा जासकता, लेकिन जिस तौर-तरीके से यह कार्रवाई की गयी है, उस पर प्रश्न टंकने स्वाभाविक है। हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब अवैध प्रवासी भारतीय वापस भेजे गए हों। लेकिन इस बार कई ऐसी बातें हैं, जो इसे अतीत की ऐसी घटनाओं से अलग एवं चर्चा का विषय बनाती हैं। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास करते हुए ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही हटी, अहंकारी एवं तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने से दोनों देशों के संबंधों के आहत होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि कुछ हजार कर्मियों की भर्ती के लिये लाखों से भी अधिक युवा-प्रार्थी आवेदन करते हैं। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों, परेशानियों, अपमान एवं कानूनी भय की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। इस तरह होने वाली कमाई से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीयों का विदेशों में बढ़ता पलायन और विशेषतः डंकी रूट से विदेश जाने की होड भारत के विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह सरकार की विफलता ही है कि वह अपने युवाओं को उचित नौकरी नहीं दे पा रही है। इसी कारण अमेरिका जैसे देशों में भारतीय युवा अपने सपनों को पूरा होते हुए देखते है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। भारत इस तथ्य को समझता है कि मूल मसला इन अवैध प्रवासियों का वापस आना नहीं बल्कि उनका यह मान लेना है कि इस देश में उनका कोई भविष्य नहीं है। तभी तो वे अपनी जमा-पूंजी गंवाकर और जान का जोखिम मोल लेकर भी अमेरिका-कनाडा जैसे देशों का रुख करते हैं। ध्यान रहे, वैध तरीकों से अमेरिका पहुंचे और वहां रह रहे भारतीयों ने मेहनत और प्रतिभा-कौशल के बल पर अपनी अच्छी जगह बनाई है। न केवल अपनी जगह बनाई बल्कि अमेरिका के विकास में योगभूत बने हैं। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। यही कारण है कि दो साल पहले वहां एक भारतीय परिवार की औसत आमदनी की तुलना में एक लैटिन अमेरिकी परिवार की औसत आमदनी काफी कम रही है। यही कारण है कि इस बार के अमेरिकी चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा भी बना था और राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डॉनल्ड ट्रंप इस मसले को रेखांकित भी किया, इस वजह से अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय की छवि भी प्रभावित हुई है।

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं।

गिग वर्कर्सः इनके बारे में भी सोचना होगा

कुमार समीर

भारतीय कामगारों का वर्किंग कल्चर, स्टाइल, काम करने के घंटे हमेशा से बहस का मुद्दा रहे हैं। इस कड़ी में स्किल्ड, अन-स्किल्ड को केंद्र में रखकर विभेद की भी बात सामने आती रहती हैं। हाल में जारी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट भी इस बात की तस्दीक करती है। काम के घंटे को लेकर कुछ दिनों पहले काफी विवाद देखा गया।

इससे इतर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की हाल में जारी कैब चालक-डिलीवरी ब्वाय जैसे कामगारों (गिग वर्कर्स) की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में साफ साफ शब्दों में माना गया है कि गिग वर्कर्स यानी ऐप आधारित कैब चालक, डिलीवरी ब्वाय या इसी तरह का अन्य काम करने वाले 83 फीसद कामगार रोजाना चुनौतियों का सामना करते हुए औसतन दस घंटे से भी अधिक काम कर रहे हैं। नतीजतन इन कामगारों को न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में टारगेट डिलीवरी को खतरनाक माना गया है और कहा गया है कि गिग वर्कर्स को एक निश्चित समयावधि में समान की डिलीवरी करनी होती है। समय पर टारगेट पूरा नहीं होने से शारीरिक, मानसिक रूप से तनाव बढ़ता है। रिपोर्ट में गिग वर्कर्स के लिए मौजूदा रेटिंग प्रणाली पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की गई है और इसे मनमानी करार देते हुए इसकी समीक्षा पर बल दिया गया है। कई बार बेहतर काम करने के बावजूद इन गिग वर्कर्स को खराब रेटिंग मिलती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इन गिग वर्कर्स की चुनौतियों को दूर करने व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए नियामक ढांचा तैयार करने और इसके जरिए लक्षित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया है। इनकी चुनौतियों में लंबे समय तक काम करना, वित्तीय तनाव और शारीरिक थकावट शामिल है। इनके लिए थोड़ी राहत वाली बात यह है कि झारखंड, कर्नाटक और राजस्थान जैसे कुछ राज्य इन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य बीमा, न्यूनतम मजदूरी, तनाव मुक्त कार्य स्थितियों से संबंधित उनकी अन्य चिंताओं को दूर करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। हालांकि केंद्र सरकार ने इस आगामी 2025-26 वित्तीय वर्ष के बजट में देश के गिग वर्कर्स जिनकी संख्या एक करोड़ से भी अधिक है, उन सभी कामगारों को पहचान देने के लिए पंजीकरण करने और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इससे उम्मीद जगी है और इसी तरह की उम्मीद कारपोरेट जगत के कामगारों में जगाने की जरूरत है क्योंकि यहां के कर्मचारी भी जबरदस्त तनाव में रहते हैं। ये लोग औसतन दस घंटे से कहीं अधिक समय तक काम करने को मजबूर हैं। इनके नारायण मूर्ति, एस.एन. सुब्रमण्यम जैसे मालिकानों की सोच बदलनी होगी और उन्हें अहसास दिलाना होगा कि उनकी इस तरह की सोच, नजरिया से न तो उनका और ना ही कामगारों का भला होने वाला है। आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के दौर में जब दुनिया बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के खतरे को महसूस कर रही है, तब काम के घंटे बढ़ाने के कारण देश में और भी बेरोजगारी बढ़ेगी, यह तय है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि अर्थनीति की दिशा बदली जाए काम के घंटे घटाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया जाए और रोजगार को संवैधानिक अधिकार बनाकर राज्य की जिम्मेदारी तय की जाए कि वह नौजवानों के लिए रोजगार/नौकरी को सुनिश्चित करे।

स्वीडन ने छह घंटे कार्यदिवस की नीति अपनाई, जिससे कर्मचारियों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर हुई। जर्मनी ने भी कार्य घंटों को सीमित कर कर्मचारियों को दक्षता और कुशलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि कार्य घंटों को घटाने से कर्मचारियों की संतुष्टि और उत्पादकता दोनों में सुधार होता है, जो संगठनों की दीर्घकालिक प्रगति के लिए भी फायदेमंद है। भारत में इस दिशा में सुधार के लिए व्यापक नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है।

श्रम कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए, ताकि कार्यदिवस के घंटे तय हों और कंपनियां इन नियमों का सख्ती से पालन करें। 'स्मार्ट वर्क' के विचार को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे कर्मचारी अपनी दक्षता और तकनीकी उपकरणों का उपयोग करते हुए कम समय में बेहतर परिणाम दे सकें। अंततः संगठनों को यह समझना होगा कि उत्पादकता केवल काम के घंटों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह कर्मचारियों की प्रेरणा, कौशल-सम्मान और प्रोत्साहन पर आधारित होती है। कर्मचारियों को बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित करना और उनकी क्षमताओं का सही आकलन करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। संतुलित कार्यसंस्कृति न केवल कर्मचारियों को संतुष्टि प्रदान करती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और समर्पण को भी बढ़ाती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A nexus that left the police red-faced

I was surprised to receive a book written by Maharashtra's former Home Minister Anil Deshmukh. I had heard tales of how transfers of police personnel at all levels were effected through political pressure during his tenure. He faced stiff competition from an IPS officer (now retired), Param Bir Singh. The good name of the Mumbai city police came under threat while they were in office.

The Maha Vikas Aghadi (MVA) — comprising the Uddhav Thackeray-led Shiv Sena, the Nationalist Congress Party (NCP-Sharad Pawar) and the Congress — ruled Maharashtra from November 2019 to June 2022. The ruling alliance chose a wrong man as the Commissioner of Police (CP), Mumbai. Simultaneously, Pawar picked Deshmukh as the minister supervising the working of the police force. It was a deadly combination that was bound to cause an explosion sooner than later. And it did.

On February 25, 2021, a Scorpio car, laden with 20 gelatin sticks — but mercifully without a detonator — was found parked near Mukesh Ambani's residence (Antilia) on Altamount Road, an upmarket residential area of the city. The car was traced to Mansukh Hiren, a friend of then CP Param Bir's 'blue-eyed boy' Sachin Vaze, who was an assistant police inspector (API) in the Crime Branch. It was established by the Anti-Terrorism Squad (ATS) of the state police and the National Investigation Agency (NIA) that Vaze had been seen in that Scorpio on earlier occasions.Another car, an Innova, belonging to the Crime Branch, was specially allotted to Vaze. That was also seen in the vicinity of the Ambani house at the same time. It was apparent that the Crime Branch's intelligence unit, headed by Vaze, was involved in the planting of the Scorpio outside Ambani's home for reasons that remain undisclosed to this date.Vaze had been suspended as he was facing a murder charge. His visiting cards projected him as an 'encounter specialist'; his associates in the private security business used to distribute these cards among potential customers. Vaze had served under inspector Pradeep Sharma, the doyen of 'encounter specialists', in the early years of his service in the police. Sharma and Vaze were in touch with each other and also with the IPS officer who has been targeted by Deshmukh in his book, Diary of a Home Minister.The officer had been the CP of the neighbouring city of Thane. His image in the eyes of Thane's residents left much to be desired. His image in the eyes of his own men, whom he was chosen to lead, was even worse.This officer had tried desperately for the Mumbai police chief's post when his tenure as the Thane CP ended. Two excellent officers, DD Padsalgikar and SK Jaiswal, were sent back from Central deputation. The BJP-led Central Government had correctly assessed the risk of installing a wrong man as the chief of the Mumbai Police.When the MVA government was sworn in and the Home portfolio was allotted to the NCP, Mumbai residents were saddled with a choice that puzzled them. How did the appointee avoid the eagle eye of Pawar? The officer himself let it be known that Pawar had interviewed him and advised him to not let down a much-respected force and sully its good name.Deshmukh's account of his post-Antilia relations with the CP is a defence of himself in the case registered against him by the CBI and then the NIA on the allegations made by his friend-turned-foe after the latter was removed from the top post. The minister was accused by the CP of summoning Vaze and demandingRs 100 crore a month as his share of the illegal collections that Vaze was reportedly making from bar owners and others.The former Home Minister does not explain in his book why and how the CP was chosen. He must answer that question because the decline in the police's performance began from there. Further, he does not explain why he, as Home Minister, did not object to the reinstatement of Vaze in service despite the latter facing a murder charge. He also does not explain how a hands-on minister like him did not advise the CP to follow protocol procedures and.

Exhuming the past is fraught with perils

Social and political contradictions of Maharashtra should not be allowed to cast a shadow on other states.

THe Sangh Parivar's entrenched belief in India suffering a thousand years of slavery is now articulated by the BJP-led government at home and abroad. External Affairs Minister S Jaishankar mentioned it at the United Nations when, in his address to the General Assembly in 2022, he said, "Indians are rejuvenating a society pillaged by centuries of foreign rule and colonialism."

Prime Minister Narendra Modi, addressing the nation on Independence Day in 2023, spoke of how a small invasion led to the national enslavement of a thousand years. The problem with this thought process is that it carries the danger of opening social fissures today, unintended but with dangerous consequences, nevertheless. An example of a potentially fissiparous phenomenon was witnessed in Haryana last month.

This newspaper reported that on January 14, the anniversary of the Third Battle of Panipat, Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis visited Kala Amb, the Panipat monument dedicated to the Peshwa generals, including Maratha commander Sadashivrao Bhau, and their soldiers who fell unsuccessfully fighting Afghan ruler Ahmed Shah Abdali in Kala Amb. Accompanied by other Maharashtra politicians, including some who are Ministers of State in the Union Government, Fadnavis said, "The historical land of Panipat gives the message of bravery and unity. From here, the Marathas got the formula to live in unity, and after this, they established Hind Swaraj." He further went on to add significant words, "If any other king had come forward to help the Marathas, Abdali would have been defeated.Peshwai-supportive historians have always complained that local rulers let them down, enabling Abdali to defeat the Sadashivrao-led army. However, this is not what the Haryana Government claims. Writing about Kala Amb, its Tourism Department website states, "The Marathas came to North India with a belief of changing Indian polity forever. Like Ibrahim Lodhi, the Marathas were guilty of antagonising all potential friends and allies as well." Thus, the Haryana Government's version is directly opposite to what Fadnavis lamented and what Peshwai historians believe. While the state government compares the conduct of Peshwa-led army generals to Lodhi, who was defeated by Babur in 1526, the Maharashtrian memory of the months prior to the 1761 battle is entirely different. The ruling BJP cannot claim that the Tourism Department formulation reflects the views of the earlier Congress government as the saffron party has been in power in Haryana since 2014.

If, as the Sangh Parivar and the BJP government hold, India suffered a thousand years of slavery, it logically follows that those who opposed it were heroes. Thus, Shivaji is being projected as a hero who successfully resisted Mughal power and his statues are being erected beyond Maharashtra. There is no doubt that Shivaji is an authentic Indian hero because he resisted imperial arrogance and established a polity where he sought to give justice to all.Similarly, Maharana Pratap's memory is honoured as the one who suffered the greatest hardships but never gave in to the Mughals. The memory of many others who fought and sacrificed against imperial injustice is also now being recalled. While, at one level, there can be no objection to this, the question is: What should be the approach towards those who did not resist the Afghans and the Mughals or even collaborated with them? The Kala Amb example vividly illustrates the predicament. Exhuming the past is fraught with dangers, especially now when social groups are getting so testy about their identity and when new identities are being forged as those of the Ror-Marathas.

Over the past few decades, some scholars have asserted that after Sadashivrao's defeat, about 500 soldiers of the Peshwa army hid in the forests around Panipat and they stayed on in the area. Many among the Ror-Marathas, who are aseven lakh-strong community, believe they are descendants of these soldiers. They celebrate the valour of the Peshwa army in fighting Ahmed Shah Abdali's forces and have also formed groups to organise events commemorating the Third Battle of Panipat. There are other organisations in Haryana who honour the valour of those who opposed foreign invaders, but their focus seems to be more general in nature. It may be mentioned that till recently, it was held that a number of members of Sadashivrao's army fled to the Kumaon hills and some families settled there believe in their Maharashtrian descent.It would be futile to seek to impress on the Sangh Parivar ideologues the social dangers of exhuming the past; that it may, instead of consolidating Hindus bring to the surface questions that are best left buried. Our present times are so ideologically contentious and the focus is so much on the communal divide that other gaps, which have the potential of widening into chasms, are ignored. Yet, group identities are being sharpened. It would be unwise to add a dimension of who opposed the thousand years of slavery and who compromised with it as an ingredient of these identities.

Finally, the social and political contradictions of Maharashtra should not be allowed to cast a shadow on other states and regions.

Off the field

SC warns against political meddling in sports

The Supreme Court's censure on Tuesday of the politicisation of sports administration in the country strikes at the heart of a festering problem. By directing the Centre to ensure the participation of the women's kabaddi team at the Senior Asian Championship in Iran, the court laid bare the tangled web of political and bureaucratic interference strangling Indian sports bodies. The Amateur Kabaddi Federation of India's disaffiliation from the International Kabaddi Federation is emblematic of this rot, leaving athletes in limbo despite their potential to bring home glory.

This isn't an isolated incident. The Wrestling Federation of India's (WFI) quiet return to the residence of former president Brij Bhushan Sharan Singh — facing sexual harassment charges — exposes how entrenched political figures maintain a vice-like grip over sports federations. Singh's protégés continue to helm the WFI, underscoring how elections are mere formalities and serve to reinforce political influence rather than foster genuine leadership. Even the Supreme Court's intervention in the grave matter isn't new. In 2016, it had advised the BCCI to keep politicians at bay, yet the board remains tightly bound to political heavyweights like Jay Shah, son of Home Minister Amit Shah. The sad irony is that while politicians tout their contributions to sports through initiatives like Khelo India, their presence often hampers the democratic functioning of sports bodies and the autonomy of athletes.

hletes deserve administrators who understand the demands of the field, not bureaucrats and politicians exploiting sports for clout. It's time for meaningful reform, ensuring that sports bodies are led by those with a genuine passion for athletics. The apex court's intervention must serve as a clarion call: let sports be for the sportspersons, not a political playground.

How Zhou Enlai debased himself for political survival

A man of extraordinary talent, Zhou would have been an outstanding leader had he served a different regime.

Among the architects of Chinese communism, Zhou Enlai's role in the 1949 revolution and the establishment of the new totalitarian regime was arguably second only to that of Mao Zedong.Zhou influenced each stage of the Chinese Revolution: from the bloody battles for survival waged against the Kuomintang (Nationalist) government in the late 1920s and the mid-1930s to the Second Sino-Japanese War (1937-45), and throughout the Maoist era (1949-76), during which he served as China's Premier.But despite his long and illustrious political career, Zhou's true character has remained shrouded in a thick mist of official propaganda. His public image, even in the West, is that of a selfless, gracious intellectual whose unmatched administrative skills were indispensable to building Chinese socialism under harsh conditions. This portrayal, of course, aligns closely with what the Communist Party of China (CPC) wants the Chinese people to believe — even today.

In some ways, Zhou's legacy has fared better than Mao's in the decades since their deaths. After all, the enormity of Mao's crimes against the Chinese people has made it impossible for the CPC to portray him as an infallible leader. The most generous assessment of Mao, offered by his successor Deng Xiaoping in the early 1980s, was that Mao's actions were "70% good and 30% bad".

By contrast, the CPC has had no difficulty portraying Zhou as a political giant untainted by the Maoist regime's treachery, brutality and insanity.While China's rulers have strong incentives to preserve Zhou's image as one of modern history's most virtuous public servants, Chen Jian apparently had a different objective: to uncover the real Zhou. After years of painstaking research, Chen, a history professor at NYU Shanghai, has succeeded in filling many gaps in our understanding of China's longest-serving Premier, who miraculously survived Mao's relentless purges and political witch hunts.To be sure, Chen faced a daunting task. Most of the records that could shed light on Zhou's role in the major decisions that shaped the Maoist era — from the Anti-Rightist Movement and the Great Leap Forward to the launch of the Cultural Revolution, the Lin Biao Incident, and the Sino-American rapprochement — remain off-limits. Some of the most sensitive documents — including Zhou's "self-criticisms" from the Mao-orchestrated campaign against him, launched while Zhou was dying of cancer — were turned over to his widow and most likely destroyed.Although their initial encounter was tense — largely because Mao suspected Zhou of conspiring with other Communist leaders who resented Mao's arrogance and ambition — the two became allies during the legendary Long March, when the Chinese Red Army evaded Chiang's Nationalist forces. At a key meeting in December 1934, Zhou threw his support behind Mao, who had been sidelined after losing an earlier power struggle in Jiangxi. Zhou's machinations enabled Mao to rejoin the party's leadership ranks.

The critical role Zhou played in Mao's rise to power earned him no gratitude. Instead, over the next four decades, Mao rarely missed an opportunity to remind Zhou of his subordinate status, treating him as a loyal but guilt-ridden underling. His preferred method for keeping rivals in check was to compel them to perform "self-criticisms", publicly confessing their "mistakes and crimes" against the party. To consolidate power, Mao launched the so-called Rectification Campaign, the first in a series of political purges aimed at intimidating fellow revolutionary leaders and eliminating those he perceived as potential threats.Zhou's high profile made him an ideal target for Mao's witch hunt. In a humiliating display of self-abasement, Zhou was forced to speak before the Politburo for five days, denouncing himself for "crimes and mistakes" dating back to his time in Jiangxi. Needless to say, records of Zhou's "confessions" were kept by the party and Mao, presumably as leverage to be used against him if necessary.In addition to his unquestioning compliance with Mao's wishes, Zhou possessed another valuable survival skill: an uncanny ability to read the tyrant's moods and intentions. This talent enabled him to offer advice and promote policies that aligned with Mao's primary objectives while steering him away from potential disasters. Although he could never openly contradict the Chairman, Zhou knew he could make himself truly indispensable by helping Mao achieve certain goals without needlessly jeopardising the regime's existence — his ultimate security guarantee.

But Zhou underestimated Mao's paranoia and capacity for gratuitous cruelty. When Zhou was diagnosed with early-stage bladder cancer in May 1972, Mao explicitly prohibited surgery and ordered that neither Zhou nor his wife be informed of the diagnosis. This interference led to extended delays in Zhou's surgery, likely contributing to the rapid deterioration in his health and eventual death less than four years later.Mao's sadistic campaign against Zhou did not let up even as the latter's health deteriorated. In 1973, Mao fabricated what became known as the "Zhou-Kissinger scandal." On a visit to Beijing, US National Security Adviser Henry Kissinger offered China favourable terms to advance strategic cooperation. Probably envious of the credit his Premier was receiving for the Sino-American rapprochement, Mao accused Zhou of being "too soft."

By the end of his life, Zhou was physically and psychologically broken. In one of his final letters to Mao, written in June 1975, Zhou again denounced himself in a desperate show of loyalty.

Through his reconstruction of Zhou's tragic life, Chen reveals the dehumanising nature of politics under a totalitarian dictatorship. A man of extraordinary talent, Zhou would have been an outstanding leader had he served a different regime. But within a system ruled by a violent megalomaniac dictator, Zhou had to engage in an endless series of self-debasing public rituals, sacrificing every shred of personal dignity for the sake of political survival. Given Zhou's docile response to Mao's cruelty in his final years, it is difficult not to conclude that the late Premier thought it was worth the cost.

Will This Metal Rival Gold In The Next 10 Years?

New Delhi . In India, the consumption of zinc, used in metals like brass, silver, and aluminium, is increasing rapidly. The International Zinc Association (IZA) has estimated an increase in zinc consumption in India from 1.1 million tonnes to 2 million tonnes in the next 10 years.Speaking at Zinc College 2024, IZA Executive Director Andrew Green said, "The consumption and demand of zinc in India is 1.1 million tonnes. This is more than the current production in India. It is likely to reach 2 million tonnes in the next 10 years. The special thing about it is that the consumption of zinc is many times higher than that of gold." It is noteworthy that the consumption of gold in India is more than 700 tonnes every year.

The global zinc market, in terms of primary production, is 13.5 million tonnes per year, said Andrew Green. Importantly, when we look at the per capita consumption of zinc, the global average is four to five times higher than the consumption in India.The IZA Executive Director said that there are many areas where the use of zinc needs to be increased to meet global standards. In the global automation industry, 90 to 95 per cent of steel is galvanised.

Sebi Bans Finfluencer Asmita Patel, 5 Others From Market, Impound Illegal Gains Of Over Rs 53 Crore

NEW DELHI. Markets regulator Sebi has banned six entities, including Asmita Patel Global School and fin-influencer Asmita Patel, from the capital markets for alleged unregistered investment advisory services and directed to disgorge over Rs 53 crore collected as fees course participants for various courses.Sebi through an interim order cum show cause notice passed on Thursday prohibited six entities, including Asmita Patel Global School of Trading Pvt Ltd (APGSOT), Asmita Jitesh Patel, Jitesh Jethalal Patel, King Traders, Gemini Enterprise and United Enterprises, from the capital market.

The Securities and Exchange Board of India (Sebi) has also asked the six entities to explain why another Rs 104.63 crore should not be collected as fees for various programmes and should not be seized as well, according to a Sebi order.The case pertains to individuals enrolling in trading courses provided by Asmita Patel Global School Of Trading. The Sebi order said that they were misled by exaggerated promises of profits and forced into paying high fees for minimal or ineffective trading education.YouTuber and financial influencer Asmita Patel portrays herself as the 'She Wolf of the stock market' and the 'options queen' and claimed to have mentored over one lakh students/investors/participants worldwide. As per the complainants, she (Asmita) has assets to the tune of Rs 140 crore using her proprietary system.

The regulator noted that each entity has played specific roles at various stages which have prima facie, been found to violate Sebi's rules.Further, Sebi revealed that, prima facie APGSOT along with the Asmita and Jitesh devised a scheme wherein students/investors/participants were lured to trade in specific stocks and told to open a trading account with ABC Ltd.Recommendations of buy/sell of specific securities were provided and uploaded on telegram channels owned by APGSOT. The acts of the entity make it evident that it was providing investment advice/ research analyst services to students/investors/participants for consideration in the pretext of imparting education, the 129-page order said.

2-Day Nationwide Bank Strike In March 2025; Dates Are...

NEW DELHI. Bank unions have given a two-day nationwide strike call beginning March 24 to press for their various demands, including a 5-day work week and adequate recruitment in all cadres.The strike call given by United Forum of Bank Unions (UFBU), an umbrella organisation of 9 bank employees association, is also pitched for filling up the post of workmen/officer directors in public sector banks.

Besides, the UFBU has demanded immediate withdrawal of the recent directives of the Department

of Financial Services (DFS) on performance review and performance-linked incentives, which threaten job security and create division amongst employees.

The UFBU alleged that micro-management of PSBs on policy matters by the DFS undermined the autonomy of respective boards.It also demanded resolution of residual issues pending with Indian Banks' Association (IBA) and for amending Gratuity Act to increase the ceiling to Rs 25 lakh on the lines of scheme for government employees along with exemption from income tax.Members of UFBU include All India Bank Employees Association (AIBEA), All India Bank Officers' Confederation (AIBOC), National Confederation of Bank Employees (NCBE), All India Bank Officers' Association (AIBOA) and Bank Employees Confederation of India (BEFI).AIBOC has decided to change the strike dates aligning with the dates as decided by UFBU being one of the major constituents of UFBU, its general secretary Rupam Roy said.Earlier, AIBOC had threatened to go on a two-day nationwide strike on February 24–25, 2025.

'India not tariff king; Customs not major rev source'

Pandey said out of 8,562 tariff lines, 6,500 are below 10%, 7,600 are below 15% and 8,400 tariff lines are below 20%.

NEW DELHI. With the US import tariff hike looming large, India has said it is not a tariff king. In a recent interaction with TNIE, finance and revenue secretary Tuhin Kanta Pandey said with a 'fairly comprehensive exercise' to rationalise import duties, India can't be termed as tariff king as US president Donald Trump had referred India in his election campaigns.Pandey said out of 8,562 tariff lines, 6,500 are below 10%, 7,600 are below 15% and 8,400 tariff lines are below 20%. "There are 216 tariff lines currently that have 0% duty, we have changed it to 260 (in budget)," says Pandey, who was inducted to the revenue department 20 days before the budget from the Department of Investment and Public Asset Management (DIPAM).

"We want people to know that this is a comprehensive exercise and wherever some outliers were there, we have taken them off. We have removed rates of 125%, 150% and 100% under industrial goods. We have one rate at high level and that's 70% on only very few items. We have removed 40%, 35%, 30% and 25% and brought them down to 20%," he says responding to a question on possible measures taken by India to avoid any tariff action by the Trump administration in the US.He says the government is not looking at Customs duty as a major source of revenue. "We have assumed a growth of 2% (in customs duty collection in FY26). That means it is less than inflation and much lower than nominal GDP growth rate of 10.1%," says the revenue secretary. The government has estimated Rs 2.40 lakh crore from Customs duty in FY26, up from Rs 2.35 lakh crore revised estimate in FY25.Pandey said despite a drastic cut in income tax rates, the government is confident of a 14.4% growth in collection. He says the government has moderated income tax collections."We saw a growth of over 20% in last three years (income tax). This year, we have assumed a 14% growth, which is a buoyancy of 1.4," he says adding that the government expects taxpayers to avail voluntary compliances scheme and pay right taxes. He says the government collected Rs 8,000 more from 90 lakh taxpayers in current financial year by letting them file updated returns. He expects a similar trend in the current financial year.

Cabinet approves Income Tax Bill

New Delhi: The Cabinet on Friday approved the Income Tax Bill, which will be introduced in parliament next week. The bill is a major exercise in making the income tax rules simpler and comprehensible. "You can expect simplicity, consistency and direct speech. This law will be written differently.

What we are saying is that a law which has been amended over 4,000 times, and has a lot of redundant provisions, can have a simpler rules, which even a salaried taxpayer can read and figure out what are his tax liabilities," says revenue secretary Tuhin Kanta Pandey, adding that worldwide there is a new way of writing laws which are more direct and clearer. He clarified that there are no surprises in terms of tax structure, which he says would not be different from what the finance minister has already announced.

SC extends Burmans' open offer, directs Gaekwad to deposit Rs 600 cr

NEW DELHI. In what could be a possible setback for the Burman family, the Supreme Court on Friday extended their (Burmans) open offer to acquire an additional 26% stake in Religare Enterprises (REL) to February 12.The apex court directed the US-based investor Danny Gaekwad to deposit Rs 600 crore in cash or as a bank guarantee by then.

In case the Rs 600 crore is deposited by Gaekwad, then the extension of the open offer will continue till the market regulator takes its decision on Gaekwad's competing offer, the top court said. If Gaekwad fails to comply, the open offer by the Burmans will proceed as planned.

In a surprise development last month, Florida-based businessman Danny Gaekwad made a counter offer in cash for REL at Rs 275 a share as against Rs 235 apiece made by the Burman Family of the FMCG major Dabur group. The open offer came in the backdrop of an ongoing tussle between the current executive chairperson of REL -Rashmi Saluja - and the Burmans.

The Court has directed India's capital market regulator - the Securities and Exchange Board of India (SEBI) - to consider the applications by Gaekwad for the takeover of REL. SEBI had earlier returned Gaekwad's offer saying that it was time-barred. Following this, he questioned the validity of this rejection in court.

The Supreme Court took a strong stance against SEBI, remarking that the offer price should reflect current market conditions rather than a valuation from 2023.Four Burman family companies on September 2023 made an open offer to acquire a 26% additional stake in Religare for Rs 2,116 crore. The Burmans family is targeting to acquire up to 90,042,541 shares at Rs 235 each. On Friday, the shares of REL settled 5% higher at Rs 253.50 apiece.

The Top Court was hearing two petitions—one filed by Gaekwad and another by minority shareholders of REL—seeking a stay on the company's 40th Annual General Meeting (AGM), which was scheduled for Friday. The apex court refused to halt the AGM, which was set to discuss the Burman family's open offer and consider replacing Saluja with a new director.

Meta plans to lay off 'lowest performance' staff next week, internal memo reveals

NEW DELHI. Facebook owner Meta Platforms META.O plans to carry out its expected company-wide layoffs next week while pushing ahead with the expedited hiring of machine learning engineers, it told staffers in internal memos seen by Reuters on Friday.Notices will go out to employees losing their jobs starting at 5 am local time on Monday in most countries, including in the US, according to one of the posts, authored by Meta's Head of People Janelle

Gale.Employees in Germany, France, Italy and the Netherlands will be exempt from the cuts "due to local regulations," while those in more than a dozen other countries across Europe, Asia and Africa will receive their notifications between February 11 and February 18, it said.A Meta spokesperson declined to comment on the posts.The company confirmed last month that it was planning to trim about 5% of its "lowest performers" and backfill at least some of the positions. The Friday memo, in which Gale referred to the cuts as "performance terminations," was first reported by The Information.Unlike with previous company-wide layoffs, Meta was planning to keep its offices open on Monday and would not issue any updates providing further details on the decisions, Gale said in her post.A separate memo, posted by VP of Engineering for Monetization Peng Fan also on Friday, asked staffers to assist with an expedited hiring process for machine learning engineers and other "business critical" engineering roles.That process would take place between February 11 and March 13, Fan said in that post."Thank you for your continued support in helping us achieve our accelerated hiring goals, and better align with our company's priorities for 2025."

New Income Tax Bill Set To Be Tabled In Parliament Next Week

The bill, which was granted approval in the Cabinet meeting chaired by Prime Minister Narendra Modi on Friday, will be introduced in the Parliament next week before it is sent to the Parliament's Standing Committee on Finance.

New Delhi. Aiming to put more money in the hands of the middle class and simplify the whole filing process, the new Income Tax Bill is set to be tabled in the Parliament next week after receiving approval from the Union Cabinet. The bill, which was granted approval in the Cabinet meeting chaired by Prime Minister Narendra Modi on Friday, will be introduced in the Parliament next week before it is sent to the Parliament's Standing Committee on Finance.

Before the Income Tax Bill was cleared by the Cabinet, people in the know said that the legislation would likely provide directions to widen the tax net, given the contraction in the tax base following the exemption limit being raised to Rs 12 lakh in the Union Budget.The current Income Tax Act was enforced in the country in 1961 and now, the new Income Tax Act is being made according to the needs of the 21st century to replace the existing law, according to sources close to the development.A review committee was formed for the new Income Tax law in the country to replace the earlier cumbersome law. According to sources, the new Income Tax Bill has been prepared by the government on the recommendation of the committee.

In this era of technology and massive digitalisation, taxpayers can perform several things online on his or her own. In such a scenario, there will be smooth changes in the new I-T Bill for the common man who can understand it seamlessly online. This is an attempt to make the system simple and convenient for common people.Along with this, the government's intention behind giving such a big relief to the taxpayers is to increase private consumption which would directly benefit the health of the economy.

Reducing Coal Imports, Boosting Domestic Production Key Focus: Minister

New Delhi. The government has reiterated that reducing coal imports and increasing domestic production is the key focus, as the coal sector remains a cornerstone of India's energy security, playing a vital role in the country's industrial and economic growth. With the fifth-largest geological coal reserves globally and as the second-largest consumer, coal continues to be an indispensable energy source, contributing to 55 per cent of the national energy mix.

Approximately 74 per cent of power generation in India relies on thermal power plants (TPPs), reaffirming the need for a robust and sustainable coal sector, said Union Minister of Coal and Mines, G Kishan Reddy. "The coal ministry is progressing in the path of achieving 'Atmanirbharta' in the sector," the minister added.

The efforts has significantly reduced reliance on imported coal. Between April and November 2024, coal imports declined by 5.35 per cent, saving approximately $3.91 billion (Rs 30,007.26 crore). Notably, coal imports for domestic power plant blending fell by 23.56 per cent.

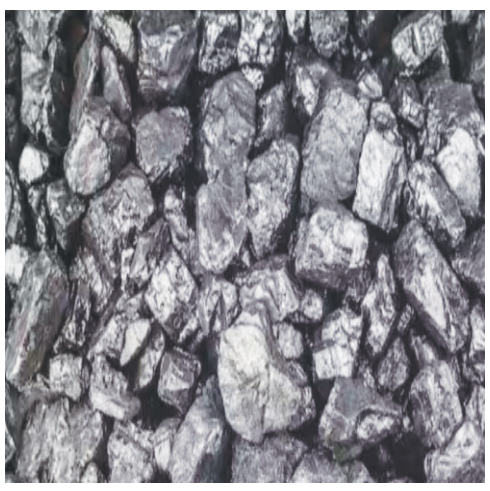

The Ministry's 'Mission Coking Coal' aims to increase domestic coking coal production to 140 MT by FY 2029-30, thereby reducing dependency on imports in the steel sector. India's coal production has reached an all-time high of 997.82 million tonnes (MT) in FY 2023-24, marking a significant rise from 609.18 MT in FY 2014-15, with a Compound Annual Growth Rate (CAGR) of 5.64 per cent over the past decade.In FY 2023-24 alone, production has surged by 11.71 per cent compared to the previous year. As of January, the Ministry of Coal has allotted 184 mines, with 65 blocks receiving Mine Opening Permissions.Total production from these blocks has reached 136.59 MT, registering a 34.20 per cent year-on-year increase. This is expected to exceed 170 MT target in FY 2024-25. Among the eight core industries, coal has exhibited the highest growth rate, recording a 5.3 per cent increase in December 2024 compared to the previous year.

Additionally, the coal sector accounts for about 50 per cent of freight revenue for Indian Railways and provides direct employment to nearly 4.78 lakh individuals, said the ministry.

India's Forex Reserves Rise For Second Consecutive Week

New Delhi. India's foreign exchange reserves extended their gains for the second straight week, after having slumped for about four months. In the week that ended on January 31, the forex kitty rose USD 1.05 billion to USD 630.607 billion, Reserve Bank of India data showed.

Barring the latest two weeks, the country's forex reserves had fallen in 15 of the past 16 weeks, hitting an about 11-month low. The forex reserves started falling since they touched an all-time high of USD 704.89 billion in September. They are now about 10 percent lower from its peak.

The decline in reserves is most likely due to RBI intervention, aimed at preventing a sharp depreciation of the Rupee.

The Indian Rupee is now at or near its all-time low against the US dollar. The latest RBI data showed that India's foreign currency assets (FCA), the largest component of forex reserves, stood at USD 537.684 billion.

Iltija Mufti claims she, mother under house arrest: Nothing's changed in Kashmir

According to reports, truck driver Waseem Majeed Mir was killed in army firing after he refused to stop at a checkpoint in Baramulla district on Wednesday night.

- Iltija and Mehbooba Mufti under house arrest
- Politicians condemn deaths of two civilians, call for probe, accountability
- Chief Minister Omar Abdullah promises inquiries into both incidents

New Delhi. People's Democratic Party (PDP) leader Iltija Mufti has claimed that she and her mother, Mehbooba Mufti, have been placed under house arrest as the latter was going to visit Sopore in Jammu and Kashmir's Baramulla district, where a civilian truck driver was killed in army firing earlier this week.

According to reports, Waseem Majeed Mir was killed in army firing after he refused to stop at a checkpoint in Baramulla district on Wednesday night. In a tweet on Saturday, Iltija Mufti said, "My mother & I both have been placed under house arrest. Our gates have been locked up because she was meant to visit Sopore where Waseem Mir was shot dead by the army."

"I intended to visit Kathua today to meet Makhan Din's family & am not being allowed to even move out. Nothing has changed in Kashmir even after elections. Now even comforting the families of victims is being criminalised," she added. Makhan Din (26), a resident of Batodi village in Kathua accused of being involved in militancy,

allegedly died of suicide on Wednesday night due to police "harassment". According to police, Makhan Din, a nephew of exfiltrated Pakistan terrorist Swar Din alias Swaru Gujjar, was associated with the group responsible for the July 2024 Badnotta army convoy attack that killed four army jawans. Iltija Mufti's tweet comes as several politicians in Jammu and Kashmir have condemned the deaths of the two men. On Friday, Hurriyat Conference chairman Mirwaiz Umar Farooq said, "The unfortunate saga of extra judicial killings and rights violations of people of J&K continues as the perpetrators are never brought to the book. This cycle will never cease until accountability is established and justice delivered."Apni Party leader Altaf Bukhari has called for a probe into the death of the truck driver "to determine the exact circumstances under which this unfortunate event occurred".Jammu and Kashmir Congress chief Tariq Hameed Karra also condemned the killing as "very fortunate and a matter of grave concern."

Meanwhile, Chief Minister Omar Abdullah announced that his government will order its own inquiries into the two deaths and also took up the matter with the Centre. "I have seen the reports of excessive use of force & harassment of Makhan Din in police custody in Billawar leading to his suicide and the death of Waseem Ahmed Malla, shot by the army under circumstances that are not entirely clear. Both these incidents are highly unfortunate and should not have happened," he tweeted.

Delhi Police arrest 5 people for providing mule bank accounts to Chinese scammers

Delhi Police's Cyber Cell has dismantled a fraud network linked to a Chinese company, arresting five in Jhansi. The accused facilitated money laundering via mule bank accounts and cryptocurrency. An 81-year-old retired Army officer was duped of Rs 15 lakh.

New Delhi. In a breakthrough against digital arrest, Delhi Police's Cyber Cell, Southwest District, has dismantled a fraud network leading to the arrest of five individuals from Uttar Pradesh's Jhansi. These individuals were found arranging mule bank accounts for a Chinese company through Telegram, facilitating the laundering of cheated money via cryptocurrency.

WHAT IS A MULE BANK ACCOUNT?

A mule bank account is a legitimate bank account used by fraudsters to transfer illegally obtained money without directly implicating themselves. Cybercriminals either create these accounts using fake identities or recruit individuals (often unaware of the full extent of the crime) to open accounts on their behalf. The stolen money is routed through multiple such accounts, making it difficult for authorities to trace the source.

In this case, the accused provided mule accounts to Chinese scammers, who used them to move defrauded money. The criminals withdrew the money, re-deposited it in another mule account, converted it into cryptocurrency (USDT), and transferred it to their Chinese handlers.

HOW AN 81-YEAR-OLD RETIRED ARMY OFFICER WAS DUPED

On December 8, 2024, 81-year-old retired Army personnel, Shri Gopal, lodged a complaint stating that he had received a call regarding a non-bailable warrant issued by a Mumbai court for money laundering. The scammers manipulated him into believing he was under investigation and placed him under WhatsApp video surveillance, falsely conducting an official inquiry.

Court 'honourably' acquits Army officer of rape, orders perjury case against woman

New Delhi. A Delhi court has "honourably" acquitted an Army Major of rape charges, holding the FIR against him was "false" and filed with ulterior motives. While ordering a case of perjury against the woman, additional sessions judge Pawan Kumar said the officer underwent the "trauma of trial" for such a heinous offence based on a "false story of rape". "A false FIR was lodged against the accused for ulterior motives, and he deserves an honourable acquittal. The accused stands honourably acquitted of the offences for which he has been facing the trial," said the court. The complainant, the officer's domestic help, resided at the servant quarters in his residence. She alleged the Army officer raped her on the intervening night of July 12-13 in 2018. It also came on record that her husband was found hanging on the same night and a probe report held it be a case of suicide.

In its judgment on January 3, the court said, "On a careful scrutiny of the facts and evidence and in the guiding light of settled legal prepositions, this court is of the view that the testimony of the prosecutrix is full of material contradictions and improvements. The prosecutrix is inconsistent in her statements throughout the investigation and trial."

The court said it would be "highly unsafe" to convict the accused, represented by advocate Bharat Chugh, based on the complainant's uncorroborated sole testimony and observed the accused, serving in the army, suffered irreparable loss to his reputation because of "false litigation". "The courts are not merely the protectors of the constitutional and legal rights of the aggrieved, rather, they act as healers to administer the panacea of justice to the aggrieved. The term aggrieved is not confined to the complainant and there may be cases where the accused can be a real sufferer," it said. The court said it took one's lifetime to build a reputation but a "few lies" could destroy it. An acquittal simpliciter (unconditional acquittal of an accused from criminal charges) could not compensate for the "agony" endured by the accused, it added. The court directed the complaint for perjury ought to be sent to a competent court.

Giant Slayer, 1st-Time MP: One Of These Leaders Could Be Delhi Chief Minister

New Delhi. Set to return to power in Delhi after a 27-year gap, the BJP, which campaigned without declaring a chief ministerial face, will now have several contenders for the post. While it could spring a surprise like it did in Rajasthan with Bhajan Lal Sharma, in Madhya Pradesh with Mohan Yadav and in Chhattisgarh with Vishnu Deo Sai, these are the chief minister probables for the BJP in the national capital:

Parvesh Verma: The son of former Delhi chief minister Sahib Singh Verma, Parvesh Verma has been a two-time MP from the West Delhi constituency. What will boost his chances is his status as a giant slayer, having defeated AAP chief and former chief minister Arvind Kejriwal from the New Delhi constituency, where he also faced off against the Congress' Sandeep Dikshit, who is the son of former Delhi chief minister Sheila Dikshit.

The firebrand leader's remarks have often sparked controversies, including during the Shaheen Bagh protests against the Citizenship Amendment Act, the National Register of Citizens and the National Population Register. Mr Verma had said the demonstrators would be cleared in an hour if the BJP came to power in the national capital. In 2022, he had also made a boycott call which appeared to be aimed at Muslims. "Wherever you see them, if you want to fix their head, if you want to set them straight, then the only cure is total boycott. Raise your hand if you agree," the then MP had said.

Virendra Sachdeva: Serving as the Delhi BJP working president since 2022 and appointed the full-time president in 2023, Virendra Sachdeva will get a lot of the credit for keeping factionalism in check and bringing the party to power in the capital for the first time since 1998. Facing an uphill task, Mr Sachdeva has always projected confidence that the BJP would form a government in Delhi. Asked who would be the chief minister after early leads showed the BJP comfortably ahead, Mr Sachdeva simply said it would be someone from the party and the central leadership would take a call.

Uttar Pradesh clears excise policy, foreign liquor to come in 60ml, 90ml bottles

The Uttar Pradesh Cabinet has approved the excise policy for 2025-26, introducing an e-lottery for liquor and cannabis shop allocations. Composite shops will merge beer and foreign liquor outlets. Smaller liquor bottles and tetra-pack packaging will be introduced.

New Delhi. The Uttar Pradesh Cabinet has approved the excise policy for the financial year 2025-26, introducing an e-lottery system for liquor and 'Bhang' (cannabis) shop allocations. The policy also includes the introduction of composite shops, merging separate beer and foreign liquor outlets into a single unit.

Chief Minister Yogi Adityanath chaired the cabinet meeting on Wednesday night, where the approval for the policy was granted. Excise Minister Nitin Agarwal said the government has introduced 90ml bottles in the regular category of foreign liquor. In the premium segment, 60ml and 90ml bottles will now be available. He also announced that country liquor, previously sold in glass bottles, will now be mandatorily packaged in tetra packs to prevent adulteration.

"For the first time in seven years, all country liquor shops, composite shops, model shops, and cannabis shops in the state will be allocated through an e-lottery system instead of the renewal process followed earlier," Agarwal told reporters on Thursday. Under the new system, an applicant can submit only one application, and no individual will be allotted more than two shops across the state.

Supreme Court lawyer petitions human rights panel over Indian deportees' treatment

A Supreme Court lawyer, Virendra Vashistha, has petitioned the NHRC over the treatment of Indian migrants deported from the US. He condemned the use of restraints during transit, calling it inhumane. He urged an investigation and government intervention.

New Delhi. A senior lawyer and member of the Supreme Court Bar Association, Virendra Vashistha, has filed a petition before the National Human Rights Commission (NHRC), expressing concern over the treatment of Indian migrants deported from the United States.

In his letter to the commission, Vashistha stated that the deportees were restrained in handcuffs and shackles and transported on a US military aircraft. Vashistha wrote, "We only use this method for dangerous criminals, which is a serious violation of fundamental human rights."

Vashistha said that the deportees remained in restraint throughout the journey, despite their only offence being illegal migration. He stated that such measures caused physical pain, psychological distress, and emotional trauma. He referred to United Nations human rights standards, which prohibit the use of force on non-violent individuals. "Placing deported individuals in handcuffs and shackles without any security threat is degrading, inhuman, and unjustified," he said.

He urged the NHRC to investigate the matter and document the experiences of those affected. He called on the Ministry of External Affairs to raise the issue with the US government and ensure accountability. He also requested that those who returned receive medical and psychological support. "Human rights organisations must take note of this to prevent such incidents in the future," he wrote. "The NHRC must intervene immediately to protect the dignity of Indian citizens. It is unacceptable to place non-violent deportees in restraints, and this must be strongly condemned," he added. On Wednesday, a US military aircraft carrying 104 deported immigrants arrived in India. The deportees included 33 from Haryana, 33 from Gujarat, 30 from Punjab, three each from Maharashtra and Uttar Pradesh, and two from Chandigarh. The returnees claimed that they were kept in handcuffs and shackles throughout the journey.

ED raids five locations in Mumbai in Eros fund diversion probe

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) conducted searches at five locations in Mumbai on Wednesday as part of an investigation into alleged fund diversion by Eros International Media Ltd and other entities linked to the Eros group. The raids were carried out under the Foreign Exchange Management Act, 1999.

During the raid, central probe agency officials seized documents related to overseas entities, immovable properties, overseas bank accounts and digital devices.The investigation follows a probe by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) into allegations that Eros and its

promoters misrepresented financial statements and siphoned funds amounting to about Rs 2,000 crore. Eros International Media Ltd is an Indian company involved in producing and distributing films. It acquires and co-produces films, distributing them across theatrical, television, and digital platforms.The probe agency has found that Eros paid about Rs 2,000 crore as content advances to certain entities between the financial years 2012-13 and 2020-21. According to officials, the company later wrote off large sums under the claim that they could not be recovered due to the Covid-19 pandemic. This was part of a balance sheet adjustment.The agency has gathered evidence suggesting that Eros inflated its financial statements by making payments for content advances, which were later diverted or returned to the company. The transactions were reportedly masked through fictitious purchases of movie rights.

Supreme Court on domestic violence cases: Can't drag family members without reason

The Supreme Court ruled that domestic violence cases must be handled sensitively, cautioning against implicating family members without specific allegations. It quashed charges against relatives in a case, warning against misuse of stringent criminal laws.

New Delhi. Observing domestic violence cases need to be handled with utmost sensitivity, the Supreme Court on Friday said family members of an accused cannot be implicated without specific charge in the criminal case in a sweeping manner. A bench of Justices B V Nagarathna and N Kotiswar Singh said in matrimonial disputes, emotions run high, and there may be a tendency to implicate other members of the family who do not come to the rescue of the complainant or remain mute spectators to any alleged incident of harassment. "In criminal cases relating to domestic violence, the complaints and charges should be specific, as far as possible, as against each and every member of the family who are accused of such offences and sought to be prosecuted, as otherwise, it may amount to misuse of the stringent criminal process by indiscriminately dragging all the members of the family," said the court.The observations reflected in a judgement that quashed the criminal proceeding against the family members against whom a woman filed a domestic violence case aside from her in laws.

The Telangana High Court had refused to quash the proceedings against the maternal aunt and cousin of the main accused. The top court said it couldn't constitute a criminal act without there being specific acts attributed to the family members.

When tempers run high and relationships turn bitter, there is also a propensity to exaggerate the allegations, which does not necessarily mean that such domestic disputes should be given the colour of criminality, it added. "There may be situations where some of the family members or relatives may turn a blind eye to the violence or harassment perpetrated to the victim, and may not extend any helping hand to the victim, which does not necessarily mean that they are also perpetrators of domestic violence, unless the circumstances clearly indicate their involvement and instigation," the bench said. The apex court said implicating all such relatives without making specific allegations and attributing offending acts to them and proceeding against them without prima facie evidence would amount to abuse of the process of law.

The court said invoking criminal process was a serious matter with penal consequences involving coercive measures, which could be permitted only when there was a specific act. It said criminalising domestic disputes without specific allegations and credible materials to support the same may have disastrous consequences for the institution of family, which is built on the premise of love, affection, cordiality and mutual trust. "Institution of family constitutes the core of human society. Domestic relationships, such as those between family members, are guided by deeply ingrained social values and cultural expectations. These relationships are often viewed as sacred, demanding a higher level of respect, commitment, and emotional investment compared to other social or professional associations," said the top court.

NEWS BOX

Donald Trump Announces Himself As Chairman Of Kennedy Center, Washington Cultural Venue

World US President Donald Trump announced Friday he will name himself to be chairman of the Kennedy Center, putting his aggressive rightwing stamp on Washington's premier cultural venue.

Trump broke the news in a post on his social media platform as he engages in a blizzard of policy changes upending the city and the country, attacking people, causes and policies he says are dangerously left wing.In a way, this appointment is another form of retribution, which Trump is seeking in his second term as he goes after perceived enemies: in his first term, from 2017 to 2021, the Republican regularly skipped the center's yearly gala event because people in line to receive awards criticized him and said they would not show up if he did.In his post, Trump suggested that the Kennedy Center, the stately white marble entertainment complex overlooking the Potomac River and named for the late president John F Kennedy, offered entertainment that did not reflect his own values.everal members of the board will be replaced, including the current chairman, the billionaire philanthropist David Rubenstein, Trump wrote."I have decided to immediately terminate multiple individuals from the Board of Trustees, including the Chairman, who do not share our Vision for a Golden Age in Arts and Culture. We will soon announce a new Board, with an amazing Chairman, DONALD J. TRUMP!" the president said on Truth Social."Just last year, the Kennedy Center featured Drag Shows specifically targeting our youth -- THIS WILL STOP. The Kennedy Center is an American Jewel, and must reflect the brightest STARS on its stage from all across our Nation. For the Kennedy Center, THE BEST IS YET TO COME!" Trump saidTrump did not say what show he was referring to.In December, the center hosted concerts by a band called Bertha that featured some of its musicians dressed in drag.The Kennedy Center is the home of the National Symphony Orchestra and also offers theatre, opera, comedy and other productions.

Rubenstein served as an advisor to the late president Jimmy Carter and also has ties to former president Joe Biden, who regularly attended the venue's top gala, the Kennedy Center Honors, every year.

TikTok Allows US Android Users To Download App Via Kits On Its Website

Washington. TikTok said on Friday it was allowing US Android users to download and connect to the short video app through package kits on its website, in an effort to circumvent restrictions on the popular platform in the country.pple and Google have not reinstated TikTok to their app stores since a US law took effect on January 19 requiring its Chinese owner ByteDance either to sell it on national security grounds or face a ban.President Donald Trump, who took office the day after the law went into effect, signed an executive order seeking to delay by 75 days the enforcement of the law.Trump has said that he was in talks with multiple people over TikTok's purchase and would likely have a decision on the app's future this month. It has about 170 million American users.

The president signed an executive order on Monday ordering the creation of a sovereign wealth fund within the next year, saying it could potentially buy TikTok.US officials have warned that under ByteDance, there was a risk of Americans' data being misused.Free speech advocates have opposed TikTok's ban under the law, which was overwhelmingly passed by Congress and signed by then-President Joe Biden.The company says US officials misstated its ties to China, arguing its content recommendation engine and user data are stored in the United States on cloud servers operated by Oracle, while content moderation decisions that affect American users are also made in the United States.

DOGE Staff Quits Over "Normalize Indian Hate" Post, Elon Musk Responds

World An employee from billionaire Elon Musk's Department of Government Efficiency (DOGE) has resigned after he was linked to racist posts on a deleted social media account.Marko Elez, 25, who was among two DOGE staff members who had access to the sensitive personal data of millions of Americans, resigned Thursday after The Wall Street Journal report uncovered multiple offensive posts on the account.

"Just for the record, I was racist before it was cool," the account reportedly posted in July last year.

"You could not pay me to marry outside of my ethnicity," the account wrote on X - a social media platform owned by Musk - in September.

Normalize Indian hate," the account wrote the same month about a post noting the prevalence of people from India in Silicon Valley.The racist post against Indians came at a time when Musk was facing criticism from some supporters of US President Donald Trump for his support for hiring skilled foreign workers in the tech sector following the appointment of Sriram Krishnan, an Indian-origin venture capitalist, to lead artificial intelligence policy in the Trump administration.

In another post, the account reportedly said it "would not mind at all if Gaza and Israel were both wiped off the face of the Earth."

Elon Musk Says "To Err Is Human"

Following Marko Elez's resignation, Elon Musk asked his 216 million followers on X if he should reinstate the "DOGE staffer who made inappropriate statements via a now-deleted pseudonym."About 78 per cent of the 3,85,000 respondents voted "yes," prompting Musk to announce: "He will be brought back. To err is human, to forgive divine."Elez's resignation came after a court ruled that he and another DOGE worker staffer continue to access the personal information of millions of Americans kept in Treasury payment systems.

Missing commuter plane found crashed on Alaska sea ice and all 10 aboard died, authorities say

JUNEAU. A small commuter plane that crashed in western Alaska on its way to the hub community of Nome was located Friday on sea ice, and all 10 people on board died, authorities said. The crash appeared to be one of the deadliest in the state in the last 25 years.Mike Salerno, a spokesperson for the U.S. Coast Guard, said rescuers were searching the aircraft's last known location by helicopter when the wreckage was spotted. Two rescue swimmers were lowered to investigate.

A photo provided by the Coast Guard showed the plane's splintered body and debris lying on the sea ice. Two people in brightly colored emergency gear circled the wreckage.The Bering Air single-engine turboprop plane was traveling from Unalakleet on Thursday afternoon with nine passengers and a pilot, Alaska's Department of Public Safety said. It was operating at its maximum passenger capacity, according to the airline's description of the plane.The Cessna Caravan left Unalakleet at 2:37 p.m., and officials lost contact with it less than an hour later, according to David Olson, director of operations for Bering Air. There was light snow and fog, with a temperature of 17 degrees (minus 8.3 Celsius), according to the National Weather Service.The Coast Guard said the aircraft went missing about 30 miles (48 kilometers) southeast of Nome.

Radar forensic data provided by the U.S. Civil Air Patrol indicated that about 3:18 p.m., the plane had "some kind of event which caused them to experience a rapid loss in elevation and a rapid loss in speed," Coast Guard Lt. Cmdr. Benjamin McIntyre-Coble said. "What that event is, I can't speculate to."McIntyre-Coble said he was unaware of any distress signals from the aircraft. Planes carry an emergency locating transmitter. If exposed to seawater, the device sends a signal to a satellite, which then relays that message back to the Coast Guard to indicate an aircraft may be in distress. There have been no such messages received by the Coast Guard, he said.All 10 people on board the plane were adults, and the flight was a regularly scheduled commuter trip, according to Lt. Ben Endres of the Alaska State Troopers.

Local, state and federal agencies assisted in the search effort, combing stretches of ice-dotted waters and scouring miles of frozen tundra.Flying is an essential mode of transportation in Alaska due to the vastness of the landscape and limited infrastructure. Most communities are not connected to the developed road system that serves the state's most populous region, and it's common to travel by small plane.

Some high school teams fly to sporting events against rival high schools, and goods are brought to many communities by barge or by air.The plane's disappearance marks the third major U.S. aviation mishap in eight days. A commercial jetliner and an Army helicopter collided near the nation's capital on Jan. 29, killing 67 people. A medical transportation plane crashed in Philadelphia on Jan. 31, killing the six people on board and another person on the ground.Bering Air serves 32 villages in western Alaska from hubs in Nome, Kotzebue and Unalakleet. Most destinations receive twice-daily scheduled flights Monday through Saturday. Two Bering Air planes appeared to be searching in a grid pattern just off the coastline Friday morning, according to the flight tracking service Flightradar24.

Unalakleet is a community of about 690 people about 150 miles (about 240 kilometers) southeast of Nome and 395 miles (about 640 kilometers) northwest of Anchorage. The village is on the Iditarod trail, route of the world's most famous sled dog race, during which mushers and their teams must cross the frozen Norton Sound.

Nome, a Gold Rush town, is just south of the Arctic Circle and is known as the ending point of the 1,000-mile (1,610-kilometer) Iditarod. The city said prayer vigils would be held Friday for those on board the plane, friends and family and those involved in search efforts.

Two dead after small plane crashes into bus in Sao Paulo

SAO PAULO. Two killed and six people injured Friday when a small plane crashed on a major avenue in Brazil's economic capital Sao Paulo, narrowly escaping heavy traffic and skidding into a bus, authorities said.The plane, carrying two people, slid hundreds of meters along the avenue, passing in front of a queue of dozens of vehicles waiting at a traffic light, according to images shown in local media.

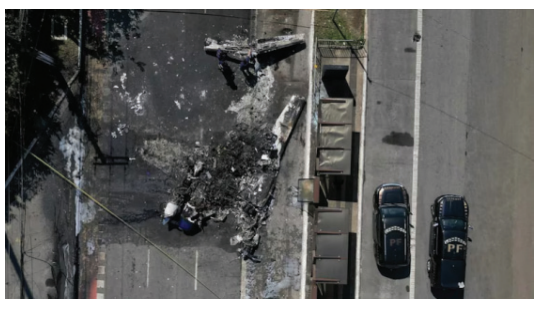

The aircraft then hit a bus and exploded. The pilot and a passenger were killed in the accident, which happened shortly after the King Air F90 took off from the Campo de Marte airport, which handles domestic flights. Six people were injured, said firefighter chief Ronaldo Melo told journalists.he passengers of the bus managed to escape, some of whom were left with "bruises." A passing motorcyclist also fell and received medical attention.Images broadcast on local television showed thick plumes of smoke billowing into the air, however firefighters quickly got the blaze under control.Investigators are at the scene "taking photos and interviewing people who witnessed the aircraft crash" to establish the circumstances of the accident, Melo said.He said it was unclear if the plane had been attempting an emergency landing at the time of the accident.Brazil has seen several dramatic small plane crashes in recent months.According to statistics from the Center for Investigation and Prevention of Aeronautical Accidents (CENIPA), there were 20 aircraft accidents in January, with eight people killed. These mainly involved agricultural aircraft and private planes.

In 2024, the country recorded the highest number of aircraft accidents in the last 10 years, with 175 crashes and 152 deaths.Last August, Brazil suffered its worst air tragedy in 17 years, when a plane crashed in the city of Vinhedo in Sao Paulo state, killing all 62 on board.

Indian Origin Man Gets Up To 25 Years Jail In Driving Crash Killing 2 Teens

New York. An Indian-descent construction executive has been given a sentence of up to 25 years for driving at 150 kmph while drunk and high on cocaine resulting in a crash that killed two teen tennis players.

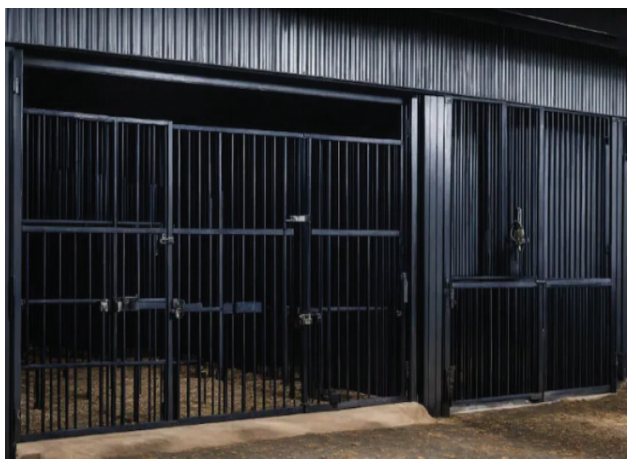

Amandeep Singh was sentenced on Friday to a maximum prison time of 25 years with a minimum of eight years and four months in Mineola on Long Island as nine family and friends of the victim angrily denounced him in court.

"Your anger towards me is fully understood and totally justified," a penitent Singh told them before he was sentenced."This was all my fault. Losing a child is the greatest grief. I have committed the great sin. If anyone should have died, it should have been me," he told Judge Helene Gugerty.The crowd of the popular teens' supporters who had come to witness the sentencing was so large that two additional courtrooms were opened to accommodate them.

Under the sentence Gugerty imposed, Singh has to serve the minimum sentence before he can be considered for parole, based, among othaer things, on his conduct in prison, with the term extending to 25 years if he doesn't qualify for parole.Singh, 36, worked as a project manager for a construction company.Nassau District Prosecutor Anne Donnely said that on a night in May 2023, Singh sped the wrong way at 150 kmph in his Dodge Ram truck in a zone with a 65 kmph speed limit.

He hit the Alfa Romeo with four teens, two of whom survived the crash, and he was caught hiding near a garbage dumpster, she added.

Tests revealed that he had a blood alcohol level of 0.15 per cent, nearly twice the limit of 0.8 per cent, and the presence of cocaine, she said.The two 14-year-olds who died, Ethan Falkowitz and Drew Hassenbein, were budding tennis stars who were returning from celebrating their victory in a match.Falkowitz's family has set up a foundation in his honour to promote tennis among young people.

Along with the US Tennis Association and others, it hosts a tennis classic tournament in his honour.

Donald Trump Calls To 'Close Down' USAID 'Driving The Radical Left Crazy'

Washington, United States. President Donald Trump on Friday called for USAID to be shuttered, escalating his unprecedented campaign to dismantle the humanitarian agency.

"THE CORRUPTION IS AT LEVELS RARELY SEEN BEFORE. CLOSE IT DOWN!" Trump wrote on his Truth Social app without offering any evidence to back up his assertion.His latest attack on the United States Agency for International Development (USAID), which distributes US humanitarian aid globally, is part of a drive that has triggered chaos in its global network and allegations of weakening American influence on the world stage.In the three weeks since he began his new term, Trump has launched a crusade led by his top donor and world's richest person, Elon Musk, to downsize or dismantle swaths of the US government.

The most concentrated fire has been on USAID.

On Friday, Musk -- who along with Trump has spread blatantly false information about USAID's finances -- reposted photos on social media of the agency's signage being taken down from its Washington headquarters.The Trump administration has already frozen foreign aid and ordered thousands of internationally-based staff to return to the United States, with reported impacts on the ground steadily growing.On Thursday, a union official confirmed reports that the USAID headcount of 10,000 employees would be reduced to around only 300.Labor unions are challenging the legality of the onslaught, including a separate government-wide offer of buyouts by Musk's teamA federal judge on Friday ordered a pause to the administration's plan to put 2,200 USAID workers on paid leave at 11:59 pm.Democrats in Congress say it would be unconstitutional for Trump -- who has also vowed to close the Department of Education -- to shut down government agencies without the legislature's green light.Soft powerThe United States' current budget allocates about $70 billion for international assistance.However while Washington is the biggest aid donor in the world, the money has only amounted to between 0.7 and 1.4 percent of total US government spending in the last quarter century, according to the Pew Research Center.USAID runs health and emergency programs in around 120 countries, including the world's poorest regions.It is seen as a vital source of soft power for the United States in its struggle for influence with rivals including China.Samantha Power, the USAID chief under former president Joe Biden, dubbed the agency "America's superpower" in a scathing New York Times opinion piece Friday."We are witnessing one of the worst and most costly foreign policy blunders in US history," said Power.Unless the dismantling is halted, Power wrote, "future generations will marvel that it wasn't China's actions that eroded US standing and global security" but rather "an American president and the billionaire he unleashed to shoot first and aim later."

Justin Trudeau reportedly says Trump's talk of making Canada a US state is 'a real thing'

Trudeau's comments to business and labor leaders in a closed-door session were mistakenly carried by a loudspeaker.

VANCOUVER, British Columbia (AP) — Prime Minister Justin Trudeau on Friday said President Donald Trump's talk of making Canada the 51st U.S. state is "a real thing" and is linked to the country's rich natural resources, local media reported.

Trudeau's comments to business and labor leaders in a closed-door session were mistakenly carried by a loudspeaker, Canada's public broadcaster CBC reported.

"Mr. Trump has it in mind that the easiest way to do it is absorbing our country and it is a real thing. In my conversations with him on…," Trudeau said of making Canada a U.S. state before the microphone cut out, according to CBC."They're very aware of our resources, of what we have and they very much want to be able to benefit from those," Trudeau reportedly said.Trudeau's office did not immediately respond to a request for comment.In a post on social platform X, Gil McGowan, president of the Alberta Federation of Labor, confirmed what Trudeau said."Yes, I can confirm that Trudeau said his assessment is that what Trump really wants is not action on fentanyl or immigration or even the trade deficit, what he really wants is to either dominate Canada or take it outright," McGown wrote.Trump has repeatedly suggested Canada would be better off if it agreed to become the 51st U.S. state.In public comments Friday, Trudeau said Canada must think "tactically and strategically" on how to deal with Trump's threats to impose hefty tariffs on all Canadian imports.peaking in Toronto at the opening of a one-day summit on the Canada-U.S. economic relationship, Trudeau said the country must work with the U.S. to avoid tariffs, adding that Canada needs to eliminate internal trade barriers and expand its trade with other nations.

"This is a moment," said Trudeau. "This is a time in our country's history that really

matters."Trump on Monday agreed to a 30-day pause on threats to impose 25% tariffs on imports from Mexico and Canada, with another 10% tariff on Canadian oil, natural gas and electricity.Trump had threatened the tariffs to ensure greater cooperation from the countries to stop illegal immigration and prevent fentanyl smuggling, but he has also pledged to use tariffs to boost domestic manufacturing and raise revenues for the federal government.Trudeau said Canada can use the 30-day extension to show U.S. officials the country's increased spending on border security. Canada has announced a $1.3 billion Canadian dollars ($900 million) border security plan that includes drones, helicopters, more border guards and the creation of a joint task force.Trudeau also has promised to appoint a new fentanyl czar, who will serve as the primary liaison between the Canadian and U.S. governments, even though less than 1% of the fentanyl and illegal immigrant crossings into the U.S. come from Canada."We need to be very deliberate about how we continue to engage closely with the United States to make the case that Canada is responsible for a tiny part of the North American fentanyl problem, but that we are also bitterly touched by this tragedy," Trudeau said.e added that Canada needs to be prepared.

NEWS BOX

D Gukesh makes subtle start in Freestyle Chess Grand Slam amid format controversy

New Delhi. Reigning world champion D Gukesh kicked off his campaign at the Freestyle Chess Grand Slam with three draws and one defeat, gradually adapting to the unconventional format that has sparked debate in the chess world.Gukesh's opening match saw him hold Uzbekistan's Nodirbek Abdusattorov to a draw before falling to France's Alireza Firouzja. He followed up with two more draws against American Levon Aronian and Uzbekistan's Javokhir Sindarov at the Weissenhaus Luxury Resort in Germany. With five group-stage rounds still remaining, Gukesh must secure a top-eight finish among ten participants to progress to the next stage.Meanwhile, Carlsen himself has had an up-and-down start, winning and losing two games each, while Fabiano Caruana and Sindarov currently lead the standings with 3.5 points after four rounds.

What is Freestyle Chess?Freestyle Chess, an evolution of Fischer Random Chess, is the brainchild of world No. 1 Magnus Carlsen and German entrepreneur Jan Henric Buettner. It eliminates traditional piece placement, allowing for 960 possible

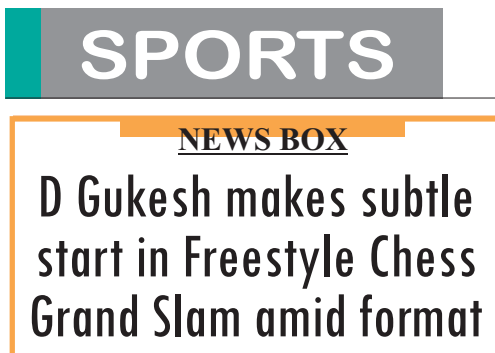

starting positions, making it a dynamic variation of the game. Despite facing resistance from FIDE, the governing body of chess, this format is being positioned as a long-term addition to professional chess.

The introduction of Freestyle Chess has also led to tensions between FIDE and the event's promoters, particularly over whether the format should crown its own world champion. For now, organisers have put the championship title debate on hold for ten months. However, the rift deepened after Carlsen publicly called for the resignation of FIDE President Arkady Dvorkovich, a former Russian Deputy Prime Minister and key figure in organising the 2018 FIFA World Cup.

Indian chess legend Viswanathan Anand withdrew from the event earlier, likely due to his role as FIDE's Deputy President. Despite ongoing disputes, the new format is backed by major investment, with a lucrative prize pool of 750,000 USD per tournament across five events this year—an amount rarely seen in chess competitions.

Could Axar Patel keep Rishabh Pant on bench in Champions Trophy Manjrekar reacts

New Delhi. Sanjay Manjrekar feels that Axar Patel's all-round versatility could force Rishabh Pant to wait on the sidelines for some time after India's win in the first ODI against England. India decided to promote Axar during the run chase to No.5 and the move worked wonders. The all-rounder scored 52 runs off 47 balls and put on a 108-run stand with Shubman Gill to ensure that India got home in the end with 4 wickets to spare.Pant was forced to warm the bench as India opted for KL Rahul as the wicket-keeper during the 1st ODI in Nagpur and Manjrekar feels that the wait may continue

for the 27-year-old, even during the Champions Trophy. Speaking to ESPNCricinfo, the former cricketer said that Axar is a great option, and he has got the temperament of a batter."Before the match started, there was a suggestion from me that maybe Rishabh Pant could be tried only with the Champions Trophy in mind. Plus, India would have a left-hander in the top six or seven. Axar Patel is a great option to have because this is a guy, we have seen him bat in Test matches for India, and he has a batter's temperament," said Manjrekar.

'Axar looked good against spinners'

Manjrekar said that Axar looked good against spinners, and it had been a problem for India during the middle overs in the past. The former cricketer said that Axar would be a good option to have in the middle order in Dubai, where India will be playing their matches in the Champions Trophy.

"Boy, he looked good against spinners. India have had a problem in the middle overs where they have struggled to find batters who are competent against spin. Because this Champions Trophy is going to be played in our part of the world, there's going to be a lot of spin impact on the games."Axar Patel is a terrific option to have in the middle, thereby perhaps delaying Rishabh Pant's chances of coming back in. Now, they have found a left-hander that they can bat in the middle," Manjrekar concluded.

Is gung-ho approach pegging back England in ODIs

- For a team that set the tone on being proactive and playing an aggressive brand of cricket between 2015 and 2019, Buttler and Co seem to have lost the way in the format

CUTTACK. Axar Patel was down on his knee laughing at the VCA Stadium in Nagpur on Thursday. He couldn't believe what had happened and neither did England captain Jos Buttler. Having bowled what was possibly his worst delivery of the match — a half-tracker — all Axar would have expected was Buttler to smash it.And so did Buttler as he went back in the crease to pull it. But the ball kept low, Buttler tried to adjust but it was so low that he got into an awkward position as the ball took the top edge and fell right into the hands of Hardik Pandya at short-fine leg. Just when it seemed like Buttler was building a partnership with Jacob Bethell, the England captain fell in a way that summed up the series so far for them.

Build momentum, take on Indian bowlers, and lose the plot against the run of play. It happened earlier in the powerplay when a horrendous mix-up led to the run out of Phil Salt. With Ben Duckett trying to keep going, he too fell shortly after. The result and pent-up pressure from a confident Harshit Rana meant Harry Brook, who is struggling for form, got out in the same over.

It is not just that. Even later in the innings, when England still had eight overs to go with just three wickets in hand, Bethell, who had fought hard for a fifty, went after Ravindra Jadeja only to be trapped on the pads. Trying to double down on their intent, which did not necessarily work in the T20Is, England continued to lose wickets in clusters and as a result conceded control and momentum to India. Only if they had they managed to add another 40-odd runs, it could have changed the course of the match in the second innings.Buttler admitted as much after the loss on Thursday. "We were probably another 40 or 50 runs (short) on that total — with the way the wicket was turning at the end, we would have been in a good position to try to win the game," Buttler said. "We really had the momentum at that point and absolutely once we've got it, we need to continue to keep putting the opposition under pressure for longer. I think that's been the story for us so far — how can we keep that momentum going for a bit longer when we've got it? And when we've got it, hold on to it," he added.CUTTACK: Axar Patel was down on his knee laughing at the VCA Stadium in Nagpur on Thursday. He couldn't

believe what had happened and neither did England captain Jos Buttler. Having bowled what was possibly his worst delivery of the match — a half-tracker — all Axar would have expected was Buttler to smash it.

And so did Buttler as he went back in the crease to pull it. But the ball kept low, Buttler tried to adjust but it was so low that he got into an awkward position as the ball took the top edge and fell right into the hands of Hardik Pandya at short-fine leg. Just when it seemed like Buttler was building a partnership with Jacob Bethell, the England captain fell in a way that summed up the series so far for them.Build momentum, take on Indian bowlers, and lose the plot against the run of play. It happened earlier in the powerplay when a horrendous mix-up led to the run out of Phil Salt. With Ben Duckett trying to keep going, he too fell shortly after. The result and pent-up pressure from a confident Harshit Rana meant Harry Brook, who is struggling for form, got out in the same over.It is not just that. Even later in the innings, when England still had eight overs to go with just three wickets in hand, Bethell, who had fought hard for a fifty, went after Ravindra Jadeja only to be trapped on the pads. Trying to double down on their intent, which did not necessarily work in the T20Is, England continued to lose wickets in clusters and as a result conceded control and momentum to India. Only if they had they managed to add another 40-odd runs, it could have changed the course of the match in the second innings.Buttler admitted as much after the loss on Thursday. "We were probably another 40 or 50 runs (short) on that total — with the way the wicket was turning at the end, we would have been in a good position to try to win the game," Buttler said. "We really had the momentum at that point and absolutely once we've got it, we need to continue to keep putting the opposition under pressure for longer. I think that's been the story for us so far — how can we keep that momentum going for a bit longer when we've got it? And when we've got it, hold on to it," he added.

New Zealand's Lockie Ferguson in doubt for Champions Trophy with injury: Reports

New Delhi. New Zealand's preparations for the Champions Trophy have been dealt a major setback as fast-bowling all-rounder Lockie Ferguson faces a race against time to regain fitness. Ferguson sustained a hamstring injury while playing in the UAE's ILT20, putting his availability for both the upcoming Tri-Series against Pakistan and South Africa, as well as the Champions Trophy, in doubt.The experienced pacer, leading the Desert Vipers in the ILT20, was forced to leave the field midway through his spell during a crucial qualifier against Dubai Capitals. Unable to complete his allotted overs, he had to be replaced by Mohammad Amir for the final delivery of his spell. Concerned about the severity of the injury, Ferguson underwent scans the following day, and New Zealand head coach Gary Stead has confirmed they are still awaiting further reports."Lockie had a scan yesterday [Thursday] in the UAE...We've got the images here and [we are] waiting for our

radiologist to give us a report on the extent of it. Small hamstring injury, by the look of it, so we're just waiting on a timeline of advice around that before we make a decision on whether Lockie travels here [Pakistan] or whether we do have to replace him for the Champions Trophy," Stead said.Ferguson's absence continued in the Eliminator against Sharjah Warriors, where he handed over the captaincy duties to England's Sam Curran. His unavailability for consecutive matches has raised alarms within the New Zealand camp, particularly with the Champions Trophy fast approaching. The Black Caps are set to open their campaign against co-hosts Pakistan on February 19 in Karachi, making his recovery timeline even more crucial.Given Ferguson's status as one of the most senior bowlers in the squad, his potential absence could significantly impact New Zealand's pace attack. As a precaution, seamer Jacob Duffy has been placed on standby and could be promoted to the main squad if Ferguson is ruled out. All participating teams have until February 12 to make any necessary squad adjustments.

The upcoming Tri-Series, scheduled to begin on February 8, will provide an opportunity for New Zealand to assess their bowling options. However, Ferguson's injury has created an added layer of uncertainty, forcing the team management to consider potential changes to their strategy ahead of the marquee ICC event.

Who is Maaya Rajeshwaran 15-year-old tennis prodigy who reached WTA 125 semi-final

New Delhi. At just 15 years old, Maaya Rajeshwaran has been making waves in the tennis world with her remarkable performances. The rising Indian star continued her sensational form at the L&T Mumbai Open WTA 125 Series, securing a place in the semifinals on Friday at the prestigious Cricket Club of India. Her victories over higher-ranked opponents have further cemented her status as one of India's most promising young talents.

Maaya's journey in the tournament has been nothing short of inspiring. She overcame World No. 264 Nicole Fossa Huergo of Italy in a hard-fought three-setter (6–3, 3–6, 6–0) before battling past World No. 434 Jessica Failla of the United States (7–6(9), 1–6, 6–4). With these wins, she became the youngest Indian player ever to earn a WTA point, a feat that speaks volumes about her potential and talent.

A Star in the Making

Given a qualifying wildcard by the Maharashtra State Lawn Tennis Association, Maaya has made the most of her opportunity at the WTA 125 event—the second-highest tier in professional women's tennis, just below the

WTA Tour. Her game has drawn comparisons to some of the sport's greats, including her idols Serena Williams and Aryna Sabalenka. Whether dominating from the baseline or charging the net with confidence, Maaya's ability to construct points with precision has turned heads in the tennis fraternity.In her main-draw opener, she stunned World No. 225 Iryna Shymanovich of Belarus with a commanding 6–4, 6–1 victory, showcasing a maturity well beyond her years.

The Journey of a Future Champion

Born on June 12, 2009, in Coimbatore, Tamil Nadu, Maaya's introduction to tennis was almost incidental—an after-school activity at the age of eight. Under the guidance of former India No. 1 K.G. Ramesh, she honed her early skills before transitioning to Pro Serve Tennis Academy. There, coach Manoj Kumar has been instrumental in shaping her game over the past five years.Despite playing just her fifth senior tournament, Maaya has exuded confidence and composure, earning widespread praise.

They always chant RCB, RCB: Jacob Bethell overwhelmed by massive support in India

- England all-rounder Jacob Bethell opened up on receiving massive support in India after bagging a Rs 2.60 crore deal with RCB for IPL 2025.

New Delhi. England all-rounder Jacob Bethell is overwhelmed by the support in India during the ongoing T20I and ODI tour. Bethell, who recently bagged Rs 2.60 crore deal at the IPL 2025 (Indian Premier League 2025) mega auction being bought by the Royal Challengers Bengaluru (RCB), has been receiving massive support in India.

The 21-year-old recently shared the experience of being cheered on by RCB fans at different venues in India who welcome him with RCB chants everywhere. He also expressed excitement ahead of sharing the

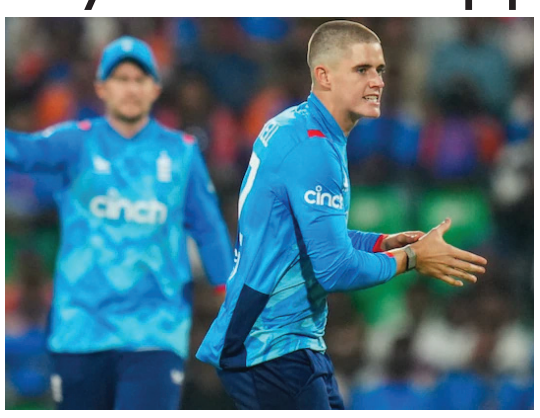

dressing room with several big names of international cricket in the upcoming season of the IPL including the star batter Virat Kohli"RCB is a great franchise, and I've felt the love over here. Every ground I've been to, as soon as I walk onto the pitch, they start chanting: RCB, RCB. There's definitely a lot of support. To play along with the likes of players like that would be really cool," Bethell was quoted as saying by Daily Mail.Furthermore, Bethell spoke highly of his all round skills and shared his thought process while bowling.

"I see myself as a genuine all-rounder. Whenever, I get the chance to bowl and state my claim, and put us in a good position, I will. It's a massive part of my package," he added.Bethell didn't have a good start to the India tour as he could only score 23 runs across three matches in the T20I series. However, he finally put his all-round skills on display in the first ODI by helping to rescue his team's innings from 111/4, scoring 51 (64) with the help of three fours and a six.He also picked up the crucial wicket of Shreyas Iyer (59 off 36) with the ball giving away 18 runs in three overs. Despite his good performance, England ended up losing the match by four wickets as India took a 1-0 lead in the series. Meanwhile, after having shown glimpses of his skills in the series opener, Bethell will be eager to continue his good form and help England make a comeback in the series during the second ODI in Cuttack on February 9.

Rudd van Nistelrooy takes sly dig on Manchester United's late winner vs Leicester

- Ruud van Nistelrooy criticised Manchester United's controversial FA Cup winner and the absence of VAR after Harry Maguire's stoppage-time goal, which appeared offside, knocked Leicester City out of the competition.

New Delhi. Leicester City manager Ruud van Nistelrooy expressed his fury over Manchester United's controversial stoppage-time winner, which knocked his side out of the FA Cup on 8th February. He also criticised the absence of VAR in the early rounds of the competition, claiming the technology could have prevented a crucial refereeing error.

Facing his former club at Old Trafford, van Nistelrooy endured a frustrating evening as his side suffered a dramatic 2-1 defeat. Leicester took the lead in the 42nd minute through Bobby De Cordova-Reid, but United mounted a late comeback, with Joshua Zirkzee equalising in the 68th minute before Harry Maguire headed in a stoppage-time winner. However, replays suggested that Maguire was in an offside position when Bruno Fernandes delivered the decisive free-kick.After the match, van Nistelrooy did not hold back his frustration, insisting that Maguire's goal should not have stood. Drawing on his own experience as a former United player under Sir Alex Ferguson, he dismissed suggestions that the victory was an example of United's famous 'Fergie-time' resilience. Instead, he sarcastically dubbed the incident "offside time," arguing that the decision was a blatant mistake by the match officials.We are not defeated in Fergie time, we are defeated in offside time... We are gutted," Van Nistelrooy said.

"When you prepare for the whole week for this game and reacting after the Everton loss and

put in a performance like that but it is decided on a clear and obvious mistake, that is unacceptable and unthinkable at this level. We have nothing else to do but pick ourselves up. It is not what the team deserved," he added.The absence of VAR in the early FA Cup rounds has been a contentious issue, with the Football Association deciding in December that the technology would only be introduced from the fifth round onwards. This policy left Leicester at a disadvantage, as they were denied the possibility of a VAR check that could have ruled out Maguire's goal."This wasn't necessary. Look, VAR you have in a couple of centimetres, couple of inches. This was half a metre, clear in line. It's a hard one to take because the team deserved the draw in the end, the extra-time to stay in the game, you never know what happens," he added.United coach Ruben Amorim, speaking after the match, even accepted himself that his side were lucky to be awarded the goal, which he also believes would have been ruled out in the presence of VAR.Despite the controversy, Manchester United's victory provided a crucial morale boost for Ruben Amorim's side, who have been struggling for consistency in the Premier League. The win keeps United's FA Cup hopes alive and could serve as a turning point in their season. However, van Nistelrooy and Leicester will feel aggrieved, believing they were unfairly eliminated from the competition due to an avoidable refereeing error.

Alia Bhatt

Looks Chic In Black Shorts And Tee, Steps Out To Play Pickle Ball

Alia Bhatt was spotted in a casual yet stylish outfit. The actress stepped out to play pickleball and opted for an ensemble of black shorts paired with a casual tee. The video has gone viral and fans were seen reacting. Ranbir Kapoor is also often spotted playing pickleball in the city.In the video, shared by Viral Bhayani, we can see Alia Bhatt looks cool in a complete black outfit and was seen engaging in sports. One of the fans wrote, “She simply stunning." Another wrote, “Super baby". Many dropped heart emojis in the comment section. Alia Bhatt was last seen in Jigra.

Alia Bhatt is currently shooting for her next film Love And War with Ranbir Kapoor and Vicky Kaushal. Recently, in a conversation with Pinkvilla, Vicky talked about his bond with Alia and Ranbir.

He was quoted saying, “I have great comfort with both of them. I’m doing my second film with Ranbir; I did Sanju with him. With Alia, I did Raazi, so both are very easy to work with—incredibly talented actors. I don’t even need to say that."The film will now be out in theatres on March 20, 2026, instead of Christmas 2025. Love and War will be the first collaboration of Ranbir and Bhansali after the actor’s 2007 debut Saawariya. The film was officially announced in January 2024. The original announcement on Instagram read, “We Bring You Sanjay Leela Bhansali’s Epic Saga ‘Love & War.’ See You At The Movies Christmas 2025."

Previously in an exclusive conversation with News18 Showsha, Alia Bhatt expressed her excitement about the project. “There are so many layers to look forward to, that I don’t know which one to pick. First and foremost, the pleasure and honour of working with Sanjay sir, once again, under his guidance and gaze, flourish is step number one. You can go anywhere with it because of his attention to detail and his attention to you," Alia said.

Shah Rukh Khan, Aamir Khan Pose With Juhi Chawla, Actress Recalls ‘So Many Crazy Memories’

Aamir Khan’s son Junaid Khan is all set to make his theatrical debut with his upcoming film ‘Loveyapa’. Several A-listers including Shah Rukh Khan, Salman Khan, Juhi Chawla, and others attended the screening of the film, held in Mumbai. Now, Juhi Chawla has shared photos from the screening, during which she reunited with her two favourite co-stars Shah Rukh and Aamir. She called it a ‘rare and precious moment’, while recalling that they have made crazy memories on so many film sets.

Juhi Chawla took to her Instagram account to share several pictures from the screening of Loveyapa, but the highlight of the post was her photograph with her co-stars Aamir Khan and Shah Rukh Khan. The picture shows her posing between the two superstars, and the picture left fans nostalgic. In her caption, she wrote how happy she was to meet them. “SO HAPPY to meet ShahRukh and Aamir together. It is a rare and precious moment .. the two heroes whom I worked with extensively, laughed and cried with on so many sets, so many super fun films, so many crazy memories… “

Further, she praised Junaid Khan and wrote, “And then to be coming to Junaid’s film screening, I had first seen him as a baby!!! How the years have flown … He is SUCH a wonderful down -to - earth boy , God Bless him Wish him Great success with Loveyappa. #loveyapa."

Needless to say, fans went gaga over Juhi’s picture with SRK and Aamir. While one Instagram user wrote, “Omg !!!! My favorite duo Aamir and Juhi together" another one commented, “It’s such HAPPINESS to see you with Aamir PLEASE DO NEW ROMANTIC FILM TOGETHER PLEASEEEEEEE." A third comment read, “You are glowing ma’am hope to see you with SRK and Aamir Khan someday on the big screen!"

Priyanka Chopra Grooves To Dhan Te Nan, Nick Jonas Sings Maan Meri Jaan At Siddharth-Neelam’s Sangeet

Bollywood actress Priyanka Chopra and her hubby Nick Jonas are having a gala time celebrating the actress’ brother Siddharth Chopra and Neelam Upadhyaya’s pre-wedding festivities. Nick’s parents Denise Jonas and Kevin Jonas Sr. are also present for the wedding festivities in Mumbai. Several visuals from Siddharth and Neelam’s sangeet ceremony have surfaced on social media.

PeeCee left everyone mesmerized as she danced to the popular song ‘Dhan Te Nan’ from her 2009 film ‘Kaminey’. Meanwhile, Nick Jonas sang his famous song ‘Maan Meri Jaan’, while the actress danced.One video that has been shared on Priyanka Chopra’s fan pages shows the actress grooving to her film Kaminey’s song ‘Dhan Te Nan’, along with others. The actress nailed the iconic hook step, leaving the audience in awe as other guests enthusiastically cheered her on.

Meanwhile, Nick Jonas stole the show with his soulful rendition of ‘Maan Meri Jaan’. Priyanka and Siddharth Chopra showed off their dance moves as Nick sang, and it was clearly the highlight of the sangeet. Meanwhile, Nick Jonas was also seen crooning the Jonas Brothers’ iconic song ‘When You Look Me In The Eyes’, along with his father Kevin Jonas Sr. Their performance left everyone captivated. Check out the videos below!

Meanwhile, other videos from the sangeet ceremony show Priyanka dancing her heart out with her soon-to-be sister-in-law Neelam Upadhyaya on the song ‘Balle Balle’. The ‘Citadel’ actress also grooved to Darling from her film ‘7 Khoon Maaf’. For the sangeet ceremony, Priyanka donned a midnight blue lehenga by designer Falguni Shane Peacock. Meanwhile, Nick looked perfectly complemented her in a matching velvet bandhgala set. Earlier, Priyanka Chorpa shared a series of pictures from Siddharth Chopra and Neelam Upadhyaya’s haldi and mehendi ceremonies.

Meanwhile, before landing in Mumbai for her brother’s wedding festivities, Priyanka Chopra was shooting in Hyderabad for her upcoming film, SS Rajamouli’s SSMB29 with Mahesh Babu. Apart from this, she will also be seen in the second season of her spy thriller series ‘Citadel’.

Shark Tank India's

Namita Thapar

Anupam Mittal Clash Over Underwear Detergent: 'Vaginal Infections Huge'

The latest episode of Shark Tank India featured a compelling pitch by married couple Samiksha and Rahul, who presented their innovative underwear detergent brand Ugees. They explained that their product caters primarily to women who prefer not to wash their undergarments alongside regular laundry, but the presentation didn’t go without scrutiny.Anupam Mittal questioned the need for a dedicated underwear detergent, saying, “Have you heard of washing machines? You get all kinds of detergents as well; clean, green, everything in between. Put some disinfectant, and you’re done. Why are you complicating these things?"

However, the couple clarified that their core customer base comprises women who avoid mixing undergarments with other clothes, particularly during their periods. Anupam acknowledged this crucial insight, stating they should have highlighted it during their pitch, which seemed to target male users instead.Namita Thapar voiced her support for the product, talking about the critical issue of hygiene. “Vaginal infections are extremely common in women because their undergarments aren’t as clean as they need to be," she pointed out. Namita advised the couple to leverage this perspective more strongly to convince investors.Initially positioned as a product for men, Ugees faced some confusion among the sharks. Despite this, Samiksha and Rahul spoke about the detergent’s role in minimising infection risks. They sought Rs 50 lakh for 2.5% equity, valuing the company at Rs 20 crore. They projected Rs 4 crore in revenue this year, aiming to scale it to Rs 4 crore per month.

Peyush Bansal recommended partnering with lingerie brands, drawing a parallel with how shoe polish companies collaborate with shoe brands. However, he and Ritesh Agarwal opted out of the deal.Namita initially decided to back out but eventually teamed up with Aman Gupta, offering Rs 50 lakh for 6% equity. Anupam Mittal countered with Rs 50 lakh for 5% equity, later reducing it to 4% after negotiations. The couple accepted Anupam’s offer, securing a favourable deal.